RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 10 अंक 112
नई दिल्ली, रविवार, 27 फरवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

नडाल मैक्सिको ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में

स्पोर्ट्स-12

भारत ने यूएन में रूस के खिलाफ नहीं किया वोट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यूक्रेन संकट को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में रूस के खिलाफ प्रस्ताव पर भारत ने मतदान से किनारा कर लिया। भारत ने कहा कि वह यूक्रेन की घटनाओं से बहुत व्यथित है। शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान करते हुए भारत अब यूक्रेन-रूस के बीच युद्ध रोकने के लिए अन्य देशों के साथ मिलकर राजनयिक प्रयासों में शामिल होगा। यूएनएससी में स्थायी सदस्य की हैसियत से रूस के वीटो लगा देने के कारण उसके खिलाफ प्रस्ताव पारित नहीं किया जा सका। पंद्रह सदस्यीय यूएनएससी में प्रस्ताव के पक्ष में 11 वोट मिले और भारत, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित तीन ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। भारत ने शुक्रवार की रात मतदान से परहेज करते हुए कहा कि मतभेदों और विवादों को निपटाने के लिए बातचीत ही एकमात्र रास्ता है।

उसने कूटनीति का मार्ग छोड़े जाने पर अफसोस जताया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत यूक्रेन में हाल के घटनाक्रम से बहुत परेशान है। मतदान से अनुपस्थित रहने का कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि सभी सदस्य देशों को अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का सम्मान करना चाहिए, क्योंकि ये आगे एक रचनात्मक रास्ता बनाते हैं।

- यूक्रेन-रूस में बिगड़ते हालात पर जताया दुख, बातचीत से संकट का समाधान निकालने का किया आह्वान
- पंद्रह सदस्यीय यूएनएससी में प्रस्ताव के पक्ष में 11 वोट पड़े, पर भारत चीन और यूएई रहे अलग

उन्होंने यह भी कहा कि भारत अपनी सुसंगत, दृढ़ और संतुलित स्थिति पर कायम रहा। बयान में देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने एवं हिंसा व शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया गया। यही बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से गुरुवार को फोन पर हुई बातचीत में व्यक्त किए गए थे। सूत्रों ने बताया कि पहले के मसौदे में संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय सात के तहत प्रस्ताव को आगे बढ़ाया जाना था, जिसके अनुसार सुरक्षा परिषद कड़ी कार्रवाई कर सकती है। हालांकि, मतदान के लिए रखे गए अंतिम मसौदे में इसे हटा दिया गया था। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को कहा कि प्रस्ताव से अलग रहकर भारत ने संकट को कम करने के लिए बीच का रास्ता खोजने और बातचीत एवं कूटनीति को बढ़ावा देने के लिए सभी संबंधित पक्षों तक पहुंचने का विकल्प अपनाया है। भारत ने यूएनएससी को यह भी बताया कि वह सभी संबंधित पक्षों के संपर्क में है और उनसे बातचीत की (शेष पेज 8)

राजधानी कीव में घुसे रूसी सैनिक, सड़कों पर संघर्ष तेज

एपी। कीव

यूक्रेन की राजधानी कीव में रातभर धमाकों और सड़कों पर घमासान के बाद शनिवार को रूसी सैनिक यहां प्रवेश कर गए और संघर्ष अब तेज हो गया है। वहीं संघर्ष बढ़ने के बीच यूक्रेन के नागरिक अब भूमिगत आश्रयस्थलों को तलाश रहे हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने वहां से निकल जाने के अमेरिकी प्रस्ताव को मानने से इनकार कर दिया तथा जोर दिया कि वह राजधानी में ही रुकेंगे।

उन्होंने कहा, यहां जंग जारी है। यूक्रेन के अधिकारियों ने रूसी हमलों को रोकने में कुछ सफलता हासिल करने की सूचना दी। यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि कीव में सैनिक कितनी दूर आगे बढ़ चुके है। यूक्रेनी अधिकारियों ने हमलों को रोकने में कुछ सफलता हासिल करने की सूचना दी, लेकिन राजधानी के पास लड़ाई जारी रही। दो दिनों के घमासान के बाद हुई झड़पों में सैकड़ों लोग हताहत हुए हैं और पुलों, विद्यालयों और अपार्टमेंट की इमारतों को भारी नुकसान हुआ है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि रूसी राष्ट्रपति (शेष पेज 8)

कीव में रूसी हमले ध्वस्त इमारत और सैन्य साजोसामान को देखते यूक्रेन के सैनिक

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने नरेंद्र मोदी से मांगा राजनीतिक समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रूस द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में वोटिंग से दूर रहने के भारत के फैसले की प्रशंसा करने के बाद अब यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडमिर जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात कर राजनीतिक समर्थन मांगा है। जेलेंस्की ने एक ट्वीट में कहा कि उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बात कर देश पर हुए हमले और रूसी सेना के हमलों को रोकने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 100,000 से अधिक आक्रमणकारी हमारी जमीन पर हैं और उन्होंने हमारे आवासीय भवनों पर अंधाधुंध गोलीबारी की है। हमलावर को एक साथ रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में राजनीतिक समर्थन देने का आग्रह किया। संयोग से, दो दिन पहले नई दिल्ली में यूक्रेन के दूत इगोर पोलिखा ने (शेष पेज 8)

भारत ने यूक्रेन से अपने नागरिकों को निकालना आरंभ किया

- पहली निकासी उड़ान मुंबई पहुंची

भाषा। नई दिल्ली

यूक्रेन और रूस के युद्ध के बीच फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने की प्रक्रिया शनिवार को शुरू की गई जिसके तहत एअर इंडिया की दो उड़ानें रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट और एक हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट से परिचालित की जा रही हैं। शनिवार शाम को एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई1944, 219 भारतीयों को लेकर बुखारेस्ट से मुंबई पहुंची। इसके अलावा दो और उड़ानें-बुखारेस्ट से एआई1942 और बुडापेस्ट से एआई1940 रविवार सुबह दिल्ली पहुंचेंगी। सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक, सड़क मार्ग से यूक्रेन-रोमानिया और यूक्रेन-हंगरी सीमा पर पहुंचे भारतीय नागरिकों को भारत सरकार के अधिकारियों द्वारा क्रमश: बुखारेस्ट और बुडापेस्ट ले जाया गया है, ताकि उन्हें एअर इंडिया की निकासी उड़ानों से स्वदेश भेजा जा सके। अधिकारियों ने बताया कि सरकार इसके लिए यात्रियों से पैसा नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि सभी तीन उड़ानों को शनिवार को ही भारत से भेजा गया था। उड़ान संख्या एआई1944, 219 भारतीय नागरिकों को लेकर रात सात बजकर 50 मिनट पर मुंबई पहुंची। एअर इंडिया ने इस बाबत एक वीडियो भी साझा किया जिसमें स्वदेश वापस आए नागरिकों के चेहरे पर खुशी झलक रही है। यूक्रेन का हवाई क्षेत्र 24 फरवरी की सुबह रूसी हमले के बाद से ही नागरिक विमानों के संचालन के लिए बंद है।

ऐसे में वहां फंसे भारतीय नागरिकों को यूक्रेन से वापस लाने के लिए उड़ानें बुखारेस्ट और बुडापेस्ट के रास्ते संचालित की जा रही हैं। विदेश सचिव हर्षवर्धन शृंगला ने बृहस्पतिवार को बताया था कि यूक्रेन में लगभग 16,000 भारतीयों के फंसे होने का अनुमान है, जिनमें अधिकतर छात्र हैं। यूक्रेनी हवाई क्षेत्र के बंद होने से पहले एअर इंडिया ने 22 फरवरी को कीव (यूक्रेन की राजधानी) के लिए एक उड़ान संचालित की थी जिससे 240 भारतीय स्वदेश लौटे थे। अधिकारियों के अनुसार एअर इंडिया की 24 और 26 फरवरी को भी दो और उड़ानें संचालित करने की योजना थी, लेकिन यूक्रेनी हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण ऐसा नहीं हो सका। एअर इंडिया ने शुक्रवार रात ट्विटर पर कहा कि वह फंसे हुए भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए विशेष सरकारी चार्टर्ड उड़ानों के रूप में शनिवार को दिल्ली और मुंबई से बुखारेस्ट और बुडापेस्ट के लिए बी-787 विमान भेजेगी।

वहीं, कीव स्थित भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को कहा था कि वह रोमानिया और हंगरी के रास्ते निकासी मार्ग स्थापित करने की कोशिशों में जुटा है। दूतावास ने कहा था, फिलहाल इन सीमा चौकियों पर टीम तैनात की जा रही हैं-उजहोरोड के पास हंगरी सीमा पर चोप-जहोनी और चेर्नित्सी के पास रोमानियाई सीमा पर पोरबने-सिरेट में। भारतीय दूतावास ने कहा था कि भारतीय नागरिकों, खासकर उन (शेष पेज 8)

यूक्रेन से निकाले गए 219 भारतीयों को लेकर एअर इंडिया का पहला विमान शनिवार शाम रोमानिया के बुखारेस्ट से मुंबई हवाई अड्डे पर उतरा।

कल से कार में मास्क की अनिवार्यता खत्म

नई दिल्ली (पीएनएस)। कोविड पाबंदियां हटने के बाद एक और बड़ी राहत राजधानी के लोगों को दी गई है। अब कार में मास्क पहनना भी जरूरी नहीं होगा। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के शनिवार को जारी दिशा-निर्देशों में इस प्रावधान को वापस ले लिया गया है। नया आदेश सोमवार से ही लागू हो जाएगा। बीते शुक्रवार को डीडीएमए की बैठक में रात के कर्फ्यू समेत कोविड संबंधी सभी पाबंदियां हटाने का ऐलान किया गया। बाजार भी अपने पूर्व की स्थिति यानी रात आठ बजे के बाद खोले जा सकेंगे। सभी सिनेमा हॉल, रेस्तरां, मेट्रो-बसें सभी अपनी पूरी क्षमता से संचालित हो सकेंगे। दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क नहीं पहनने पर जुर्माना भी 2,000 से घटाकर 500 रुपये कर दिया गया था। अब मास्क संबंधी डीडीएमए के ताजा आदेश से दिल्ली वालों को खासी राहत मिलेगी। डीडीएमए ने मास्क पहनने के कोविड प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने के लिए दंडात्मक प्रावधानों को खत्म करते हुए सभी सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क/कवर नहीं पहनने का निर्णय लिया है।

उप्र में 61 सीटों पर मतदान आज

पांचवां चरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण में उत्तर प्रदेश के 12 जिलों की 61 सीटों के लिए कल रविवार को मतदान होगा। सुलतानपुर, चित्रकूट, प्रतापगढ़, कौशांबी, प्रयागराज, बाराबंकी, अयोध्या, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, अमेठी और रायबरेली जिले में मतदान होना है। उल्लेखनीय है कि चौथे चरण का मतदान पूरा होने के बाद राज्य की 403 विधानसभा सीटों में से अब तक 231 सीटों पर मतदान हो चुका है। कल रविवार को 61 सीटों पर मतदान होने के बाद 292 सीटों का मतदान पूरा हो जाएगा। इसके बाद अंतिम दो चरणों में तीन मार्च और सात मार्च को 111 सीटों पर मतदान होगा।

राज्य में विधानसभा चुनाव 10 फरवरी से सात मार्च के बीच सात चरणों में प्रस्तावित है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि पांचवें चरण के मतदान की तैयारी पूरी कर ली गई है और मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक होगा। उन्होंने बताया कि स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी तरीके से मतदान सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। पांचवें चरण के चुनाव में कुल 61 विधानसभा क्षेत्रों में 693 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें से 90 महिला प्रत्याशी हैं। शुक्ला ने शनिवार शाम पत्रकारों को बताया कि मतदान में 2.25 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे जिनमें 1.20 करोड़ पुरुष, 1.05 करोड़ महिला तथा 1727 तृतीय लिंग (ट्रांसजेंडर) के मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि पांचवें चरण के चुनाव में कुल 25,995 मतदेय स्थल तथा 14030 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं और कोविड-19 के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदेय स्थलों पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1250 तक रखने के निर्देश दिए गए हैं। सभी मतदेय स्थलों पर रैंप (दिव्यांगों की सुविधा के लिए), शौचालय तथा पीने के पानी की सुविधा सुनिश्चित की गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए आयोग द्वारा 60 सामान्य प्रेक्षक, 11 पुलिस प्रेक्षक तथा 20 व्यय प्रेक्षक भी तैनात किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा 1941 सेक्टर (शेष पेज 8)

प्रयागराज में पांचवें चरण के मतदान के लिए चुनाव सामग्री लेते कर्मचारी

ब्रिटेन में सैन्य अभ्यास में अपने लड़ाकू विमान नहीं भेजेगा भारत

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना ने यूक्रेन में संकट से उत्पन्न स्थिति को देखते हुए अगले महीने ब्रिटेन में होने वाले बहुपक्षीय हवाई अभ्यास में भाग न लेने का शनिवार को फैसला किया। कोबरा वॉरियर नाम का यह अभ्यास ब्रिटेन के वडिंगटन में छह से 27 मार्च तक होना है। भारत ने तीन दिन पहले ही घोषणा की थी कि वह अभ्यास के लिए अपने पांच तेजस हल्के युद्धक विमानों को भेजेगा। भारतीय वायुसेना ने शनिवार सुबह ट्वीट किया कि हाल के घटनाक्रम के मद्देनजर उसने ब्रिटेन में कोबरा वॉरियर अभ्यास 2022 के लिए अपने विमान न तैनात करने का फैसला किया है। हालांकि, बाद में ट्वीट हटा दिया गया। हालांकि, ट्वीट हटाने के पीछे कोई वजह नहीं दी गई लेकिन अधिकारियों ने कहा कि अभ्यास में भाग न लेने का फैसला कायम है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, भारतीय वायुसेना कोबरा वॉरियर अभ्यास में भाग नहीं ले रही है। रूसी सेना के कीव और अन्य अहम शहरों की ओर (शेष पेज 8)

कांग्रेस के कौरवों को चिन्हित करें : राहुल

- एसी कमरों में बैठकर बातें बनाने और दूसरों को परेशान करने वाले लोग अंततः भाजपा में शामिल हो जाते हैं

पायनियर समाचार सेवा। अहमदाबाद

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को गुजरात में कहा कि पार्टी के भीतर मौजूद कौरवों की सूची तैयार करें। ऐसे लोगों को चिन्हित करें जो केवल एसी कार्यालयों में बैठते हैं और पार्टी के लिए काम करने के बजाय दूसरों को भी परेशान करते हैं। ऐसे ही लोग अंतत: भाजपा में जाते हैं।

राहुल गुजरात में पार्टी की राज्य इकाई द्वारा आयोजित तीन दिवसीय चिंतन शिविर के दूसरे दिन पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। राहुल गांधी ने केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके पास सीबीआई, ईडी, मीडिया, पुलिस और गुंडे सब हैं, लेकिन अंत में सच की ही जीत होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज गुजरात भाजपा की राजनीति के कारण पीड़ित है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास राज्य में अगला विधानसभा चुनाव जीतने का (शेष पेज 8)

द्वारका में द्वारकाधीश मंदिर में दर्शन-पूजन को जाते राहुल गांधी

विमान दुर्घटनाग्रस्त, प्रशिक्षु महिला पायलट की मौत

हैदराबाद, नई दिल्ली (भाषा)। तेलंगाना के नलगोंडा जिले में शनिवार को निजी विमानन अकादमी के एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार एक महिला प्रशिक्षु पायलट की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि वह दुर्घटना से स्तब्ध हैं और एक जांच दल दुर्घटनास्थल पर पहुंच रहा है। पुलिस के अधिकारी ने बताया कि महिमा (28) पिछले चार महीने से प्रशिक्षण ले रही थीं और उन्होंने सेसना-152 विमान से सुबह करीब 10 बजकर 25 मिनट पर उड़ान भरी और यह जिले के तुंगतुर्थी गांव के ऊपर उड़ रहा था। अधिकारी ने बताया कि एक चश्मदीद ने देखा कि विमान एक मैदान पर दुर्घटनाग्रस्त होकर टुकड़ों में बिखर गया। दुर्घटना के बाद कोई आग नहीं लगी। उन्होंने कहा कि जब तक चश्मदीद विमान के पास पहुंचा, तब तक उसके पायलट की मौत हो चुकी थी। विमान में केवल पायलट ही सवार थी। अधिकारी ने बताया कि अकादमी आंध्र प्रदेश के माचेरला में स्थित है और तेलंगाना के बहुत करीब है। प्रशिक्षु पायलट ने प्रशिक्षण के लिए बनी एक हवाई पट्टी से उड़ान भरी थी। वह नियमित उड़ान पर थीं और उन्हें बेस पर लौटना था।

बाजार

सेंसेक्स	55,858	
निफ्टी	16,658	
सोना	50,913	/10g
चांदी	64,809	/kg

क्विक न्यूज

कल से कार में मास्क की अनिवार्यता खत्म

नई दिल्ली। कोविड पाबंदियां हटने के बाद एक और बड़ी राहत राजधानी के लोगों को दी गई है। अब कार में मास्क पहनना भी जरूरी नहीं होगा। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के शनिवार को जारी दिशा-निर्देशों में इस प्रावधान को वापस ले लिया गया है। नया आदेश सोमवार से ही लागू हो जाएगा। बीते शुक्रवार को डीडीएमए की बैठक में रात के कर्फ्यू समेत कोविड संबंधी सभी पाबंदियां हटाने का ऐलान किया गया। बाजार भी अपने पूर्व की स्थिति यानी रात आठ बजे के बाद खोले जा सकेंगे। सभी सिनेमा हॉल, रेस्तरां, मेट्रो-बसें सभी अपनी पूरी क्षमता से संचालित हो सकेंगे। दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क नहीं पहनने पर जुर्माना भी 2,000 से घटाकर 500 रुपये कर दिया गया था।

एलआईसी में स्वचालित मार्ग से 20% तक एफडीआई की अनुमति

- आईपीओ लाने की तैयारी में जुटा है भारतीय जीवन बीमा निगम

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आईपीओ लाने की तैयारी में जुटी एलआईसी में स्वचालित मार्ग से 20 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेश निवेश (एफडीआई) की शनिवार को अनुमति दी है। सरकार के इस कदम से देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी के विनिवेश में आसानी होगी। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला किया गया। सरकार ने एलआईसी के शेयरों को आईपीओ के जरिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की मंजूरी दे दी है। विदेशी निवेशक इस मेगा आईपीओ में भाग लेने के इच्छुक हो सकते हैं, हालांकि मौजूदा एफडीआई नीति के तहत एलआईसी में विदेशी निवेश का कोई विशेष प्रावधान नहीं है, जो एलआईसी अधिनियम, 1956 के तहत गठित एक सांविधिक निगम है। चूंकि, इस समय एफडीआई नीति के अनुसार सरकारी अनुमोदन मार्ग के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में विदेशी निवेश की सीमा 20 प्रतिशत है, इसलिए एलआईसी और ऐसे अन्य कॉरपोरेट निकायों में 20 प्रतिशत तक विदेशी निवेश को मंजूरी देने का फैसला किया गया। एक सूत्र ने कहा कि पूंजी जुटाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए इस तरह के एफडीआई को स्वचालित मार्ग के तहत रखा गया है। मंत्रिमंडल ने पिछले साल जुलाई में एलआईसी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को मंजूरी दी थी। इस निर्गम के लिए एलआईसी ने बाजार नियामक सेबी के समक्ष आवेदन किया हुआ है।

अरोमा मिशन की खुशबू से किसान खुशहाल

- केंद्र सरकार की योजनाओं से देशभर के अन्नदाताओं की आमदनी बढ़ी

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

केंद्र सरकार का अरोमा मिशन देश के किसानों के जीवन को फूलों की खुशबू से सराबोर कर रहा है। इस मिशन के तहत हिमाचल प्रदेश की सुरम्य पहाड़ियों से लेकर राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश तक मध्य प्रदेश के मध्य भागों से लेकर दक्षिण तमिलनाडु के तटवर्ती किसान सुगंधित फसलों की खेती कर उच्च राजस्व की प्राप्ति कर रहे हैं। कुछ इसी तरह की तस्वीरें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उड़ीसा, सिक्किम, मणिपुर, मिजोरम, गुजरात, लेह और लद्दाख और जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेशों में भी देखने को मिल रहा है।

जहां किसान पारंपरिक फसलों के विपरीत सुगंध व फूलों की खेती करके मुनाफा कमा रहे हैं वहीं फसलों का जानवरों से बचाव की भी उम्मीद कर रहे हैं। पालमपुर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी (आईएचबीटी), सीएसआईआर लैब के निदेशक डॉ. संजय कुमार ने कहा कि पूरे भारत में सुगंधित फसलों के तहत 3000 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य को 31 मार्च, 2023 तक हासिल करना है। सीएसआईआर अरोमा मिशन परियोजना चरण-द्वितीय के अंतर्गत अब तक हमने देश भर में मिशन के तहत 1,113 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र को कवर किया है। हम सुगंधित फसलों के गुणवत्तापूर्ण उपज के लिए समय-समय पर रोपण सामग्री की आपूर्ति के साथ प्रशिक्षण-सह-जागरूकता, कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित करते हैं। मिशन के तहत संस्थान द्वारा शामिल फसलों में जंगली गेंदा, कैमोमाइल, डैमस्क गुलाब, लेमनग्रास, सुगंधित गेरियम, पामारोसा, लैवेंडर, मेंहदी, सिट्रोनेला, मुशकबाला, ड्रेकोसेफालम, आर्टेमिसिया, टकसाल प्रजातियां शामिल हैं।

सीएसआईआर-आईएचबीटी के प्रधान वैज्ञानिक एवं अरोमा मिशन सह- नोडल अधिकारी डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि किसानों को आवश्यक तेलों का उत्पादन करने वाले इन लाभदायक उद्यमों के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिनका एक बड़ा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार है। उन्होंने अध्ययनों का हवाला देते हुए दावा किया कि हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में पिछले कुछ वर्षों में बंदरों का खतरा बढ़ा है। उदाहरण के तौर पर अकेले हिमाचल प्रदेश में बंदरों और अन्य जानवरों से प्रभावित खेती का क्षेत्र एक लाख हेक्टेयर से अधिक है, जिसमें 55 फीसदी तक फसल का नुकसान होता है और कृषि और बागवानी फसलों को सामूहिक रूप से 324 करोड़ से अधिक का मौद्रिक नुकसान होता है।

किसानों को परियोजना शुरू करने में मदद करने के लिए आईएचबीटी के वैज्ञानिक हाल ही में हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के भट्टियात क्षेत्र में कई कार्यशालाओं का आयोजन कर रहे हैं। क्षेत्र के एसडीएम बच्चन सिंह ने बताया कि इन फसलों से इत्र, सुगंध, खाद्य उद्योग सहित अन्य क्षेत्रों में भारी मांग है। उन्होंने सुभाष पालेकर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया क्योंकि इससे लागत कम होगी और रासायनिक मुक्त खेती के माध्यम से उपज की गुणवत्ता में सुधार होगा। वर्ष 2018 में वैश्विक बाजार में तेलों की मांग 226.9 हजार टन थी और 2019 से 2025 तक 9.3 फीसदी की सीएजीआर (यौगिक वार्षिक वृद्धि दर) में विस्तार करने (शेष पेज 8)

जेवर एयरपोर्ट को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने का काम शुरू

प्रदेश सरकार ने मंजूर किए 486 करोड़ रुपए

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

हरियाणा के बल्लभगढ़ में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को जोड़ने के लिए 30 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया जाना है। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने हिस्से में निर्माण और जमीन अधिग्रहण के लिए 486 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस 30 किलोमीटर लंबी सड़क में से केवल 8.5 किलोमीटर यूपी में आती है, जबकि शेष हरियाणा में है। यूपी सरकार ने राज्य में पड़ने वाली सड़क के लिए लगभग 90 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण करने, यमुना एक्सप्रेसवे के पास एक इंटरचेंज बनाने और लिंक के निर्माण की लागत का 50 प्रतिशत वहन करने के लिए राशि स्वीकृत की है। हरियाणा में पड़ने वाली सड़क का खर्च केंद्र सरकार उठाएगी। यूपी सरकार और यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की कनेक्टिविटी बेहतर बनाने पर जोर दे रहे हैं।

यूपी सरकार यह पैसा यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण को देगा। प्राधिकरण के माध्यम से पैसा भूमि अधिग्रहण के लिए जिला प्रशासन को सौंपा जाएगा। जिला प्रशासन भूमि अधिग्रहण करके यमुना अथॉरिटी को देगा और फिर यमुना अथॉरिटी इसके वह जमीन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सौंप देगी। राजमार्ग प्राधिकरण इस कनेक्टिंग रोड का निर्माण कर रहा है। अधिकारियों ने कहा कि यूपी सरकार इस सड़क के निर्माण की लागत का 50 प्रतिशत हिस्सा वहन करेगी। शेष राशि एनएचएआई खर्च करेगी।

यमुना अथॉरिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ अरुणवीर सिंह ने कहा, स्वीकृत राशि में से 260 करोड़ रुपये हमारे राज्य में पड़ने वाली 8.5 किमी सड़क के निर्माण पर खर्च होंगे। इसके लिए आवश्यक 66.7 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। सड़क की कुल लंबाई 30 किलोमीटर है। नोएडा हवाईअड्डे को यह कनेक्टिंग रोड बल्लभगढ़ में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ देगी।

हालांकि जमीन यूपी सरकार देगी, लेकिन सड़क पर मालिकाना हक एनएचएआई के पास होगा। भूमि अधिग्रहण करने के बाद यह 30 किलोमीटर लंबी सड़क बनाने के लिए 150 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ेंगे। मतलब, प्रति किलोमीटर सड़क निर्माण का खर्च 5 करोड़ रुपये आएगा।

अधिकारियों ने कहा कि यह रास्ता बनाने में करीब 150 करोड़ रुपये लगेंगे और सहमति के अनुसार एनएचएआई को 75 करोड़ रुपये 50 प्रतिशत का भुगतान किया जाएगा। यह सड़क दिल्ली.मुंबई एक्सप्रेसवे को यमुना एक्सप्रेसवे से भी जोड़ेगी। कनेक्टिंग रोड और यमुना एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए एक जंक्शन इंटरचेंज बनाया जाएगा। इसके लिए 76 करोड़ रुपये की लागत से 19 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण करना होगा। इसके अलावा नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की चारदीवारी से यमुना एक्सप्रेसवे तक 700 मीटर लम्बी सड़क बन रही है।

कनेक्टिविटी होगी शानदार

यमुना अथॉरिटी जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को पूरे दिल्ली-एनसीआर से कनेक्ट कर रही है। इसकी कनेक्टिविटी को बेहतर से बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे, पॉड टैक्सियों और मेट्रो के अलावा नोएडा हवाईअड्डे के लिए मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी का हिस्सा है। एनएचएआई ने पिछले साल 12 अक्टूबर को जिला प्रशासन से सड़क निर्माण के लिए निजी जमीन के अधिग्रहण पर काम शुरू करने को कहा था। पांच गांवों दयानतपुर, फलौदा बांगर, करौली बांगर और रामपुर बांगर में भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा।

प्राधिकरण ने कूड़ा उठाने वाली कंपनी पर लगाया जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- सेक्टरों की जांच में मिली लापरवाही

नोएडा प्राधिकरण साफ-सफाई को लेकर शहर में जगह-जगह ठीक तरीके से कूड़े के निस्तारण की जांच कर रहा है। इसी के चलते नोएडा के सेक्टर-26 में शुक्रवार को जयपुरिया मार्केट में कूड़े के निस्तारण पर लापरवाही पाई गई। जिसके चलते प्राधिकरण ने एजेंसी पर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इसी के साथ संबंधित दुकानदारों पर भी जुर्माना लगाया गया है।

प्राधिकरण शहर की साफ-सफाई को लेकर सख्ती बरत रहा है। जिसके लिए जगह-जगह पर जाकर कूड़ा निस्तारण की जांच की जा रही है। नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी इंदु प्रकाश के नेतृत्व में जन स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को अलग-अलग जगहों पर साफ-सफाई की जांच की। जिसके चलते कई जगहों पर साफ-सफाई में लापरवाही पाई गई। ओएसडी ने बताया कि कूड़े उठाने वाली एजेंसी एजी एनवायरो पर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इसी के साथ अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-26 के जयपुरिया मार्केट में स्थित मोतीमहल रेस्तरां पर ठीक तरीके से सफाई नहीं रखी जा रही है। साथ ही रेस्तरां के बाहर गंदगी फैलाई जा रही थी। जिसके लिए प्राधिकरण ने रेस्तरां पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

ऐसे ही डेलिश बीबिक्यू पर गंदगी फैलाने के लिए 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया और सेक्टर-18 मार्केट में एक बिरयानी की दुकान पर 25 हजार रुपए का जुर्माना गया लगाया गया। सेक्टर-44 एक बैंक्वेट हॉल के बाहर प्राधिकरण की टीम को गंदगी मिली जिसके लिए हाल पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

ऊंचे हाईड्रॉलिक प्लेटफार्म खरीदेगा प्राधिकरण

बहुमंजिला इमारतों में आग बुझाने में नहीं होगी कोई परेशानी

- अधिकारियों में योजना को लेकर बनी सहमति, जनपद की तीनों अथॉरिटी मिलकर वहन करेंगे खर्च

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

नोएडा समेत पूरे जिले में ऊंची इमारतों में आग बुझाने के लिए 72 मीटर ऊंचा हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म खरीदा जाएगा। इसको लेकर सहमति बन चुकी है। इसके लिए तीनों प्राधिकरण 6.6 करोड़ रुपये मिलकर वहन करेंगे। चुनाव आचार संहित हटते ही होने वाली बोर्ड बैठक में यह प्रस्ताव पास हो जाएगा। अभी तक यूपी में सबसे ऊंचा हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म 42 मीटर ऊंचा है।

नोएडा=ग्रेनो में ऊंची-ऊंची इमारतें बन चुकी हैं। आग लगने या कोई अन्य हादसा होने पर इन इमारतों के ऊपरी तल तक पहुंचने के लिए अग्निशमन विभाग के पास पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। अभी विभाग के पास सिर्फ 42 मीटर और 32 मीटर ऊंचे 2-2 हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म हैं, जबकि नोएडा में 100 मीटर से ऊंची भी इमारतें बन चुकी हैं। ऐसे में आग लगने पर विभाग को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि होजपाइप व वेटराइजर आदि संसाधनों का प्रयोग ऊंची इमारतों के लिए किया जाता है। इसको लेकर कई साल से 72 मीटर ऊंचा प्लेटफॉर्म लेने के प्रस्ताव से संबंधित फाइल अलग-अलग विभागों में घूम रही है लेकिन अब इस प्रस्ताव पर जल्द मुहर लगने की उम्मीद है।

अधिकारियों ने बताया कि अब तीनों प्राधिकरण मिलकर एक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म खरीदने को लेकर तैयार हो गए हैं। यह खरीदकर अग्निशमन विभाग को दे दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि आचार संहिता हटते ही कभी भी बोर्ड बैठक आयोजित होगी।

सीआईएसएफ जवान की पत्नी को बेहोश कर बदमाशों ने की लूटपाट, फरार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- केस दर्जकर पुलिस ने शुरू की जांच

बदमाशों ने सेक्टर-18 अट्टा मार्केट में खरीदारी करने आई सीआईएसएफ के जवान की पत्नी को नशीला पदार्थ सूंघाकर उनसे लाखों रुपये के आभूषण और मोबाइल और अन्य सामान लूट लिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इस संबंध में पीड़िता ने सेक्टर-20 थाने में केस दर्ज कराया है।

पुलिस को दी शिकायत में पीड़िता निशा चौधरी ने बताया कि वह ग्रेटर नोएडा वेस्ट सेक्टर-4 एम्स ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी में रहती हैं। निशान के पति विनय कुमार चौधरी सीआईएसएफ में हेड कांस्टेबल हैं। निशा का कहना है कि वह 12 फरवरी को सेक्टर-18 अट्टा मार्केट में घरेलू सामान खरीदने आई थीं। मार्केट में दो युवक उनके पास आए और 500 रुपये के खुल्ले पैसे मांगे।

महिला ने उनसे 500 रुपये ले लिए, लेकिन खुल्ले पैसे नहीं होने पर उन्हें वापस कर दिए। इसके बाद निशा ई.रिक्शे में बैठ गईं। तभी दोनों बदमाश भी उनके साथ ही ई.रिक्शा में बैठ गए। महिला का आरोप है कि बदमाशों ने उनके मुंह के सामने रुमाल झाड़ दिया। इससे वह बेहोश हो गईं। फिर बदमाश उनका सोने का मंगलसूत्र, गले की चेन, सोने की दो अंगूठी और मोबाइल लूट लिया।

आरोपी वारदात के बाद महिला को वापस अट्टा मार्केट छोड़कर फरार हो गए। कुछ समय बाद होश में आने पर महिला ने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्रेनो पुलिस छिपा रही क्षेत्र की घटनाएं, डीसीपी हुए नाराज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में ग्रेटर नोएडा जोन के थाना और चौकी इंचार्ज आपराधिक घटनाओं को उच्चाधिकारियों से छिपा रहे हैं। यह जानकारी मिलने के बाद ग्रेटर नोएडा के पुलिस उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है।

डीसीपी अमित कुमार की ओर से सभी थानाध्यक्षों, सहायक पुलिस आयुक्त और चौकी इंचार्ज को एक आदेश भेजा गया है। जिसमें कहा गया है कि छोटी से छोटी घटना के बारे में तत्काल जानकारी दी जाए। अगर भविष्य में आपराधिक वारदातों और सूचनाओं को छिपाने का प्रयास किया गया तो जिम्मेदार पुलिसकर्मी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डीसीपी ने आदेश में लिखा, ग्रेटर नोएडा जोन के थाना क्षेत्रों में घटित होने वाली घटनाओं को चौकी इंचार्ज, थाना प्रभारी और सहायक पुलिस आयुक्त समय पर अवगत नहीं करवा रहे हैं। संज्ञान में आने पर जब पूछा जाता है तो छोटी घटना होना या पीड़ित की ओर से तहरीर नहीं मिलने की जानकारी दी जाती है। यह प्रवृत्ति उचित नहीं है। डीसीपी ने सख्त निर्देश दिया है कि उन्हें भविष्य में घटित होने वाली छोटी से छोटी घटना के बारे में तुरंत अवगत करवाया जाए।

यूक्रेन के छात्रों को घर तक भिजवाएगा जिला प्रशासन

जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने तीन टीमों का गठन कर अफसरों को दी जिम्मेदारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को लाने के लिए भारत सरकार लगातार कार्य कर रही है। ऐसे में गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने 3 टीमें गठित की हैं। गौतमबुद्धनगर की यह तीनों टीमें यूक्रेन से वापस आए भारतीय छात्रों को उनके घर तक भिजवाएगी। डीएम सुहास एलवाई ने इसको लेकर अफसरों से बातचीत भी की है।

भारत सरकार के सचिव एवं राहत आयुक्त रणवीर प्रसाद को उत्तर प्रदेश का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जिसके बाद रणवीर प्रसाद ने फोन के माध्यम से गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी सुहास एलवाई को निर्देशित किया कि यूक्रेन से दो फ्लाइट दिल्ली एयरपोर्ट आ रही है। इसमें भारतीय छात्र और लोग हैं। यह सभी भारतीय छात्र लोग यूक्रेन से वापस भारत आ रहे हैं।

नोडल अधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश के निवासियों को एयरपोर्ट पर रिसीव कर उनके घर तक पहुंचाने की तत्काल व्यवस्था की जाए। इसकी जो भी धनराशि लगेगी, वह उत्तर प्रदेश राहत कार्यालय द्वारा दी जाएगी। नोडल अधिकारी के इस निर्देश के बाद सुहास एलवाई ने तीन टीमें गठित की हैं। डीएम ने अपने छात्रों और अन्य व्यक्तियों को एयरपोर्ट से उनके घर तक पहुंचाने के लिए 3 टीमें बनाई हैं। जिसकी जिम्मेदारी अपर जिलाधिकारी बलराम सिंह, अपर जिलाधिकारी अंकिता वर्मा और एआरटीओ प्रशांत तिवारी को सौंपी है।

लोग बलराम सिंह से मोबाइल नंबर 7897240672, अंकिता वर्मा से मोबाइल नंबर 8285179367 और प्रशांत तिवारी से मोबाइल नंबर 9415673714 के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

नोडल अधिकारियों के जारी किए नंबर

बलराम सिंह	7897240672
अंकिता वर्मा	8285179367
प्रशांत तिवारी	9415673714

लोनी के 11 छात्र-छात्राएं भी यूक्रेन में फंसे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- विधायक ने एंबेसी और विदेश मंत्रालय से किया संपर्क

यूक्रेन और रूस में जारी युद्ध के कारण गाजियाबाद के लोनी इलाके के कई छात्र भी यूक्रेन में फंसे हुए हैं। अभी तक 11 छात्रों के नाम सामने आए हैं। सभी भारत वापस आना चाहते हैं और सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं। स्थानीय विधायक का कहना है कि वह छात्रों को विदेश से वापस लाने के लिए लगातार यूक्रेन एंबेसी और विदेश मंत्रालय से संपर्क में हैं।

लोनी की न्यूविकास कुंज कॉलोनी का शिवम ठाकुर पुत्र प्रमोद कुमार, पूर्वी जवाहर नगर का शुएब पुत्र सलीम, पूर्वी जवाहर नगर का ही शिवम पांचाल पुत्र अरविंद कुमार, बेहटा हाजीपुर की उत्तरांचल विहार कॉलोनी का भारत सत्यबली पुत्र गिरीश सत्यबली, बेहटा हाजीपुर गांव का रोहन पुत्र ऋषिपाल, बंथला गांव का गौतम चौधरी पुत्र लखविन्द्र, टीला शहबाजपुर गांव का अमन मावी पुत्र अशोक मावी, मेवला भट्टी गांव का अजयराज पुत्र रणबीर सिंह, बलरामनगर कॉलोनी का अभिषेक पुत्र इंद्र कुमार बरनी, बलरामनगर कॉलोनी की विशाखा पुत्री डॉ संजीव कुमार व जौहरी एंक्लेव कॉलोनी निवासी दीपांशु कौशिक पुत्र वीरेन्द्र शर्मा यूक्रेन में फंसे हुए हैं। सभी छात्र.छात्राएं वहां एमबीबीएस कर रहे हैं। यूक्रेन में फंसी बलरामनगर लोनी की विशाखा एबीबीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा है।

विशाखा ने बताया कि वह मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में है। यहां करीब 250 भारतीय छात्र.छात्राएं हैं। विशाखा ने बताया कि हॉस्टल में उनके खाने.पीने की कोई कमी नहीं है। बुधवार रात में अचानक तीन बम धमाके सुनाई दिए। इसके बाद से सभी दहशत में हैं। वह भारत वापस लौटना चाहती हैं।

युवक ने की खुदकुशी

नोएडा। बीटा-2 थानाक्षेत्र में बीटा-1 सेक्टर के होटल में में गाजियाबाद के एक युवक ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। थाना बीटा-2 के थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि बीटा-1 सेक्टर में स्थित गोल्डन इंपीरियल नामक ओयो होटल में गाजियाबाद का रंजीत सिंह (30) ठहरा हुआ था और कल शाम को उसे कमरा खाली करके जाना था लेकिन जब वह नीचे नहीं आया तो होटल के मैनेजर एवं अन्य कर्मियों ने उसके कमरे का दरवाजा खटखटाया। थानाध्यक्ष के अनुसार काफी देर तक जब रंजीत सिंह ने दरवाजा नहीं खोला तब कर्मियों ने पुलिस को सूचना दी और पुलिस को रंजीत फांसी पर लटका हुआ मिला।

संक्षिप्त समाचार

भोजन में शामिल करें उच्च प्रोटीन : भावना गर्ग

गाजियाबाद। कहावत है कि जैसा खाये अन्न, वैसा बने मन। यहां मन का अभिप्राय सम्पूर्ण स्वास्थ्य से है। इसलिए एक व्यक्ति को क्या खाना चाहिए, कितना खाना चाहिए, कब खाना चाहिए, जरूर जानना चाहिए। क्योंकि स्वास्थ्य ही धन है। यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, कौशाम्बी में कार्यरत मुख्य आहार विशेषज्ञ भावना गर्ग ने बताया कि प्रोटीन स्वस्थ आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रोटीन अमीनो एसिड नामक रासायनिक 'बिल्डिंग ब्लॉक्स' से बने होते हैं। हमारा शरीर मांसपेशियों व हड्डियों के निर्माण और मरम्मत तथा हार्मोन एवं एंजाइम बनाने के लिए अमीनो एसिड का उपयोग करता है। इनका उपयोग ऊर्जा स्रोत के रूप में भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रोटीन के प्रत्येक ग्राम में 4 कैलोरी होती है। प्रोटीन शरीर के वजन का लगभग 15 प्रतिशत बनाता है। हमारी प्रोटीन की जरूरत कई कारकों पर निर्भर करती है, जैसे गतिविधि स्तर, आयु और स्वास्थ्य की स्थिति। एक स्वस्थ वयस्क के लिए औसतन 0.8-1 ग्राम प्रति किलोग्राम आदर्श शरीर के वजन के प्रोटीन की सिफारिश की जाती है।

डीएम के नाम से भेजा फर्जी संदेश, मामला दर्ज

नोएडा। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी सुहास एल वाई के नाम से जिले में तैनात तीन अधिकारियों को फर्जी संदेश भेजने के आरोप में थाना सूरजपुर में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी के स्टेनो राकेश कुमार ने थाना सूरजपुर में बीती रात को रिपोर्ट दर्ज कराई कि जिले में तैनात तीन आधिकारियों को जिलाधिकारी के नाम से फर्जी संदेश भेजा गया। उन्होंने बताया कि शक होने पर मामले की जांच की गई तथा थाना सूरजपुर में विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत

नोएडा। ईकोटेक- 3 थाना क्षेत्र के हल्द्वानी मोड़ पर शनिवार दोपहर को सड़क हादसे में 60 वर्षीय एक बुजुर्ग की मौत हो गई। ईकोटेक -3 थाने के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि इनाम खान (60) शनिवार दोपहर को हल्द्वानी मोड़ के पास सड़क पार कर रहे थे तभी एक तेज कार ने उन्हें टक्कर मार दी। सिंह ने बताया कि गंभीर हालत में इनाम खान को एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी के अनुसार अब उनका पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

लड़कियों से ठगी कर ऐंठे लाखों रुपए, गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

साइबर सेल द्वारा पकड़ा गया आरोपी

डेटिंग एप और सोशल मीडिया पर प्रेम जाल में फंसाकर पैसों की ठगी की घटनाए बढ़ती जा रही हैं। इसी तरह साइबर सेल की टीम ने डेटिंग एप और सोशल मीडिया की द्वारा शादीशुदा महिलाओं और लड़कियों को अपने प्रेम में फंसाकर लाखों रुपए की ठगी करने वाले को गिरफ्तार कर लिया।

ठगी करने वाला युवक एमबीए पास है। युवक पहले महिलाओं को अपने प्रेम जाल में फंसाता था और फिर उनसे किसी ना किसी बहाने से पैसे मांगता। साथ ही उनकी फोटो के साथ छेड़छाड़ कर ब्लैकमेल करता था।

युवक ने इस तरह कई लड़कियों और शादीशुदा महिलाओं के साथ लाखों की धोखाधड़ी की है। आरोपी ने गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन में रहने वाली एक सीए से 24 लाख रुपए अपने अकाउंट में डलवा लिया। जिसके बाद थाना नंदग्राम पुलिस और साइबर सेल ने मिलकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। साइबर सेल प्रभारी सुमित कुमार ने बताया कि आरोपी आनंदपाल विजयनगर के मिर्जापुर में रहता है। आनंदपाल ने एमबीए पास कर रखा है और कोलकाता में एक फार्म चलाता है। आरोपित ने अब तक विभिन्न प्रकार के डेटिंग एप्स के जरिए सैकड़ों युवती और महिलाओं को अपने प्रेम जाल में फंसाकर एक करोड़ों रुपए की ठगी की है। जांच में पता चला है कि आरोपी को लॉकडाउन के समय काफी नुकसान हुआ था। जिसके बाद उस ने महिलाओं को प्रेम जाल में फंसाना शुरू कर ठगी करने लगा।

लिफ्ट की सॉफ्ट में गिरने से मिस्त्री की मौत

नोएडा। सेक्टर-63 में निर्माणाधीन भवन में काम करते समय शुक्रवार रात को मिस्त्री लिफ्ट की सॉफ्ट में गिर गया। इस घटना में उसे गंभीर चोट आई। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई।

थाना प्रभारी ने बताया निर्माणाधीन भवन में नवीन कुमार उर्फ सोनू रात को टाइल का काम कर रहे था। उस दौरान वह लिफ्ट की सॉफ्ट में गिर गया। इस घटना में उसे गंभीर चोट आई। जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, यहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सरस मेले का उद्घाटन करते ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव।

'गांव-कस्बों को जोड़े बिना आत्मनिर्भर भारत संभव नहीं'

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- सचिव ने किया सरस मेले का उद्घाटन

ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव नागेंद्र नाथ सिन्हा ने कहा कि गांवों तथा छोटे कस्बों से रिश्ता जोड़े बिना हम पूरी तरीके से आत्म निर्भर भारत की कल्पना नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आत्मनिर्भर भारत के लिए पुरजोर आवाहन कर रहे हैं। सरस आजीविका मेला उसी अभियान की एक सकारात्मक पहल है । सिन्हा नोएडा हॉट में आजीविका सरस मेले का विधिवत उद्घाटन करने के बाद बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सरस आजीविका मेला ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा स्वयं सहायता समूह से जुड़ी 8 करोड़ महिलाओं का एक प्लेटफार्म है जहां पर उन्हें अपने उत्पाद बेचने की मार्केटिंग प्रिंटिंग पैकेजिंग तथा सोशल मीडिया की जानकारी उपलब्ध होती है। उन्होंने कहा कि हुनर के साथ-साथ मार्केटिंग का भी होना बहुत जरूरी है। इस सरस आजीविका मेले में स्वयं सहायता महिला समूह के 160 स्टाल लगाए गए हैं। जहां पर महिलाओं के लिए मार्केटिंग कम्युनिकेशन सोशल मीडिया ब्रांडिंग पैकेजिंग आदि की कार्यशाला भी आयोजित की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने 3 वर्षों में ढाई करोड़ महिलाओं को इस सरस आजीविका से जोड़ने का लक्ष्य रखा है तथा वर्ष 2030 तक हर महिला की आय 1 लाख तक अर्जित करने का लक्ष्य रखा गया है।

यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर टोल प्लाजा पर लगा जाम

कोरोना पाबंदियां हटते ही वीकेंड मनाने आसपास शहरों की ओर निकले लोग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जेवर टोल प्लॉजा पर लगी वाहनों की कतार।

शनिवार को दिन निकलते ही यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर टोल प्लाजा पर लंबा ट्रैफिक जाम लगा हुआ है। ग्रेटर नोएडा की ओर से आगरा की तरफ जाने वाले लोगों की लंबी कतारें जेवर टोल प्लाजा पर लगी रही। मिली जानकारी के मुताबिक जेवर टोल प्लाजा से करीब एक किलोमीटर दूरी तक कारों का जमावड़ा है। बड़ी संख्या में लोग नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली से आगरा की तरफ आवागमन कर रहे थे।

कई महीने बाद कोरोना वायरस का खतरा टला है। उत्तर प्रदेश सरकार ने संक्रमण के चलते लागू पाबंदियों को खत्म कर दिया है। दूसरी तरफ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान करवाया जा चुका है। चुनाव के मद्देनजर पुलिस सख्ती बरत रही थी। लोग अपने-अपने जिलों की सीमाओं से बाहर निकलने में परहेज बरत रहे थे। सारी पाबंदियां हटते ही भीड़ वीकेंड मनाने आगरा, मथुरा और वृंदावन की ओर दौड़ रही है। लिहाजा, शनिवार सुबह से ही यमुना एक्सप्रेसवे पर वाहनों की लंबी.लंबी लाइनें लग गई। जेवर टोल प्लाजा से लेकर एक किलोमीटर दूरी तक एक्सप्रेसवे पर कारों की भीड़ थी। टूरिज्म कारोबार से ताल्लुक रखने वाले अभिषेक मल्होत्रा का कहना है, शुक्रवार देर शाम से ही कामकाजी युवा और कपल दिल्ली.एनसीआर छोड़कर निकलने लगते हैं। शनिवार की सुबह तो यह भीड़ बहुत ज्यादा होती है। तीन डेस्टिनेशन दिल्ली.एनसीआर के लोगों में बड़े मशहूर हैं। एक बड़ा वर्ग उत्तराखंड में मसूरी, नैनीताल, कोटद्वार, जिम कॉर्बेट और धनोल्टी तक जाता है। हरियाणा की सीमाओं के आसपास रहने वाले लोग चंडीगढ़ और शिमला चले जाते हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

रात 8 बजे के बाद भी खुलेंगे बाजार पटरी पर लौटेगा दिल्ली का कारोबार

● सोमवार से पहले की तरह चलेंगी व्यापारिक गतिविधियां, कारोबारी खुश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सरकार में बंदिशों में कई बड़ी छूट का ऐलान किया है। राज्यभर में अब बाजार, पार्क सिनेमा हॉल, रेस्तरां और बार पूरी तरह खुल जाएंगे। बाजारों पर से रात आठ बजे तक खुलने का प्रतिबंध भी हटा लिया गया है। सभी दुकान अब सामान्य समय तक खुले रह सकेंगे। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

कोरोना के मामलों और संक्रमण दर में लगातार कमी को देखते हुए सोमवार से लगभग सभी प्रतिबंध हटाने के दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के फैसले से आम लोगों ने राहत की सांस ली है तो दुकानदारों व

कारोबारियों में खुशी का माहौल है। कई बाजार संघों को भरोसा है कि पिछले दो सालों से मंदा कारोबार फिर से पटरी पर लौट आएगा।

डीडीएमए के फेसले के बाद अब रात आठ बजे के बाद भी सभी तरह के प्रतिष्ठान पहले की तरह तय समय तक खुले रहेंगे। सरोजिनी नगर मिनी मार्केट संघ के अध्यक्ष अशोक रंधावा ने कहा कि रात्रिकालीन कर्फ्यू हटाया गया जो सबसे बड़ी राहत की बात है। रात का कर्फ्यू हटने से उन्हें व्यवसाय के लिए और ज्यादा समय मिलेगा। आम दिनों में ज्यादातर ग्राहक अपने दफ्तर के बाद खरीदारी करने आते हैं। पाबंदियों के वक्त बाजार रात आठ बजे बंद हो जाते थे और लोग खरीदारी करे बगैर लौट जाते थे।

जनपथ बाजार कारोबारी संघ के सचिव टोनी चावला ने कहा जनपथ बाजार में दिल्ली के अलावा दूसरे राज्यों के पर्यटक आते हैं और अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की आवाजाही से उनका कारोबार फिर पटरी पर आ जाएगा। कमला नगर बाजार कारोबारी संघ के अध्यक्ष नितिन गुप्ता ने भी सरकार के फैसले का स्वागत किया।

इसके अलावा रात के कर्फ्यू सहित सभी मौजूदा प्रतिबंध मसलन रात आठ बजे गैर-जरूरी व्यवसायों को बंद करना, बार और रेस्तरां 50 प्रतिशत क्षमता से खोलने, शादी के कार्यक्रमों में मेहमानों की संख्या को सीमित करने और सार्वजनिक बसों तथा मेट्रो में यात्रियों के खड़े होने सहित सभी कुछ सोमवार से खत्म हो जाएगा। उप राज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता वाले दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने शुक्रवार को रात्रिकालीन कर्फ्यू सहित कोविड-19 संबंधी सभी पाबंदियां सोमवार से हटाने का फैसला किया था। मास्क नहीं पहनने पर लगने वाला जुर्माना दो हजार रुपये से घटा कर 500 रुपये कर दिया गया था।

रकम दोगुनी करने का झांसा चार करोड़ रुपये लेकर फुर्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● 700 लोगों को ठगने वाली कंपनी की महिला निदेशक गिरफ्तार

आजादपुर में दफ्तर खोल कर एक पति-पत्नी ने खुद को एनबीएफसी कंपनी बताया और लोगों से बड़ी संख्या में रुपये जमा करवा लिए।

बाद में 700 से ज्यादा निवेशकों के लगभग 4 करोड़ रुपये जमा कर आरोपी फरार हो गए। लगभग 6 महीने की मशक्कत के बाद पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है जबकि फरार चल रहे उसके पति की तलाश छापेमारी की जा रही है। संयुक्त आयुक्त छाया शर्मा के अनुसार, प्रेमवती एवं पांच अन्य लोगों ने आर्थिक अपराध शाखा को एक शिकायत दी थी। उनकी शिकायत के बाद बड़ी संख्या में लोग आर्थिक अपराध शाखा के पास आए और लगभग 700 लोगों ने ठगी की शिकायत की।

निवेशकों ने वसुंधरा ग्रुप पर जालसाजी का आरोप लगाया। जिसका दफ्तर आजादपुर में था। कंपनी के निदेशक चंद्र प्रकाश सैनी, सुनीता सैनी समेत अन्य ने लोगों को बचत खाता और फिक्स डिपॉजिट खाता खोलने को कहा। इसके अलावा कुछ लोगों ने रुपये जमा करवाए। कई लुभावनी योजनाओं का प्रचार प्रसारा कर लोगों से मोटी रकम जमा कराई। उन्हें इसके लिए सर्टिफिकेट और पासबुक दिए गए। इस दौरान आरोपियों ने उन्हें बताया कि महज चार साल में उनकी रकम दोगुनी कर दी जाएगी। सात सौ से ज्यादा लोगों ने लगभग चार करोड़ उनके पास जमा करा दिए। इसके बाद चंद्र प्रकाश सैनी और उसकी पत्नी सुनीता सैनी फरार हो गए। आर्थिक अपराध शाखा ने छानबीन के दौरान पता चला कि आरोपियों ने खुद को एनबीएफसी का निदेशक बताकर लोगों से यह रकम जमा करवाई थी लेकिन यह कंपनी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से रजिस्टर्ड नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

महापौर श्याम सुदर अग्रवाल को धन्यवाद देने पहुचा पीड़ित परिवार।

दुकान को अतिक्रमण से कराया मुक्त

नई दिल्ली। त्रिलोकपुरी के 10 ब्लॉक में अतिक्रमण को नगर निगम ने हटाया। श्रीपति नाम की पीड़ित ने अपनी दुकान में अवैध कब्जे को लेकर पूर्वी दिल्ली नगर निगम में अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। मामलों को महापौर महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल के सामने उठाया गया। महापौर ने दिल्ली पुलिस के आला अधिकारियों को इस मामले से अवगत कराया और फिर क्या था दिल्ली पुलिस हरकत में आई और निगम दस्ते ने मौके पर जाकर पुलिस बल के साथ आखिरकार उस अवैध निर्माण को ढहा दिया। श्रीपति के परिवार के लोगों को अपनी दुकान वापस मिल पाई।

24 घंटे स्वच्छ जल देने का वादा झूठा: कांग्रेस

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल आए दिन नई घोषणाएं करके दिल्लीवालों को लगातार 8 वर्षों से गुमराह कर रहे है और दिल्ली के हर घर में 24 घंटे साफ पानी देने की बात निराधार है। केजरीवाल सत्ता में आने से पूर्व दिल्ली को मुफ्त पानी देने घोषणा पहले ही विफल रही है क्योंकि हर घर को पानी पहुॅचाने के लिए पिछले वर्ष मुख्यमंत्री वन-जोन वन ऑपरेटर की घोषणा की थी जिसका कहीं अता पता नही है, अब 459 एकड़ जमीन कैचमेंट वेटलैंड जलाश्य बनाकर मानसून का पानी एकत्रित करके पानी देने का जुमला दिल्लीवालों के लिए पेश कर रहे है। कुमार ने कहा कि दिल्ली के हर घर के नल में पानी पहुचाने से पहले केजरीवाल को दिल्ली जल बोर्ड में व्याप्त भ्रष्टाचार और दिल्ली सरकार पर हावी टैंकर माफिया पर रोक लगानी होगी क्योंकि दिल्ली जल बोर्ड जैसे महत्वपूर्ण विभाग का प्रबंधन कुशलतापूर्व चलाना और निशुल्क पानी देना दोनो विरोधाभास है।

हिंदी साहित्य ने जगाई थी स्वतंत्रता संग्राम की अलख

नई दिल्ली। हिंदी साहित्य ने स्वतंत्रता संग्राम में जनमानस के बीच अलख जगाने के साथ महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। अकादमी सचिव डॉ. जीतराम भट्ट ने कहा कि जन-मानस में स्वतंत्रता का भाव जगाने वाले साहित्यकार ही रहे हैं। अरविंद पथिक ने अपने वक्तव्य में कहा कि क्रांतिकारियों ने भी अपने एक हाथ मं बंदूक उठाई और एक हाथ में कलम रूपी तलवार चलाई। महेश दर्पण ने कहा कि भारतेन्दु हरिशचंद्र, द्विवेदी, माखनलाल चतुर्वेदी आदि अपनी तलवार रूपी कलम की धार को तेज कर अपने लेखन में डाल। अकादमी के उप सचिव ऋषि कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

एनडीएमसी ने सीवर के लिए सफाई रिस्पॉन्स यूनिट बनाई

● परिषद क्षेत्र के लोग ऐप व टोल नंबर पर कर सकते है शिकायत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने आपातकालीन प्रतिक्रिया सफाई यूनिट के नाम से सीवर सफाई के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी और प्रबंधकीय हस्तक्षेप के लिए एक सफाई रिस्पॉन्स यूनिट का गठन किया है।

ये यूनिट सीवरों के रखरखाव और प्रबंधन के लिए एक पेशेवर, पूर्णत: प्रशिक्षित, प्रेरित और तकनीकी रूप से लैस इकाई होगी , जिससे उचित प्रशिक्षण और पीपीई किट के बिना श्रमिकों के सीवर में प्रवेश और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने के कारण होने वाली दुर्घटनाओं और मौतों को समाप्त किया जा सकेगा। इस रिस्पॉन्स यूनिट की अध्यक्ष पालिका परिषद की सचिव होंगीं, जबकि सीवर डिवीजन के अधीक्षण अभियंता, इस इकाई के प्रभारी अधिकारी होंगे।

इस यूनिट में दो डाटा एंट्री ड्यूटी सुपरवाइजर, तीन कॉल सेंटर अटेंडेंट और छह सीवर एंट्री प्रोफेशनल (सीवर कमांडो) भी शामिल हैं। परिषद क्षेत्र के लोग सभी प्रकार की शिकायतों और शंकाओं के लिए टोल फ्री नंबर 1533 की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं या एनडीएमसी 311 ऐप का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

येलो लाइन पर धीरे-धीरे चली मेट्रो, यात्री हलकान

● ऑफिस जाने वाले यात्रियों ने ट्विटर पर निकाली भड़ास

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी की लाइफ लाइन बन चुकी दिल्ली मेट्रो एक बार फिर हांफती नजर आई। शनिवार की सुबह येलो लाइन सेवा बाधित रही। कई घंटे तक यात्री बेहाल रहे। कुछ यात्रियों ने ट्विटर पर अपना गुस्सा निकाला।

ऑफिस के लिए निकले यात्रियों को सुबह कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन से लेकर पटेल चौक के बीच दिक्कत पेश आई। दिल्ली मेट्रे रेल निगम के ट्वीट के मुताबिक, कुछ वजहों से कश्मीर गेट मेट्रो स्टेशन से पटेल चौक के बीच कुछ देर तक ट्रेनों की

गति धीमी रही। वहीं, कुछ देर बाद डीएमआरसी के ट्वीट में जानकारी दी गई कि मेट्रो ट्रेनों का परिचालन सामान्य हो गया है।

वहीं, डीएमआरसी के ट्वीट के अनुसार, शनिवार सुबह कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन से पटेल चौक मेट्रो स्टेशन के बीच ट्रेनों की गति धीमी रही। हालांकि, इसके लिए कोई वजह नहीं बताई गई है। येलो लाइन मेट्रो पर यात्रा करने वाले एक यूजर ने लिखा कि येलो लाइन पर चलने वाली मेट्रो बड़े लंबे समय से रुकी हुई है। लोग आफिस जाने के लिए लेट हो रहे हैं। एक और ट्विटर यूजर ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि आज ऑफिस के लिए बुरा दिन। इसके अलावा यूजर ने डीएमआरसी हैशटैग का भी इस्तेमाल किया।

येलो लाइन मेट्रो पर सेवाओं की हालत किस कदर खराब है, अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लोगों को 45 मिनट से लेकर एक घंटे में मेट्रो मिल रही है।

इसके बाद आधा घंटे का सफर 2 घंटे में पूरा हो रहा है। ऐसे ही एक यात्री वसीम ने बताया कि उन्हें साकेत से राजीव चौक जाना था। उसके बाद वहां से नोएडा के लिए मेट्रो पकड़नी थी।

वह घर से 8:30 बजे निकला था। करीब 45 मिनट साकेत मेट्रो स्टेशन के बाहर खड़ा रहा। मेट्रो में सवार हो गया और लगभग 2 घंटे तक फंसा रहा। अब आईएनएस से वापस हौज खास आया हूं।

स्कूल की बगिया में लौटी बहार, खिल उठा बचपन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● काफी लंबे समय बाद छात्र ऑफलाइन शिक्षा का ले रहे आनंद

कोविड-19 की तीसरी लहर के थमते ही 14 फरवरी से नर्सरी से आंठवी कक्षा तक के स्कूल खोल दिए गए हैं। हालांकि आनलाइन पढ़ाई का विकल्प अब भी जारी है। स्कूल की बगिया में बहार लौटने के साथ ही बचपन खिलने लगा है।

लॉकडाउन प्रतिबंधों के कारण ऑनलाइन शिक्षा के लंबे समय बाद स्कूलों में ऑफलाइन शिक्षा फिर से शुरू करने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद समेत सरकारी और निजी स्कूल भी अपने स्कूलों में पठन-पाठन सुचारू करने के लिए छात्रों एव शिक्षकों के भावनात्मक लगाव बनाने के लिए आनन्ददायक माहौल बना रहे हैं। जिससे महामारी के दौरान आई पारम्परिक शिक्षा में आयी खाई को

खत्म किया जा सके। शिक्षा विदों के अनुसार, जिस प्रकार बच्चों के लिए स्कूल जरुरी है, उसी तरह बच्चों के बिना स्कूल भी वीरान थे। लेकिन अब कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा कम होते ही स्कूल परिसर छात्रों की आवाजों से गूंजने लगे हैं। सभी छात्रों को सीखने के साथ-साथ स्कूल के माहौल के माध्यम से खेल-खेल में छात्रों के लिए आरामदायक वातावरण महसूस करने की कोशिश की जा रही है। विशेष रूप से प्राथमिक कक्षाओं जैसे कि प्ले-वे गतिविधियों, माता-पिता के साथ नियमित बातचीत उन्हें सभी एहतियाती उपायों के बारे में जानकारी दी जा रही है। स्कूलों में आकर नन्हें मुन्नों को अच्छा लग रहा है। नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने बताया कि एनडीएमसी ने अपने स्कूलों में इनडोर-आउटडोर स्पोर्ट्स, गेमिंग, नृत्य, संगीत, लाइव विज्ञान व्यावहारिक कक्षाएं आदि जैसी विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को चलाया जा रहा है।

आयुर्वेदिक दवा बीजीआर-34 मधुमेह में कारगर

नई दिल्ली। अध्ययन में पाया है कि आयुर्वेदिक दवा बीजीआर-34 तीन महीनों के भीतर शरीर में शर्करा की मात्रा को कम करने में मददगार साबित हो सकती है और शक्तिशाली एंटी ऑक्सीडेंट का स्राव शरीर में करती है। चितकारा विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए इस अध्ययन को सर्बियाई जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल ऐंड क्लीनिकल रिसर्च ऑन साइडो सैंटिफिक प्लेटफार्म के नवीनतम संस्करण में प्रकाशित किया गया है। रवीन्द्र सिंह की टीम ने दो समूहों के चिकित्सा परीक्षण किए।

दिल्ली विश्वविद्यालय के दो साल के प्रमाण पत्रों की जांच की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली यूनिवर्सिटी से संबद्ध कॉलेजों और विभागों में शैक्षिक सत्र 2020-21 व 2021-22 के सभी एडमिशन लिए छात्रों के जाति प्रमाण पत्रों की जांच की मांग की गई है।

फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस के चेयरमैन व पूर्व एकेडमिक काउंसिल मेंबर डॉ. हंसराज सुमन ने कुलपति प्रोफेसर योगेश कुमार सिंह से यह मांग की। उन्होंने कहा कि जिन छात्रों ने गत वर्ष कॉलेजों में ऑन लाइन एडमिशन लिया था बहुत से कॉलेजों ने अभी तक उनकी फोरेंसिक लैब में जांच व संबंधित अधिकारियों को एससी, एसटी और ओबीसी कोटे के जाति प्रमाण पत्रों की जांच नहीं कराई है। उनका कहना है कि सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू होने से पहले या आगामी शैक्षिक सत्र 2022-23 के आरंभ होने से पूर्व जाति प्रमाण पत्रों की जांच की मांग दोहराई है। उनका कहना है कि 17 फरवरी 2022 से विश्वविद्यालय/ कॉलेज खुल गया है ।

दिल्ली हिंसा: शरजील इमाम की चार्जशीट पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। कड़कड़डूमा कोर्ट ने दिल्ली हिंसा मामले के आरोपी शरजील इमाम के खिलाफ दाखिल दूसरी पूरक चार्जशीट के मामले में आरोप तय करने के मामले पर सुनवाई टाल दिया है।

कोर्ट ने इस मामले पर 10 मार्च को अगली सुनवाई करने का आदेश दिया है। 4 फरवरी को दिल्ली पुलिस ने शरजील के खिलाफ दूसरी पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। 24 जनवरी को कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दिया था। इमाम के खिलाफ चार्जशीट का संज्ञान लिया था।

रात भर गरजे बादल, बारिश के साथ पड़े ओले

● सर्दी लौटी, प्रदूषण भी धूला, शनिवार को लोगों ने ली साफ हवा में सांस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते शनिवार को भी दिल्ली एनसीआर के आसमान में बादल छाए रहे। दिन में लगभग 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली झोंकेदार हवाएं चलीं।

रविवार को भी कमोबेश ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है। शुक्रवार को एक बार फिर मौसम ने करवट बदली। बारिश के बाद न्यूनतम पारे में गिरावट दर्ज और सर्दी एक बार फिर लौटती नजर आई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग अनुसार मार्च महीने की शुरुआत ही

तेज गर्म के साथ होगी। इसके बाद एक सप्ताह के भीतर ही अधिकतम तापमान 30 डिग्री के पार पहुंच जाएगा। इस दो महीने में राजधानी के आवोहवा में हीट वेव दस्तक देगी।

शुक्रवार देर शाम से बदले मौसम राजधानी के मौसम को खुशगवार बना दिया। रात भी बादल गरजते रहे और गड़गड़हाहट के साथ हल्की बारिश होती रही है। कई इलाकों में ओले गिरने की भी खबर है। शनिवार की सुबह आसमान पर बादल छाये रहे। दोपहर के समय आसमान साफ हो गया। हल्की बारिश से प्रदूषण से भी दिल्ली वालों में मुक्ति मिली। पिछले 24 घंटे में 10 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई और कई इलाकों में ओलावृष्टि भी हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी के मुताबिक न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली में सुबह से ही तेज हवाएं चल रही हैं। आईएमडी ने कहा कि अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहा। इस दौरान हवा की रफ्तार भी तेज थी। दिल्ली के द्वारका, उत्तम नगर समेत कई इलाके में बीती रात तेज बारिश के साथ ओले भी पड़े। स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष महेश पलावत के अनुसार रविवार को दिल्ली-एनसीआर में आसमान साफ रहेगा।

दिन में 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती है, जबकि तेज धूप से गर्मी में बढ़ोतरी होगी, खासकर दिन में लोगों को परेशानी हो सकती है। रविवार को अधिकतम तापमान 25 डिग्री तो न्यूनत तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहेगा। वहीं दूसरी तरफ सोमवार को तेज धूप निकलेगी, हालांकि दिन में आंशिक रूप से बादल भी छा सकते हैं। इस दिन भी रविवार की तरह अधिकतम तापमान 25 डिग्री तो न्यूनत तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

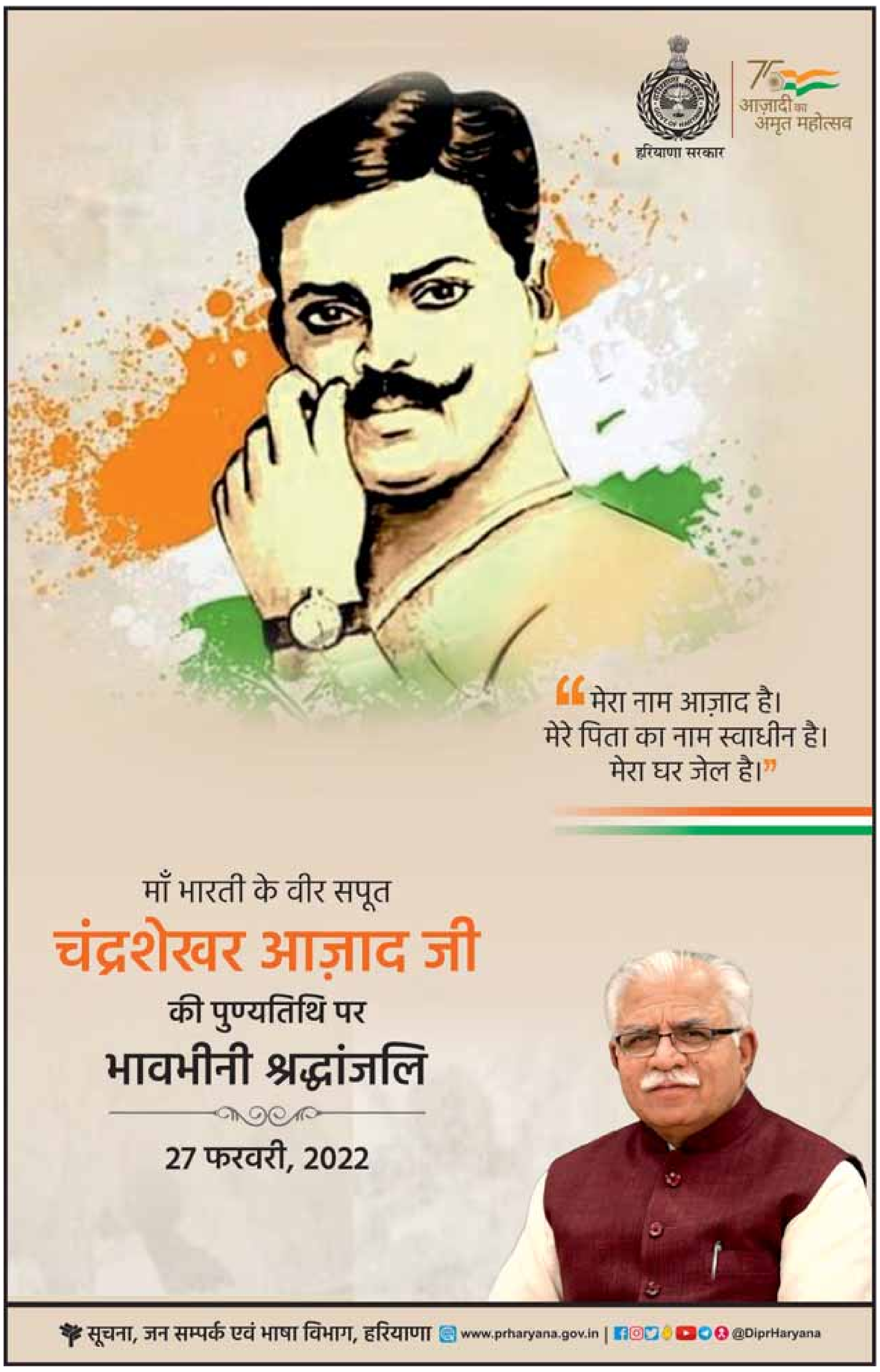

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 27 फरवरी, 2022

शहरी विकास को अब नए कानूनी प्रावधान से जोड़ने का सही समय

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में विवाद से समाधान की दिशा में बढ़ा हरियाणा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के लीला होटल में अर्बन डेवेलपमेंट कॉन्क्लेव के दूसरे दिन संबोधित करते हरियाणा के मुख्य प्रधान सचिव डीएस ढेसी।

मुख्य प्रधान सचिव डीएस ढेसी ने कहा कि रीयल एस्टेट के लिए मौजूदा सरकार द्वारा बेहतर व्यावहारिक माहौल प्रदान किया जा रहा है। हर पहलू पर निर्धारित नियमों के अनुरूप कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार द्वारा विभागीय स्तर पर पूर्ण पारदर्शिता के साथ ही रीयल एस्टेट के लिए समय बद्धता के साथ सहयोग दिया जा रहा है और अब शहरीकरण के लिए नियमों में नए प्रावधान करने का सही समय आया है। यह बात मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव डीएस ढेसी ने कहीं। वे शनिवार को गुरुग्राम में आयोजित दो दिवसीय अर्बन डेवेलपमेंट कॉन्क्लेव के सुबह के सत्र के शुभारम्भ अवसर पर बोल रहे थे। मुख्य प्रधान सचिव डीएस ढेसी ने कहा कि हरियाणा में मौजूदा सरकार ने अपने 7 सालों के कार्यकाल में हर स्तर पर विवाद से समाधान की दिशा में सार्थक कदम बढ़ाए हैं। विकासात्मक बदलाव के साथ सरकार ने रीयल एस्टेट व शहरीकरण के क्षेत्र में भी बिल्डर व अलॉटी की सुविधा अनुरूप सकारात्मक कार्य किए हैं।

हरियाणा सरकार प्रदेश में आधारभूत ढांचागत विकास के साथ ही रीयल एस्टेट में डेवलपर व अलॉटी को सुखद माहौल प्रदान करने में पूर्ण सहयोगी बन रही है। उन्होंने कहा कि रीयल एस्टेट में संरचनात्मक सुधार के लिए नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा की टीम सकारात्मक सोच के साथ योजनाओं को क्रियान्वित कर रही है। रेगुलेटरी अथॉरिटी के तौर पर पंचकूला व गुरुग्राम हरेरा सक्षम भूमिका भी निभा रही है। वहीं अलॉटी अथवा आरडब्ल्यूए को भी हर स्तर पर सहयोग व सेवाएं उपलब्ध करवाने में सरकार अपना दायित्व प्रभावी रूप से निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय अर्बन डेवलपमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन सरकार की रीयल एस्टेट में सुधार की मंशा दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार आने के बाद सकारात्मक सोच के साथ नियमों में व्यवहारिक बदलाव किए गए हैं। उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि पहले हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण में जमीन अधिग्रहण पर न्यायालय के बढौतरी के फैसले के बाद उसका बोझ अलाटियों पर डाला जाता था। प्रदेश में पहली बार विवाद से समाधान की सकारात्मक सोच अपनाते हुए इस समस्या का समाधान किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल सभी विवादास्पद मुद्दों पर व्यवहारिक निर्णय लेकर उनका समाधान निकालना चाहते हैं।

बदलते समय के साथ एक्ट में सुधार लाते हुए कार्य किए जा रहे हैं, ऐसे में डेवेलपर और अलॉटी को सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए कॉन्क्लेव में प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक नजरिये से सरकार निरन्तर आगे कदम बढ़ा रही है। इसके साथ उन्होंने कॉन्क्लेव आयोजन के विचार को अच्छा बताते हुए कहा कि नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग का जब भी इतिहास लिखा जाएगा, तो उसमें इस कॉन्क्लेव का उल्लेख भी होगा।

हरियाणा बन रहा है हर क्षेत्र में अनुकरणीय: एसीएस देवेंद्र सिंह

गुरुग्राम के लीला होटल में अर्बन डेवेलपमेंट कॉन्क्लेव के दूसरे दिन मंचासीन हरियाणा के वरिष्ठ अधिकारी।

संरचनात्मक सुरक्षात्मक विकास के अंतर्गत रीयल एस्टेट को विकसित कर रही सरकार

गुरुग्राम। नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग के एसीएस देवेंद्र सिंह ने कहा कि वर्तमान में हरियाणा प्रदेश हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। सरकार की प्रभावशाली योजनाएं अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बन रही हैं। वे शनिवार को गुरुग्राम में आयोजित दो दिवसीय अर्बन डेवेलपमेंट कॉन्क्लेव के सुबह के सत्र के शुभारम्भ अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होंने बताया कि रीयल एस्टेट व शहरीकरण में अभूतपूर्व सुधार लाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि रीयल एस्टेट से जुड़े हितधारकों के सुझावों के आधार पर सरकार काम कर रही है, ताकि सरकारी स्तर के साथ ही रेरा की कार्यशैली के मद्देनजर डेवेलपर व अलॉटी को सीधे तौर पर लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि नवाचार पद्धति को अपनाकर विभाग बेहतर सेवाएं प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रहा है। संरचनात्मक सुरक्षात्मक विकास के अंतर्गत रीयल एस्टेट को विकसित करने में विभाग अपनी भागीदारी निभा रहा है। देवेंद्र सिंह ने कॉन्क्लेव के पहले दिन शुक्रवार को आयोजित विभिन्न सत्रों में चर्चा किए गए विषयों तथा उनमें दी गई संस्तुतियों के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि ये संस्तुतियां मुख्यमंत्री के समक्ष रखी जाएंगी, जिनके आधार पर वे पॉलिसी निर्णय लेंगे। टीसीपी विभाग को स्ट्रीम लाईन करने के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों का प्रयोग करते हुए सभी प्रकार की अप्रुवल चार महीनों के भीतर दी जाएंगी। इसके अलावा विभाग में एक एनसीएलटी सैल सृजित किया जाएगा।

पंजाबी बिरादरी महा संगठन ने लगाया आंखों का नि:शुल्क शिविर

निरामया चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से लगे शिविर में 300 मरीज जांचे

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पंजाबी बिरादरी महा संगठन वे निरामया चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से कुटिया मंदिर स्वामी, गंगा गिरी महाराज बसई रोड पर नि:शुल्क आंखों का कैंप लगाया गया। इस कैंप में 300 मरीजों की जांच हुई और उन्हें मुफ्त दवाई दी गई। जिनको चश्मा लगना था उन्हें वहीं मौके पर चश्मा दिया गया। जिनके ऑपरेशन होने हैं उन्हें ऑपरेशन के लिए तारीख दी गई है। ये सभी सेवाएं पंजाबी बिरादरी महा संगठन के प्रधान बोधराज सीकरी द्वारा नि:शुल्क दी गयीं।

निरामया ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ त्रिलोक आहूजा व उनकी टीम ने पूरा सहयोग दिया। पंजाबी बिरादरी महा संगठन की ओर से वरिष्ठ उपप्रधान ओमप्रकाश कथूरिया, महामंत्री रामलाल ग्रोवर, सुभाष डूडेजा, सुभाष गांधी, कवर भान वधवा, यदुवंश चुग, राजकुमार कथूरिया, अनिल कुमार, पारुल कुमार,गजेंद्र गोसाई किशोरीलाल, श्याम ग्रोवर, प्यारे लाल वर्मा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, रमेश चुटानी, हितेश कपूर, विकास आर्य, रामकिशन गांधी, भारत भूषण आर्य, एमआर कुमार, अशोक गेरा एवं अन्य ने आंखों के कैंप में अपना यथा सम्भव सहयोग दिया। स्वामी गंगा गीर की कुटिया की ओर से रमेश कुमार, ब्रह्म कथूरिया, हरीश वर्मा, महादेव वर्मा, दीपक चुटानी, हरबंस कथूरिया एवं अन्य का विशेष सहयोग रहा। शिविर में तीन व्यक्तियों ने नेत्रदान का संकल्प लिया। पंजाबी बिरादरी महा संगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने कहा, इस प्रकार के सामाजहित के कार्यक्रम पूरे शहर में चलाए जाएंगे।

जनसंख्या नियंत्रण पर आज सेमीनार में होगी चर्चा, विशेषज्ञ रखेंगे विचार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सेमिनार का विषय- असंतुलित जनसंख्या वृद्धि एवं जनसंख्या नियंत्रण कानून

भारत रक्षा मंच आज स्वतंत्रता सेनानी हॉल में करा रहा है सेमिनार

असंतुलित जनसंख्या वृद्धि एवं जनसंख्या नियंत्रण कानून विषय पर आज रविवार 27 फरवरी को भारत रक्षा मंच की ओर से एक सेमिनार आयोजित हो रही है। इसमें बढ़ती जनसंख्या पर चिंता जाहिर करने के साथ इसके लिए कानून बनाना कितना महत्वपूर्ण है, इस पर वक्ता अपनी राय रखेंगे।

शहर के स्वतंत्रता सेनानी भवन सिविल लाइन में यह सेमिनार सुबह 10:30 बजे शुरू होगी। कार्यक्रम के संयोजक धर्मवीर गर्ग और पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख एवं कार्यक्रम के सह-संयोजक नवीन गोयल के मुताबिक इस सेमिनार में भारत रक्षा मंच के संस्थापक सूर्यकांत केलकर मुख्य वक्ता होंगे। इनके अलावा महामंडलेश्वर स्वामी प्रबोधानंद गिरी, स्वामी राघवेंद्र भारती, विजय शंकर तिवारी, साकेत मणि वक्तव्य देंगे। अशोक सिंघल विश्वविद्यालय के निदेशक डा. अशोक दिवाकर मंच संचालन करेंगे।

सह-संयोजक नवीन गोयल ने कहा कि जनसंख्या बढ़ने के साथ हमारे देश में इंफ्रास्ट्रक्चर ढांचा कमजोर हो रहा है। इसकी मजबूती को जनसंख्या पर नियंत्रण बहुत जरूरी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने अनेक ऐसे निर्णय लेकर अब तक कानून बनाए हैं, जिन्हें नामुमकिन माना जा रहा था। सरकार ने बोल्ड फैसले लेकर तीन तलाक नियंत्रण कानून, धारा-370 खत्म करने समेत अनेक ऐतिहासिक काम किए हैं।

क्वालिटी ऑफ लाइफ पर फोकस जरूरी: वी. उमाशंकर

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी. उमाशंकर ने कहा कि हमें विभिन्न पहलुओं पर काम करते हुए भविष्य में शहर में विकास की संभावनाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार करने की जरुरत है। उन्होंने अपने संबोधन में शहरी विकास के साथ-साथ रोजगार सृजन, क्वालिटी ऑफ लाइफ व क्षमता निर्माण पर विचार रखते हुए इन पहलुओं पर पूरा फोकस करने के लिए प्रेरित किया। वे शनिवार को गुरुग्राम में आयोजित दो दिवसीय अर्बन डेवेलपमेंट कॉन्क्लेव के सुबह के सत्र के शुभारम्भ अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि यदि रोजगार की संभावनाएं बढ़ेगी तो निश्चित तौर पर ही रीयल स्टेट व शहरी विकास भी बढ़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी शहर में विकास व क्वालिटी लिविंग के लिए अच्छी मोबिलिटी, डिजिटल कनेक्टिविटी के महत्व पर भी बल दिया जाना समय की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि रीयल एस्टेट के हितधारकों की संख्या काफी बढ़ी है। ऐसे में जरूरी है के इन सभी मुद्दों पर चरणबद्ध तरीके से काम करते हुए इनका समाधान किया जाए। उन्होंने मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार टू डेवलेपर, डेवलेपर टू बायर तथा बायर टू बायर मुख्य विषय है, जिनमें आपस में बेहतर संबंध स्थापित होने चाहिए। इस कॉन्क्लेव के माध्यम से इन मुद्दों का समाधान करने का प्रयास किया गया है। इसके अलावा उन्होंने कैश फ्लो संबंधी समस्याओं का भी उल्लेख किया।

अलॉटी को हरेरा के तहत मिले अधिकार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बिल्डिंग में पांच साल में ही क्वालिटी संबंधी शिकायतें आने पर स्ट्रक्चरल ऑडिट होगा

हरियाणा रीयल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (हरेरा) गुरुग्राम के चेयरमैन डा. केके खण्डेलवाल ने कहा कि रीयल एस्टेट में अलॉटी का यह अधिकार है कि वह निर्माण के समय साइट विजिट कर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को देख सके, उसके नक्शे व ले-आउट प्लान का निरीक्षण कर सके। वे शनिवार को गुरुग्राम में आयोजित दो दिवसीय अर्बन डेवेलपमेंट कॉन्क्लेव के सुबह के सत्र के शुभारम्भ अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि अलॉटियों के हितों को दरकिनार कर रीयल एस्टेट सेक्टर में अनियमितता न बरती जाए। रीयल एस्टेट में अनियमितताओं को ध्यान में रखते हुए ही हरेरा का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी डेवलपर्स अपने यहां नोडल अधिकारी की नियुक्ति करेंगे जो रोजाना उनके प्रोजेक्ट्स से जुड़े अलॉटियों की शिकायतों की सुनवाई करेंगे। डा. खंडेलवाल ने कहा कि अब समय आ गया है कि यदि किसी बिल्डिंग प्रोजेक्ट में पांच साल में ही क्वालिटी या स्ट्रक्चरल संबंधी शिकायतें आती हैं तो रेरा द्वारा उसमें क्वालिटी स्ट्रक्चरल ऑडिट के आर्डर किए जाएंगे।

उन्होंने भारत सरकार के अर्बन डेवलपमेन्ट मंत्रालय के मॉडल बिल्डिंग बायलॉज का हवाला देते हुए कहा कि कोई भी रिहायसी बिल्डिंग जो 15 साल से पुरानी हो चुकी है, उनमें 5 साल, 20 साल से पुरानी में प्रत्येक 3 साल बाद स्ट्रक्चरल ऑडिट करवाना जरूरी है। जो बिल्डिंग 30 साल से पुरानी हो चुकी हैं, उसके लिए उसका स्ट्रक्चरल ऑडिट करवाकर यह तय किया जाए कि बिल्डिंग रहने योग्य है या नहीं। उन्होंने बताया कि इस दो दिवसीय सम्मेलन में सभी हितधारकों के सामने आ रही समस्याओं और चुनौतियों का समाधान करने पर गंभीरता से मंथन किया गया है। सत्र में रेरा पंचकूला के चेयरमैन राजन गुप्ता ने डॉ. केके खंडेलवाल के विचारों का अनुमोदन करते हुए कहा कि देश मे लॉ एंड आर्डर व कृषि सेक्टर के बाद रीयल एस्टेट सेक्टर महत्वपूर्ण है, जिसमें ध्यान देने व सुधार लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अलॉटियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बिल्डर्स व डेवेलपर को भी अपना नजरिया बदलने की आवश्यकता है। आने वाले समय में आरडब्लूए अर्बन बॉडीज का महत्वपूर्ण अंग होंगी। इस अवसर पर जीएमडीए के सीईओ सुधीर राजपाल, झारखण्ड की रेरा चेयरपर्सन सीमा सिन्हा, राजस्थान रेरा के चेयरमैन एनसी गोयल, नरेडको के अध्यक्ष प्रवीन जैन, क्रेडाई के अध्यक्ष कुशाग्र अंसल, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के मुख्य प्रशासक अजीत बाला जोशी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

घरों के कचरे से खाद बनाने की प्रक्रिया हुई शुरू

58 हजार मीट्रिक टन कचरे के निस्तारण में मशीन को लगेंगे तीन से चार माह

कूड़ा निस्तारण के दौरान बने खाद को मौके पर इकट्ठा किया जा रहा

एन. रोहिल्ला। सोहना

सोहना में घरों से निकलने वाले कचरे से तैयार की जा रही खाद।

शहर के पुराने अलवर मार्ग पर नगर परिषद के बने अस्थाई कूड़ा केन्द्र पर लगे कूड़े का ढ़ेर का निस्तारण करके खाद बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कूड़ा केन्द्र पर पड़ा 58 हजार मीट्रिक टन कचरा का निस्तारण करने में मशीन को तीन से चार माह का समय लगेगा। जिसका ठेका पूजा कॉन्सोलेशन एजेंसी को दे दिया था।

नगर परिषद का शहर के वार्ड-13 की पहाड़ कॉलोनी से लगती वन विभाग की सेक्शन-4/5 जमीन पर बना अस्थाई कूड़ा केन्द्र पर कचरा को समाप्त करने का ठेका पूजा कॉन्सोलेशन एजेंसी को दे दिया था। एजेंसी ने कूड़े का निस्तारण करने का कार्य शुरू कर दिया है। एजेंसी द्वारा स्थापित की गई मशीन से प्लास्टिक पॉलीथिन या ठोस कचरा की छंटनी करेगी। वर्तमान समय में कूड़ा केन्द्र पर 58 हजार मीट्रिक टन कचरा पड़ा है। जिसे शहर में डोर टू डोर से एजेंसी द्वारा इकट्ठा करके लाया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्र से भी आएगा कूड़ा

इस कूड़ा केन्द्र पर नगर परिषद के आस-पास लगते गांव अलीपुर, हरियाहेड़ा, गढ़ीबाजीदपुर, पहलपा, खेड़ला, दमदमा, अभयपुर, दौला, खरौदा आदि गांवों से कूड़ा को निस्तारण के लिए लाया जाएगा। जबकि नगर परिषद सीमा क्षेत्र में शामिल 13 गांवों से कूड़ा पहले से ही कूड़ा केन्द्र पर आ रहा है।

कचरा से खाद बनाने की प्रक्रिया शुरू

कूड़ा-कचरा छंटनी से ठोस कचरा को बाहर कंपनियों में सप्लाई किया जाएगा। कूड़ा निस्तारण के दौरान बनने वाले खाद को मौके पर इकट्ठा किया जा रहा है। जिससे मशीन में डालने से पहले खुले में सुखाया जा रहा है। सुखाने से कूड़ा से खाद बनाना आसान होगा। **कूड़े** की निस्तारण प्रक्रिया शुरू होने के साथ कचरा से खाद बनना शुरू हो गया है। यह खाद प्लास्टिक पॉलीथिन व ठोस कचरा मुक्त होगा। तैयार किया जा रहा खाद से हर माह लाखों रुपये की कमाई होगी।

ह्यह्यह्य**सुशील ठाकरान**
(इंजीनियर नगर परिषद)

लगातार 12 दिन तक लगाया वोटर आईडी कैंप

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कैनविन फाउंडेशन की मदद से राजीव नगर व संजय ग्राम में लगाया कैंप

कैनविन फाउंडेशन की मदद से राजीव नगर व संजय ग्राम में लगातार 12 दिन तक कैंप लगाकर लोगों के वोटर आईडी बनाए गए। इस कैंप में भाजपा युवा नेता सुधीर कलसन व ज्योत्सना कलसन का विशेष सहयोग रहा।

उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में और वैध कागजों के अभाव में लोगों के अनेक डॉक्यूमेंट अधूरे रहते हैं। लोगों को सही दिशा-निर्देश मिले और उनके लंबित काम पूरे हो सकें, उनका यही प्रयास रहता है। जनसहयोग व जनसेवा में कैनविन फाउंडेशन लगातार काम कर रहा है। सुधीर कलसन ने कहा कि कैनविन फाउंडेशन के सहयोग से ही उन्होंने राजीव नगर व संजय ग्राम में लगातार 12 दिन तक वोटर आईडी बनवाने के लिए कैंप लगवाया। इस कैंप में अधिक से अधिक लोगों ने लाभ लिया। कैंप में फैमिली आईडी भी बनाई गई, ताकि लोगों को समय पर सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार गरीबों, वंचितों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं को अमलीजाना पहचान चुकी है। चाहे लॉकडाउन हो या अब सामान्य दिन। वंचित लोगों की मदद में सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गरीबों की रसोई में चूल्हा जलता रहे, इसी का प्रयास भारतीय जनता पार्टी का रहता है। गरीबों के लिए उज्वला योजना चलाकर मुफ्त में गैस सिलेंडर आवंटित किए गए। देश में करोड़ों महिलाओं का लकड़ियों के चूल्हे पर खाना बनाने का काम बंद हुआ। उनकी सेहत में सुधार हुआ। उन्होंने कहा कि सरकार निरंतर लोगों की भलाई में काम कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

बदमाश को अवैध हथियार समेत गिरफ्तार किया

सोहना। सोहना सीआईए पांच पुलिस ने पलवल जाने वाले मार्ग के सिलानी चौक पर बदमाश को अवैध हथियार समेत गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाश के खिलाफ सदर थाना में मामला दर्ज किया गया है। अपराध शाखा पांच सोहना में तैनात हवलदार विनोद कुमार पलवल जाने वाले मार्ग के बल्लभगढ़ मोड़ पर गश्त कर रहा था। तभी विनोद कुमार को सूचना मिली कि राजस्थान जिला भरतपुर का गांव कंचननेर निवासी बदमाश क्यूम सिलानी चौक पर खड़ा है। जिसके पास अवैध हथियार है। वह कई बार हथियार रखने के आरोप में जेल भी जा चुका है। सूचना मिलने पर हवलदार विनोद कुमार ने मौके पर पहुंच अपने साथियों समेत क्यूम को दबोच लिया। जिसके पास से तलाशी के दौरान एक देशी कट्टा बरामद हुआ। जिसे अंदर से खोलकर देखा तो वह खाली मिला। आरोपी के खिलाफ सोहना सदर थाना में मामला दर्ज कराया गया है।

अवैध रूप से गांजा बेचने वाली युवती समेत तीन गिरफ्तार

गुरुग्राम। अपराध शाखा सेक्टर-39 की पुलिस टीम ने अवैध रूप से गांजा बेचने वाली एक युवती समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से दो किलो 600 ग्राम गांजा व एक कार (बलेनो) भी बरामद की है। पूछताछ में पता चला है कि आरोपी मुनाफा कमाने के लिए गांजा का नशा करने वाले लोगों को पुड़िया बनाकर बेचते थे। अपराध शाखा सेक्टर-39 गुरुग्राम के प्रभारी निरीक्षक मनोज वर्मा को गुप्त सूचना मिली कि कुछ लोग अवैध रूप से गांजा बेचने की फिराक में हैं। पुलिस टीम ने आरोपियों की धरपकड़ के लिए तैयारी की। एक युवती समेत तीन आरोपियों को गांव लाखुवास सोहना से काबू किया। आरोपियों की पहचान सुरजीत पुत्र खेमचन्द निवासी दंगल नगर रूपा जिला फरीदाबाद, मनोज पुत्र कुन्दन लाल निवासी पलवल, ज्योति पत्नी कैलाश निवासी गांव बुखरपुर बल्लभगढ़ के रूप में हुई है। तीनों के खिलाफ अवैध गांजा रखने की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। उनके कब्जे से दो किलो 600 ग्राम गांजा और एक कार भी बरामद की गई है।

दो मार्च 2022 से शुरु होंगी सीबीएसई की प्रायोगिक परीक्षाएं

गुरुग्राम। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं एवं 12वीं कक्षा की प्रायोगिक परीक्षाएं 2 मार्च से शुरु करने के निर्देश जारी किए हैं। कोरोना नियमों का पालन करते हुए प्रायोगिक परीक्षा आयोजित कराई जाएंगी। विद्यार्थियों के बैच को 10-10 की संख्या में विभाजित किया जाएगा। सीबीएसई ने स्कूलों को 3 मार्च से ही प्रायोगिक, प्रोजेक्ट और आंतरिक मूल्यांकन के अंक एक साथ पोर्टल पर अपलोड करने को कहा है। एक बार अंक अपलोड ही बाद अंकों में सुधार नहीं किया जा सकेगा, ऐसे में स्कूलों से प्रायोगिक परीक्षा एवं आंतरिक मूल्यांकन के सही अंक अपलोड करने होंगे। सीबीएसई ने पत्र में स्पष्ट किया है कि 10वीं कक्षा के लिए बोर्ड द्वारा कोई बाहरी परीक्षक नियुक्त नहीं किया जाएगा, हालांकि 12वीं कक्षा के लिए बाहरी परीक्षक की नियुक्ति की जाएगी। बोर्ड की ओर से व्यावहारिक परीक्षाओं की निगरानी और परीक्षा के निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों में पर्यवेक्षक भी नियुक्त किया जा सकता है। स्कूलों को सीबीएसई द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले ऐप पर विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाओं की फोटो भी अपलोड करने के कहा गया है। बता दें कि सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं कक्षा की टर्म-2 की परीक्षाएं 26 अप्रैल से शुरू करने के घोषणा की है। बोर्ड की ओर से टर्म-1 का परिणाम जारी नहीं किया है। ऐसे में विद्यार्थी टर्म-1 के परिणाम को लेकर स्कूल प्रबंधन से जानकारी ले रहे हैं। लायंस पब्लिक स्कूल सेक्टर-10ए के मैनेजर राजीव कुमार के मुताबिक 10वीं एवं 12वीं कक्षा की टर्म-2 की परीक्षाएं 26 अप्रैल से शुरु होंगी। सीबीएसई के निर्देशानुसार 15 अप्रैल से पहले प्रायोगिक परीक्षाएं संपन्न कराई जाएंगी, जिसको लेकर स्कूलों ने तैयारियां शुरु कर दी हैं।

11 साल की बच्ची से छेड़छाड़ के आरोपी को पांच साल की कैद

गुरुग्राम। 11 वर्षीय बच्ची के साथ अश्लीलतापूर्वक छेड़छाड़ करने की वारदात को अन्जाम देने वाले आरोपी को अदालत ने दोषी ठहराया है। दोषी को अदालत ने 5 साल की कैद व 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा दी है। गुरुग्राम पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ अदालत में पुख्ता सबूत व गवाह पेश किए गए। जिनके आधार पर अदालत ने फैसला सुनाया। जानकारी के अनुसार 29 जुलाई 2018 को सेक्टर-10 गुरुग्राम थाना में रहने वाली एक महिला ने शिकायत दी। शिकायत में कहा कि शाम करीब 3.30 बजे यह मार्केट से ओला कैब लेकर अपने घर पहुंची। उसके पास खुल्ले पैसे नहीं थे तो यह और इसकी 11 वर्षीय बेटी खुल्ले पैसे लेने के लिए अपने फ्लैट पर गई। इसने खुल्ले रुपये देकर अपनी बेटी को नीचे कैब वाले को देने के लिए भेजा। थोड़ी देर बाद उसकी बेटी रुपये देकर ऊपर अपने फ्लैट पर आई तो उसकी बेटी घबराई और सहमी हुई थी। रो रही थी। जब अपनी बेटी से पूछा तो उसने बताया कि जब वह लिफ्ट से नीचे रुपए देने जा रही थी तो लिफ्ट में सफाई करने वाले श्रीबास बर्मन ने उसे अकेला पाकर अश्लील हरकत की। इस शिकायत पर पुलिस ने पोक्सो एक्ट में केस दर्ज करके जांच शुरू की। साथ ही सेक्टर-10 महिला थाना की टीम ने श्रीबास बर्मन उर्फ बास बर्मन निवासी पश्चिम बंगाल को गिरफ्तार कर लिया। वह गुरुग्राम की न्यू टाउन हाइट सेक्टर-90 में था। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने पुख्ता सबूत व गवाह अदालत के समक्ष पेश किए। उनके आधार पर अदालत ने आरोपी को 5 साल की कैद व 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

लक्ष्मीनारायण मंदिर में रक्तदान शिविर कल

होडल। भारत विकास परिषद व जिला रेडक्रास सोसायटी के तत्वावधान में आगामी 28 फरवरी को लक्ष्मीनारायण मंदिर के प्रांगण में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। ये जानकारी परिषद के प्रांतीय संयोजक डा. जेके मित्तल ने दी। उन्होंने बताया कि शिविर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। डा. मित्तल ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि वह ज्यादा से ज्यादा संख्या में शिविर में पहुंचकर रक्तदान करें क्योंकि आपके द्वारा दिया गया रक्त किसी मरते व्यक्ति को जीवन दान दे सके। इस मौके पर परिषद के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

नवनियुक्त आईएएस का किया स्वागत

नवनियुक्त आइपीएस का स्वागत करते लोग।

होडल। नवनियुक्त आईएएस मोहित रावत व एक्सयन फरीदाबाद वीरेंद्र रावत का होडल में पहुंचने पर बावरी मोड स्थित कार्यालय पर फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीजेपी व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य उत्तम भारद्वाज ने की। कार्यक्रम के इस मौके पर नवनियुक्त आईएएस मोहित रावत ने कहा कि आज के युवाओं को नशे के बजाय शिक्षा की ओर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर कर एक नए समाज का उत्थान करना चाहिए। समाज में शिक्षित व्यक्ति को समाज में अलग ही मान-सम्मान मिलता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशा छोड शिक्षा के प्रति जागरूक करना चाहिए। इस मौके पर नवनियुक्त आईपीएस व एक्सईएन का उत्तम भारद्वाज के साथ उनके समर्थकों ने भव्य स्वागत किया। इस मौके पर जिला सचिव सुनील कुमार ठेकेदार, उत्तम भारद्वाज, जवाहर सिंह, हरीश चंद, जगत सिंह दलाल के अलावा अन्य समर्थकों ने आइएस का स्वागत किया।

बीके अस्पतालः अल्ट्रासाउंड के लिए गर्भवती हो रही परेशान

कविता। फरीदाबाद

'बहन मुझे आज का समय दिया था, अब यहां आई हूं तो वापस लौटा रहे हैं।' दूसरी गर्भवती बोली 'हां बहन 9 बजे तक फार्म जमा हो जाते हैं, उसके बाद चिकित्सक आते ही अल्ट्रासाउंड शुरू करते है। 9 बजे के बाद कोई फार्म जमा नहीं होता। सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को ही अल्ट्रासाउंड होता है।

अल्ट्रासाउंड करवाना है, तो टाइम से आना पड़ेगा।' कुछ ऐसा ही बीके सिविल अस्पताल के अल्ट्रासाउंड केन्द्र पर आजकल सुनने को मिल रहा है। यहां रेडियोलॉजिस्ट के पदोन्नति मिलने के बाद से अल्ट्रा साउंड मात्र तीन दिन किसी तरह से हो रहे है। ऐसे में यहां आने वाली

समय निकाल डिप्टी सीएमओ कर रहे अल्ट्रासाउंड

प्रमोशन होने के बाद अस्पताल में अल्ट्रालॉजिस्ट का पद है खाली

बीके अस्पताल में बंद कक्ष के बाहर लगी अल्ट्रासाउंड करवाने वाली गर्भवती महिलाओं की भीड़।

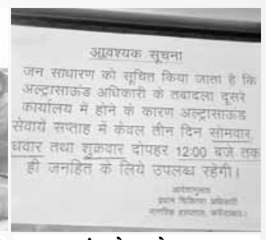
अल्ट्रासाउंड केन्द्र के बाहर लगा नोटिस।

गर्भवती महिलाओं को काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही है। जानकारी के मुताबिक बीके सिविल अस्पताल में मौजूद अल्ट्रासाउंड करने वाले चिकित्सक की पदोन्नति डिप्टी सिविल सर्जन के पद पर हो गई थी। ऐसे में डिप्टी सीएमओ बने डॉ. सुशील कुमार अहलावत केवल तीन दिन ही अल्ट्रासाउंड के लिए समय निकाल पा रहे हैं। इस दौरान भी उन्हें अधिकारिक कार्य करने पड़ जाते है। जिस कारण अस्पताल में अल्ट्रासाउंड न के बराबर हो पा रहे है। वहीं देखा जाए तो बीके सिविल अस्पताल में रोजाना करीब 250 लोगों को चिकित्सकों द्वारा अल्ट्रासाउंड करवाने के लिए लिखा जाता है। 200 बिस्तरों के इस अस्पताल में भर्ती से लेकर ओपीडी में 2500 मरीजों में 250 मरीजों के अल्ट्रासाउंड करने के लिए यहां दो अल्ट्रालॉजिस्टों की आवश्यकता है। लेकिन फिलहाल यहां एक भी नहीं है। जिस कारण यहां आने वाले मरीजों को भारी परेशानियां झेलनी पड़ रही है।

दाखिल रोगी और गर्भवती परेशान

बीके अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मात्र तीन दिन होने के कारण यहां भर्ती मरीजों और यहां आने वाली गर्भवती महिलाओं को भारी परेशानियां झेलनी पड़ती है। प्रसव पीड़ा के बावजूद भी गर्भवती महिलाओं को अर्जेंट अल्ट्रासाउंड के लिए निजी लैब के चक्कर काटने पड़ते है। वहीं भर्ती मरीजों के साथ भी ऐसा ही हो रहा है। बाहर से अल्ट्रासाउंड करवाने पर कई बार सड़क पर ही डिलीवरी होने की संभावनाएं बनी रहती है। ऐसा एक मामला पहले शहर में हो चुका है, लेकिन इसके बाद भी अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती न जाने किन कारणों से नहीं हो रही है।

3.77 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी आज दो बूंद जिंदगी की

जिले में पल्स पोलियो अभियान को लेकर पुख्ता प्रबंध : डीसी

रविवार को बूथों पर व सोमवार व मंगलवार को घर-घर दस्तक देंगी टीमें

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार रविवार को स्वास्थ विभाग द्वारा जिला में पोलियो ड्राप्स अभियान के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। डीसी जितेन्द्र यादव ने कहा कि कल रविवार 27 फरवरी को जीरो से पांच साल के बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाई जाएगी। रविवार को बूथों पर पोलियो ड्रॉप्स पिलाई जाएगी और 28 फरवरी तथा 1 मार्च यानी सोमवार और मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग की वालिंटियर टीमें घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो ड्राप्स पिलाएंगी। ताकि ऐसा एक भी जीरो से 5 वर्ष आयु तक का बच्चा जिले में पोलियो ड्राप्स पिए बिना न रहे। उन्होंने कहा कि यह ड्राप्स बच्चों को बहुत बड़ी बीमारी से बचाव के लिए जरूरी है। पोलियो बीमारी बड़ी तेजी से एक से दूसरे बच्चों में फैलती है। इसलिए पोलियो ड्रॉप बच्चों को पिलाना अति आवश्यक है।

बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का फाइल फोटो।

उपायुक्त जितेंद्र यादव ने कहा कि कोविड-19 की हिदायतों के अनुसार बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाना सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला में घुमन्तु जातियों के हाईरिस्क 9 क्षेत्र हैं। जहां माईग्रेटी अधिक है। माइग्रेटिड के 1112, स्लम के 681, नोमंड के 39, ईंट भट्ठों के 146 और कंट्रक्शन की 219 साईट जिला में स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित की गई है। वहां पर जाकर बच्चों को पोलियो ड्राप्स पिलाना सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय पोलियो ड्रॉप्स अभियान में जिन विभागों की अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगी है। वे सभी आपस में बेहतर तालमेल बनाकर पोलियो ड्रॉप्स अभियान को सफल बनाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिस अधिकारी और कर्मचारी की जो ड्यूटी सुनिश्चित की गई है, वह इस कार्य को गंभीरता से करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पोलियो ड्रॉप्स, ईट भट्ठों, झुग्गी झोपड़ियों सहित तमाम स्थानों पर जाकर माइग्रेट फैमिली व कंस्ट्रक्शन साइटों और सहित घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाना सुनिश्चित करेंगी।

पोलियो अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. मान सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला में जीरो से 5 वर्ष के 377147 बच्चे हैं। इनको पोलियो ड्राप्स पिलाने के लिए स्वास्थ्य तथा अन्य विभाग के कर्मचारियों की 2113 टीमें बनाई गई है। वे टीमें 634976 घरों में भी दस्तक देकर बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाना सुनिश्चित करेंगी। इसके लिए विभाग ने 1532 बूथ बनाए गए हैं और 2313 टीमें बनाई गई है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा 111 ट्रांजिट टीमें और 94 मोबाइल टीमों का गठन किया गया है।

दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट के तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विभिन्न मामलों में किशोरी व दो युवतियों के साथ हुई थी वारदात

डीसीपी एनआईटी नीतीश अग्रवाल के दिशा-निर्देशों पर कार्य करते हुए महिला थाना एनआईटी प्रभारी इंस्पेक्टर माया की टीम ने क्राइम ब्रांच कैट के साथ संयुक्त रूप से कार्य करते हुए पोक्सो और दुष्कर्म के तीन मामलों में आरोपियों को अलग अलग स्थानों से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी परवेज निवासी फरीदाबाद के गांव जखोपुर, पवन फरीदाबाद के एनआईटी तीन नंबर का रहने वाला है। आरोपी भवन कारपेंटर का काम करता है। जबकि तीसरा आरोपी नवीन कुमार फरीदाबाद की पर्वतीय कॉलोनी का रहने वाला है। आरोपी नवीन कुमार किसी ऑफिस में डॉक्यूमेंट स्कैनिंग का काम करता है।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि तीनों आरोपियों को महिला विरुद्ध अपराध में महिला थाना एनआईटी की टीम ने क्राइम ब्रांच कैट की मदद से आरोपी परवेज को गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर नूंह जिले के फिरोजपुर से पोक्सो के मुकदमे में गिरफ्तार किया है। आरोपी ने शादी करने का झांसा देकर किशोरी से दोस्ती कर बनाए थे अवैध संबंध। फिर अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया था। आरोपी नवीन कुमार को महिला थाना एनआईटी टीम ने फरीदाबाद के एनआईटी एरिया के सेक्टर 21ए से दुष्कर्म के मुकदमे में गिरफ्तार किया है। आरोपी युवती के साथ ऑफिस में डॉक्युमेंट स्कैनिंग का काम करता था। वहीं से युवती और आरोपी में दोस्ती हुई थी। आरोपी युवती को घुमाने के नाम पर ओयो रूम में ले गया था। आरोपी ने वहां दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। तीसरा आरोपी पवन युवती के घर के साथ बनी कारपेंटर की दुकान पर काम करता था। आरोपी नवीन को फरीदाबाद के एनआईटी तीन नंबर से बलात्कार के मुकदमे में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस प्रवक्ता बताया कि ने पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस हेल्पलाइन नंबर 1091 शुरू किया हुआ है। इसके अलावा सभी थाने व चौकियों में महिला फरियादियों के लिए महिला पुलिस कर्मी तैनात हैं। महिलाएं या छात्राएं किसी भी आपातस्थिति में डायल 112 पर कॉल कर सकती हैं। कॉल के 10 मिनट बाद ही पुलिस उनके पास पहुंच जाएगी।

बीकेः आपातकालीन कक्ष में दो पक्ष के बीच झगड़ा

बीके अपातकालीन कक्ष के बाहर दोनों पक्षों को समझाती पुलिस।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल के अपातकालीन कक्ष में दो पक्ष आपस में पहले एमएलआर कटवाने को लेकर आपस में भिड़ गए। बीच-बचाव करते हुए चिकित्सकों और कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। तीन नम्बर चौकी की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले को शांत किया।

बीके अस्पताल के कार्यकारी पीएमओ डॉ. दारा सिंह राठी ने बताया कि शनिवार सुबह एक महिला एमएलसी कटवाने आई थी। जहां दूसरा पक्ष भी पहुंच गया। दोनो पक्षों में आपस में कहासुनी होने लग गई और दोनो पक्ष आपस में भिड़ गए। अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में तैनात ड्यूटी डॉक्टर प्रदीप ने इसकी सूचना बीके चौकी पुलिस को दे दी। जिस पर बीके चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंची, लेकिन मामला शांत न होते देखकर तीन नम्बर चौकी से पुलिस को बुलवाया गया। चौकी इंचार्ज ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों की बातें सुनीं।

उपायुक्त ने अध्यापक बनकर विद्यार्थियों को पढ़ाया गणित

राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल अजरौंदा सेक्टर-15 में दसवीं के बच्चों को पढ़ाने पहुंचे डीसी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-15 के सरकारी स्कूल में बच्चों को पढ़ाते डीसी जितेंद्र यादव।

उपायुक्त जितेंद्र यादव ने स्थानीय सेक्टर -15 के राजकीय सीनियर सेकेंड्री स्कूल अजरौंदा में जाकर दसवीं क्लास के बच्चों की मैथ की क्लास ली। वहीं एसडीएम त्रिलोक चंद ने सेक्टर-3 में टीचरों को पढ़ाया।

सीएमजीजीए करण कपूर ने एनआईटी-3 के माडल स्कूलों में विद्यार्थियों की पढाई करवाने का काम किया। सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार महर्षि दयानंद जयंती के शुभ अवसर पर सरस्वती के जीवन व शिक्षा के संदर्भ में डीसी, एसडीएम और सीएमजीजीए ने आधे आधे घंटे की स्पेशल क्लासेज लगाकर विद्यार्थियों को और टीचरों को पढ़ाने का काम किया है।

आपको बता दें सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार टीचर स्किल डेवलपमेंट सरकार की नई शिक्षा नीति का बेहतर क्रियान्वयन करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उच्च कक्षाओं में बीएड करने वाले विद्यार्थियों को अब इंटर्नशिप स्कूलों में जाकर बच्चों को पढ़ाना होगा। वहीं प्राथमिक शिक्षा के अध्यापकों को भी निपुणता के साथ सरकार की न्यू शिक्षा पॉलिसी के तहत ट्रेनिंग लेकर बेहतर नई शिक्षा नीति के अनुसार बच्चों की शिक्षा को ओर बेहतर क्रियान्वित कैसे किया जाए पर यह कोर्स चलाए रहे हैं।

डीएवी में 11 कुंडीय महायज्ञ का आयोजन

फरीदाबाद। आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा हरियाणा एवं आर्य युवा समाज हरियाणा के तत्वावधान में 12 से 26 फरवरी तक आयोजित महर्षि दयानन्द सरस्वती पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत आर्य समाज डीएवी पब्लिक स्कूल बल्लभगढ़ द्वारा विद्यालय के पावन प्रांगण में महर्षि दयानन्द सरस्वती के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में ग्यारह कुण्डीय महायज्ञ का आयोजन किया गया।

जिसमें प्राइमरी विंग के शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं के साथ कई अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। महायज्ञ का सम्पादन करते हुए धर्माचार्य जयपाल शास्त्री ने युग प्रवर्तक महर्षि दयानन्द सरस्वती के प्रेरणादायी जीवन के विषय में बताया। विद्यालय की प्राचार्या नमिता शर्मा ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आर्य समाज के संस्थापक युग प्रवर्तक महर्षि दयानन्द सरस्वती जी ने जीवनभर अधर्म, अज्ञान, पाखंड, अशिक्षा, जातपात आदि का विरोध किया।

वन स्टॉप सेन्टर है पीड़िताओं के लिए वरदान : रेनू

महिला आयोग की चैयरपर्सन ने वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने कहा कि वन स्टॉप सेन्टर में आई महिलाओं के लिए रहने, खाने, पीने और क्रिमिनल एक्टिविटी के दौरान महिलाओं को सुरक्षित रखने में पीड़ित महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है। हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया शनिवार को नागरिक अस्पताल बीके स्थित वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर रही थी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी जिलों में वन स्टॉप सेंटर केन्द्र सरकार द्वारा पीड़ित महिलाओं के लिए खोले गए हैं। जिला फरीदाबाद में वन स्टॉप सेन्टर पीड़ित महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है। यहां पर पीड़ित महिलाओं को पुलिस पूरी सुरक्षा मिल रही हैं। वन स्टॉप सेन्टर

वन स्टॉप में रेनू भाटिया संग में सेंटर की इंचार्ज मीनू यादव व बीके अस्पताल के कार्यकारी पीएमओ डॉ. डीएस राठी और आरएमओ डॉ. रोहित गौड व अन्य।

पीड़ित महिलाओं की कॉउंसलिंग करवा कर उनके परिजनों और रिश्तेदारों को सुपुर्द की जाती है। यहां पर कार्यरत सभी अधिकारी और कर्मचारी पीड़ित महिलाओं के लिए बेहतर सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

वन स्टॉप सेन्टर की इन्चार्ज मीनू यादव के बताया कि नागरिक अस्पताल बीके में स्थित वन स्टॉप सेंटर जिला मे उपायुक्त जितेन्द्र यादव के निर्देशन मे महिला एंव बाल विकास विभाग के द्वारा पीड़ित महिलाओं को सभी सुविधाएं दी जा रही हैं। इन सुविधाओं में पुलिस सहायता, चिकित्सा सहायता, कानूनी परामर्श, मनोवैज्ञानिक परामर्श तथा अस्थाई आश्रय की सुविधाएं एक स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वन स्टॉप सेंटर स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित महिलाएं केन्द्र मे शिकायत महिला हेल्पलाइन 181, 0129-2421006 के माध्यम से दर्ज करा सकती है। उन्होंने आगे बताया कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जिला प्रशासन द्वारा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली के जरिए नागरिक अस्पताल बीके में वन स्टॉप सेंटर पिछले करीब पौने दो वर्ष पहले स्थापित किया गया था। वैसे सरकार द्वारा वन स्टॉप सेंटर वर्ष 2016 में शुरू किया गया था। सखी नाम से विख्यात वन स्टॉप सेंटर के द्वारा किसी भी प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बच्चियों को विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान की जाती है।

वन स्टॉप सेंटर की इन्चार्ज डॉ. मीनू यादव ने बताया कि सेंटर के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए समय समय पर विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे है। इसके अलावा जिला के सभी पुलिस थानों के पुलिस कर्मचारियों के साथ भी सेंटर के अधिकारी बैठकें करते रहते है। ताकि सभी प्रकार से ज्यादा से ज्यादा पीड़ित महिलाओं को सेंटर द्वारा मदद मिल सके। इसके साथ ही जो पीड़ित महिलाएं सेंटर तक पहुंचनें में असक्षम है। उनको केंद्र के कर्मचारियों के द्वारा उनके आवास पर जाकर आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। इस दौरान एसीपी बल्लभगढ़ एवं वन स्टॉप सेन्टर के सुरक्षा नोडल अधिकारी मुनीष, जिला महिला संरक्षण अधिकारी हेमा कौशिक, कार्यकारी पीएमओ डॉक्टर डीएस राठी, डॉक्टर राजेश धीमान, आरएमओ डॉक्टर रोहित गौड आदि उपस्थित रहे।

ससुरालियों से तंग विवाहिता घर के बाहर बैठने को हुई मजबूर

गांव मेवला महाराजपुर में पीड़ित महिला के परिजनों से बातचीत करते पुलिस अधिकारी।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मेवला महाराजपुर में ससुरालियों की ज्यादती से तंग एक विवाहिता घर के बाहर खड़ी होकर रो रही है। वह पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाने को मजबूर है, लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि पुलिस प्रशासन इस मामले में पूरी तरह से मौन बना बैठा है। महिला की शिकायत के बावजूद ससुरालियों पर कार्यवाही नहीं की गई।

पीड़ित महिला ने ससुरालियों पर दहेज प्रताड़ना के अलावा अन्य प्रकार की यातनाएं देने के भी आरोप लगाए। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश की रहने वाली पिंकी चौधरी की शादी करीब एक साल पहले मेवला महाराजपुर निवासी वरुण बैंसला से हुई थी। शादी के दौरान परिजनों ने अपनी क्षमता अनुसार दान दहेज देकर पिंकी को विदा किया था परंतु ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर अक्सर उसे तंग करने लगे। करीब तीन महीने पहले उसे सिर में दर्द हुआ, जांच करने पर डाक्टरों ने उसे ब्रेन हेमरेज बताया और आप्रेशन की सलाह दी। जिस पर ससुराल पक्ष के लोग उसे घर ले आए और दो दिन तक कमरे में बंद रखा, जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब हुई तो ससुराल वाले उसे अस्पताल ले गए।

संक्षिप्त समाचार

कथा में बताया चित्रकूट में श्रीराम भरत मिलन

फरीदाबाद। श्रीराम कथा में काशी से पधारे हुए महाराज आचार्य सर्वेश पांडे ने कथा के सातवें दिन सुनाया। महाराज चक्रवर्ती सम्राट का पार्थिव शरीर रखा गया भरत शत्रुघ्न को ननिहाल से बुलाया गया। भरतजी ने महाराज दशरथ का अंतिम संस्कार किया। उसके बाद रामजी को मनाने के लिए पूरे समाज के साथ तीनों माताओं के साथ चित्रकूट जा रहे हैं। गुरु वशिष्ठ कहते हैं, सुनहु भरत भावी प्रबल बिलखि कहेउ मुनि नाथ। हानि लाभ जीवन मरण यश अपयश विधि हाथ।। ये छह कार्य भगवान के हाथ में है भरतजी को समझाते हैं। भगवान जानकी मैया के साथ लक्ष्मणजी के साथ चित्रकूट में निवास किए है। भगवान राम चित्रकूट में अधिक वर्ष रहे भरत जी को आता देखकर लक्ष्मण को क्रोध आता है और रामजी से आज्ञा लेते हैं कि आज आप आज्ञा दो भरत को यहां आने नहीं दूंगा। आज भरत से युद्ध कर के ही रहूंगा। ऐसी संपत्ति को भरत जी ने ठुकरा दिया और भाई से भाई का प्रेम आज देखने को मिला है। चित्रकूट में अगाध प्रेम है।

स्वामी दयानंद सरस्वती जन्मोत्सव पखवाड़े का समापन

फरीदाबाद। डीएवी शताब्दी महाविद्यालय में महाविद्यालय आर्य समाज इकाई एवं संस्कृत छात्र परिषद के संयुक्त तत्वाधान में मनाए जा रहे स्वामी दयानंद जन्मोत्सव पखवाड़े के समापन दिवस के अवसर पर यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ के उपरांत महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर व्याख्याता हर्षप्रिय आर्य, अध्यक्ष, एचआर, जेबीएम समूह गुरुग्राम एवं विभा आर्या, धर्म शिक्षिका, संस्कृत अध्यापिका, एमिटी विद्यालय तथा युवा आर्या वीरांगना इकाई गुरुग्राम की अध्यक्षा रहीं। इस अवसर पर अरुण भगत, मुकेश बंसल, डॉ नरेंद्र दुग्गल, डॉ अर्चना सिंघल, डॉ अंजु गुप्ता, महाविद्यालय आर्य समाज इकाई के कोषाध्यक्ष अशोक मंगला इस पखवाड़े के संयोजक संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ अमित शर्मा तथा महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मौखिक विकृति दिवस समारोह आयोजित

फरीदाबाद। सुधा रुस्तगी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड रिसर्च, फरीदाबाद के ओरल पैथोलॉजी विभाग ने राष्ट्रीय ओरल पैथोलॉजी दिवस मनाया। इस अवसर पर धर्मवीर गुप्ता, अध्यक्ष और दीपक गुप्ता, संस्थान के सचिव। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ सीएम मड़िया, प्राचार्य, डॉ विशाल जुनेजा, सीईओ और सभी वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने किया। इस अवसर पर, अतिथि वक्ता, डॉ प्रियंका कर्दम, पेशे से एक मौखिक रोगविज्ञानी, जो वर्तमान में एल्सेवियर में प्रकाशक के रूप में कार्यरत हैं, ने उभरते दंत चिकित्सकों के लिए प्रकाशन गृहों में एक पुरस्कृत कैरियर की संभावनाओं के बारे में बात की। संकाय सदस्यों, डॉ श्वेता रेहानी (मौखिक विकृति विभाग के प्रमुख), डॉ प्रभाकर और डॉ बीरेश्वर रॉय ने अन्य संकाय और स्नातकोत्तर छात्रों के साथ, विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, अर्थात, डेंटल क्विज़, पिक्चर, मैड विज्ञापन, डेंटल क्राफ्ट। इसमें छात्रों, प्रशिक्षुओं और स्नातकोत्तरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को उपहार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

101 केक काटकर मनाया मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह

फरीदाबाद। श्री महारानी वैष्णोदेवी मंदिर फरीदाबाद का प्राण प्रतिष्ठा धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंदिर में 101 केक काटकर श्रद्धालुओं ने अपनी खुशी का इजहार किया। इसके साथ ही मंदिर परिसर में 5 वां रक्तदान शिविर भी लगाया गया, जिसमें माता रानी के भक्तों ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया तथा बढ़ चढ़कर ब्लड डोनेट किया। माता रानी के प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर लोगों के लिए कोरोना टीकाकरण की सेवाएं भी उपलब्ध करवाई गई। मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया। उनसे ब्लड डोनेट करने की अपील की। बता दें कि प्रत्येक वर्ष 26 फरवरी को श्री महारानी वैष्णोदेवी मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह भव्य रूप से मनाया जाता है, जिसमें तमाम भक्तगण और मंदिर के कार्यकर्ता बड़े स्तर पर हिस्सा लेते हैं। इस मौके पर मंदिर में सुंदर और भव्य झांकियों का आयोजन किया गया, जिन्हें देखकर भक्तगण मंत्रमुग्ध हो गए। इस अवसर पर मंदिर संस्थान के चेयरमैन प्रताप भाटिया, नीरज अरोड़ा, रमेश झाम, रमेश सहगल, प्रीतम धमीजा, अनिल ग्रोवर, गांधी, धीरज, राहुल, अनुज, एसपी भाटिया, रोहित, अमन, विजय, चिंतन, प्रदीप, आशु, शनिदेव, चिराग, साहिल, तरूण और देवेंद्र विशेष रूप से उपस्थित थे।

परीक्षा पर चर्चा 2022 कार्यक्रम आयोजित

फरीदाबाद। नारायण ई-टेक्नो स्कूल, फरीदाबाद में 'नारायण ग्रुप' द्वारा कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' का संचालन किया गया। इस कार्यक्रम में नारायण शैक्षिक संस्थानों की निदेशक शरणी नारायण पोंगल मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने छात्रों को अपनी शंकाओं को दूर करने का तरीका बताया। उन्होंने टर्म-2 सीबीएसई बोर्ड की अंतिम परीक्षा 2022 की तैयारी के लिए कई सुझाव और रणनीतियां भी बताई। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सभी विषय के विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से दिए गए। छात्रों ने नारायण के सिस्टमैटिक माइक्रो शेड्यूल और एकेडमिक प्लानर के लिए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

संपति कर करवाएं जमा : निगमायुक्त

फरीदाबाद। नगर निगम आयुक्त यशपाल यादव ने बताया कि स्थानीय निकाय विभाग हरियाणा की अधिसूचना 18 जनवरी के अनुसार वर्ष 2010-2011 से 2020-2021 तक के संपत्तिकर के बकायाजात पर ब्याज की एकमुश्त छूट सभी करदाताओं को दी जायेगी। यदि उनके द्वारा 31.03.2022 तक अपने बकायाजात का भुगतान किया जायेगा अन्यथा देरी से भुगतान के मामले में प्रति मास या उसके भाग के लिये 1.5 प्रतिशत की दर से ब्याज की दर पर ब्याज वसूल किया जायेगा। निगमायुक्त ने संपत्तिकर दाताओं से अपील की है कि वे अपने सम्पत्ति कर की बकाया राशि को तत्काल जमा कराये और सरकार की नीति का लाभ उठायें। अन्यथा सम्पत्ति करदाताओं की बकाया राशि को वसूल करने के लिए निगम द्वारा न केवल निर्धारित ब्याज लगाया जायेगा, बल्कि उनकी सम्पत्ति को सील करने की कार्यवाही शुरू कर दी जायेगी। उन्होंने लोगों से आगे अपील की है कि वे अपना बकाया राशि को जमा करवाने हेतु अपना संपत्ति कर http://online.ulbharyana.gov.in/eforms/property Ta&.asp& लिंक पर जाकर के जमा करवाएं।

पीएम ने निजी कंपनियों से चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश करने का किया आह्वान

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारतीय छात्र भाषाई बाध्यताओं के बावजूद चिकित्सा शिक्षा के लिए कई सारे छोटे देशों का रुख कर रहे हैं, ऐसे में इस प्रकार की सुविधाएं देश में ही उपलब्ध कराने के लिए निजी क्षेत्र को व्यापक स्तर पर सामने आकर अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। आम बजट-2022 में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए किए गए प्रावधानों पर केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आयोजित एक वेबिनार का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने को ध्यान में रखते हुए जमीन आवंटन के लिए राज्य सरकारें भी अच्छी नीतियों का निर्माण कर सकती हैं ताकि भारत बड़ी संख्या में चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की फौज तैयार कर वैश्विक मांग को भी पूरी कर सके।

प्रधानमंत्री की यह बात बहुत मायने रखती है क्योंकि रूस की सैन्य कार्वाई के मद्देनजर युद्धग्रस्त यूक्रेन में बड़ी संख्या में भारतीय छात्र फंसे हुए हैं और उन्हें स्वदेश वापस लेने के लिए सरकार को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। ज्ञात हो कि यूक्रेन में फंसे अधिकतर छात्र चिकित्सा क्षेत्र में शिक्षा हासिल करने के लिए वहां हैं। मोदी ने अपने संबोधन के दौरान यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों का कोई सीधा उल्लेख नहीं किया। उन्होंने कहा कि विदेशों में जाकर चिकित्सा शिक्षा की पढ़ाई के लिए विदेश जाने के कारण देश का पैसा बड़ी संख्या में बाहर भी जाता है। उन्होंने कहा, शिक्षा, खासकर चिकित्सा शिक्षा के लिए हमारे बच्चों को छोटे देशों मे जाना पडता है। वहां उन्हों भाषई समस्याओं से भी दो-चार होना पड़ता है। इसके बावजूदवह जा रहे हैं...क्या हमारा निजी क्षेत्र बड़े स्तर पर इसमें प्रवेश नहीं कर सकता है? क्या हमारी राज्य सरकारें इसके लिए भूमि आवंटन

करने को अच्छी नीतियों का निर्माण नहीं कर सकती? प्रधानमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में कमियों को पूरा करने के लिए भारत को अपने संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले सात सालों में केंद्र सरकार ने देश के स्वास्थ्य ढांचे में सुधार और बदलाव किए हैं और अब उसकी कोशिश गंभीर बीमारियों के इलाज की सुविधाएं ब्लॉक स्तर पर पहुंचाने की है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार का प्रयास आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश के हर व्यक्ति तक किफायती इलाज पहुंचाने का है। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बजट प्रावधानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, यह बजट पिछले साल से स्वास्थ्य देखभाल तंत्र में सुधार और व्यापक बदलाव करने के हमारे प्रयासों को विस्तार देता है। हमने अपने स्वास्थ्य देखभाल तंत्र में एक सर्वसमावेशी रुख अपनाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का ध्यान स्वास्थ्य पर तो है ही, इसके साथ ही उसकी कोशिश आयुष जैसी पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति में शोध को प्रोत्साहन देकर स्वास्थ्य देखभाल तंत्र में उसकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी है। उन्होंने कहा, आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश के हर व्यक्ति, हर हिस्से तक बेहतर और किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने पर भी सरकार का विशेष ध्यान है। हमारा प्रयास है कि गंभीर बीमारियों के इलाज की स्वास्थ्य सुविधाएं ब्लॉक स्तर पर हों, जिला स्तर पर हों, गांवों के नजदीक हों। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं से जुड़ी अवसंरचना की देखभाल और समय-समय पर उसमें सुधार भी जरूरी है और इसके लिए निजी और दूसरे क्षेत्र को भी ज्यादा ऊर्जा के साथ आगे आना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल नेटवर्क को सशक्त करने के लिए डेढ़ लाख हेल्थ एंड वेलनेस केंद्रों के निर्माण का काम तेजी से चल रहा है और अभी तक 85,000 से अधिक केंद्रों में नियमित जांच, टीकाकरण और जांच जैसी सुविधाएं पहुंचाई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे स्वास्थ्य सेवाओं की मांग बढ़ रही है, उसके अनुसार सरकार कौशल संपन्न स्वास्थ्य पेशेवर तैयार करने का भी प्रयास कर रही है और इसे ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े मानव संसाधन तैयार करने के लिए बजट में पिछले साल की तुलना में बड़ी वृद्धि की गई है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह ग्राहक और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता के बीच एक आसान इंटरफेस उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा, इससे देश में उपचार पाना और देना, दोनों बहुत आसान हो जाएंगे। इतना ही नहीं, यह भारत के गुणवत्तापूर्ण और किफायती स्वास्थ्य तंत्र की वैश्विक पहुंच को भी आसान बनाएगा।

भारत इकलौता देश है जिसने दूसरों की कभी एक इंच जमीन नहीं हड़पी: राजनाथ

भाषा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्व विद्यालय के 98वें दीक्षांत समारोह में शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दावा किया कि भारत दुनिया का इकलौता देश है जिसने कभी हमला नहीं किया और ना ही दूसरे देशों की एक इंच जमीन हड़पी। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन के दौरान राजनाथ ने कहा कि भारत की शक्ति दुनिया के कल्याण के लिए है, ना कि किसी को डराने के लिए। दीक्षांत समारोह के दौरान 1,73,443 विद्यार्थियों को डिजिटल डिग्री से सम्मानित किया गया। राजनाथ ने कहा, हमारा सपना भारत को जगत गुरु बनाना है। हम देश को शक्तिशाली, समृद्ध, ज्ञानी और मूल्यवान बनाना चाहते हैं। भारत इकलौता ऐसा देश है जिसने कभी किसी दूसरे देश पर हमला या उसकी एक इंच जमीन पर कब्जा नहीं किया। रक्षा मंत्री के मुताबिक अब दुनिया भी मानती है कि भारत कभी ज्ञान और विज्ञान सहित कई क्षेत्रों में विश्व में अग्रणी था। उन्होंने कहा कि कई तथाकथित प्रगतिवादी हैं जो देश की सांस्कृतिक उत्कृष्टता को धूमिल करने समेत सवाल खड़े करते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि आजादी के इस अमृत काल में, जब देश आजादी के 75 साल का जश्न मना रहा है, हमें समानता, सद्भाव और ज्ञान की महान परंपरा को याद करना चाहिए और एक साजिश के तहत हमारे अंदर भरे गए जहर को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने प्राचीन ऋषियों, वैज्ञानिकों और विद्वानों के नामों का हवाला देते हुए कहा कि भारत विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी था, लेकिन सदियों की गुलामी के कारण कई लोग इस बात से अनजान थे। उन्होंने कहा कि शून्य की अवधारणा भारत द्वारा दी गई थी, श्रीधराचार्य ने द्विघात समीकरण दिया था, पाइथागोरस के 300 साल पहले पाइथागोरस प्रमेय बोधायन ने दिया था। उन्होंगे आगे बताया कि इस देश में ईसा मसीह से पहले सर्जरी की गई, कॉपरनिकस से पहले आर्यभट्ट ने पृथ्वी के आकार की व्याख्या करके बता दिया था कि यह अपनी धुरी पर घूमती है। देश की आध्यात्मिक शक्ति के बारे में बात करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि स्टीव जॉब्स और मार्क जुकरबर्ग जैसे लोग भी मुसीबत के समय शांति के लिए नैनीताल के पास कांची धाम में नीम करोली बाबा के पास गए। उन्होंने युवाओं से देश के हितों के खिलाफ किसी भी गतिविधि में शामिल होने से बचने का संकल्प लेने का आह्वान किया। दोषी आतंकवादियों अफजल गुरु, याकूब मेमन और अमेरिका स्थित ट्विन टावरों के हमलावरों के नामों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यह गलत धारणा है कि आतंकवाद का कारण गरीबी और शिक्षा की कमी है। कार्यक्रम के दौरान सिंह ने छात्रों को 197 पदक भी प्रदान किए। रिकॉर्ड संख्या में लोगों को 802 डॉक्टरेट डिग्री से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करने वाले कुलपति योगेश सिंह के बताया कि विश्वविद्यालय इस साल। मई को 100 साल पूरे करने जा रहा है।

तेजपुर विश्वविद्यालय गांवों को गोद लेकर उनका विकास करे: कोविंद

तेजपुर (असम)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को तेजपुर विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय सामाजिक जिम्मेदारी के नए प्रतिमान के तहत कुछ गांवों को गोद लेकर उनका विकास करने की सलाह दी। विश्वविद्यालय के 19वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने ग्रामीणों को विभिन्न नवोन्मेषी समाधान प्रदान करने की उसकी पेशकश पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि तेजपुर विश्वविद्यालय कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) की तर्ज पर विश्वविद्यालय सामाजिक जिम्मदोरी का नया प्रतिमान अपना सकता है। उन्होंने कहा कि तेजपुर मे ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे पर स्थित यह विश्वविद्यालय कुछ गांवो को गोद ले सकता है और उन्हें उनके सर्वांगीण विकास मे मदद कर सकता है। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कोविंद ने कलागुरू विष्णुप्रसाद राभा सभागार में विद्यार्थियो से बढ़चढ़कर पूर्वोत्तर क्षेत्र के जैविक उत्पादो का प्रचार एवं विपणन करने की भी अपील की।

बंगलुरू में एसयूसीआइ के कार्यकर्ता यूक्रेन के खिलाफ रूस की सैन्य कार्रवाइ का विरोध करते हुए

भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर गोबर से बिजली बनाने के लिए देगा तकनीकी मार्गदर्शन

भाषा। रायपुर

छत्तीसगढ़ में गोबर से बिजली बनाने के लिए भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र राज्य को तकनीकी मार्गदर्शन देगा। राज्य के जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को यहां बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मौजूदगी में यहां उनके निवास कार्यालय में राज्य में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए दो महत्वपूर्ण करार किए गए। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में खाद्यान्न, सब्जी और लघु वनोपजों को लंबे समय तक सुरक्षित, तरोताजा तथा गुणवत्ता युक्त बनाए रखने के लिए सरकारी क्षेत्र में पहला ँ398ीूड इरेडिएटर प्लांट स्थापित होगा। उन्होंने बताया कि फूड इरेडिएटर प्लांट के संचालन तथा तकनीक हस्तांतरण को लेकर छत्तीसगढ़ शासन की ओर से बीज निगम तथा परमाणु ऊर्जा विभाग के विकिरण बोर्ड एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी के मध्य करार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के गौठानों में गोबर से बिजली बनाने के लिए भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर छत्तीसगढ़ राज्य को तकनीकी मार्गदर्शन देगा। उन्होंने बताया कि राज्य के गौठानों में गोबर आधारित विद्युत संयंत्र लगाए जाएंगे। इसके लिए छत्तीसगढ़ जैवईंधन विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के मध्य करार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि गौठानों में गोबर से उत्पादित बिजली का उपयोग वहां संचालित ग्रामीण औद्योगिक पार्क की पावर चलित मशीनों, पेयजल, सिंचाई, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य कार्यों के लिए होगा तथा अतिरिक्त बिजली का विक्रय विद्युत वितरण कंपनी को किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर कृषि मंत्री रविंद्र चौबे, राज्य के वरिष्ठ अधिकारी, भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर तथा विकिरण बोर्ड और आइसोटोप प्रौद्योगिकी के प्रतिनिधि अधिकारी मौजूद थे।

कड़कड़ाती सर्दी में 20 किमी पैदल चल यूक्रेन पोलेंड सीमा पर पहुंचे भारतीय भाई-बहन

भाषा। जयपुर

यूक्रेन में ताजा संकट के बीच वहां पढ़ाई करने गए भारतीय विद्यार्थियों के सामने युद्ध के साथ-साथ कड़कड़ाती सर्दी का संकट है तो भविष्य को लेकर अनिश्चितता के बादल भी मंडरा रहे हैं। ऐसे ही एक वाकए में 21 साल का एक मेडिकल विद्यार्थी अपनी बड़ी बहन के साथ यूक्रेन के टेरनोलिप से पोलेंड सीमा तक पहुंचने के लिए 200 किलोमीटर बस में तथा बाद में 20 किलोमीटर कड़कड़ाती सर्दी में पैदल चला। हालांकि अपने गंतव्य पर पहुंचने पर भी उन दोनों का सफर खत्म नहीं हुआ वहां लंबी कतारों में लोग इंतजार करते मिले। कमोबेश ऐसी ही कहानी सैकड़ों अन्य लोगों की है जो सुरक्षित ठिकाने एवं पारगमन के लिए किसी तरह शेहनी-मीड्यका सीमा पर पहुंच रहे हैं। यह अलग बात है कि इस सीमा पर हालात और भी अराजक है जहां लोगों को सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी जा रही। वहां सुरक्षित आश्रय चाहने वालों की भीड़ लगी है।इस सीमा से 630 किलोमीटर की दूरी पर, आयुषी विश्नोई, उसके दोस्त और कई अन्य लोग यूक्रेन के कीव में एक छात्रावास की इमारत में फंसे हुए हैं। वे बमबारी होते देख रहे हैं, बार-बार सायरन सुनते हैं और कमरों और भूमिगत बंकरों के बीच जगह बदल रहे हैं। वे अपनी सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। हालांकि पोलैंड की सीमा बमबारी से तुलनात्मक रूप से सुरक्षित है लेकिन यूक्रेनी शहर कीव में रॉकेट हमलों और बमबारी से स्थिति भयावह है। मेहुल, मेघना और आयुषी की तरह यूक्रेन में राजस्थान के सैकड़ों सहित हजारों भारतीय छात्र हैं जो वहां के ताजा हालात में दहशत और चिंता के साए में हैं और वहां से बाहर निकलने में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। जोधपुर की रहने वाले आयुषी ने फोन पर पीटीआई-भाषा से कहा, हम 18-21 वर्ष के आयु वर्ग के में हैं। हम यहां दो महीने पहले ही आए थे। हम इन हालात का सामना करने के लिए बिलकुल तैयार नहीं हैं। हम चिंतित हैं, हमारे माता-पिता चिंतित हैं, हम चाहते हैं किसी भी तरह घर वापस पहुंचे।

कीव की नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी की इस छात्रा ने कहा, कई छात्र पोलैंड की सीमा पर पहुंच गए हैं, लेकिन कीव में फंसे छात्रों के लिए कोई परामर्श नहीं है। हम सीमा तक सुरक्षित मार्ग चाहते हैं और भारतीय दूतावास को इसकी व्यवस्था करनी चाहिए। मैंने कई बार कोशिश की लेकिन दूतावास द्वारा उपलब्ध करवाई गई हेल्पलाइन पर बात नहीं हो पाई। मैंने अपना विवरण व्हाटसएप पर भी साझा किया यह संदेश देखा लिया गया लेकिन कोई जवाब नहीं आया। उसने कहा, हमें व्हाट्सएप समूहों में दोस्तों और अन्य लोगों से नियमित अपडेट मिल रहे हैं। हमारे परिवार के सदस्य हमारी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए हमारे और अधिकारियों के साथ समन्वय करने के लिए अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने इसे कोरोना वायरस के शुरुआती दिनों से भी बदतर स्थिति करार दिया और कहा कि यह दु:स्वप्न जैसा है।

मेहुल ने कहा कि अनिश्चितता के बीच वे शुक्रवार को दोपहर तीन बजे टेरनोपिल से निकले और सीमा को जाने वाली बस लेने में कामयाब रहे, लेकिन भारी ट्रैफिक जाम के कारण, उन्हें सीमा के पास पहुंचने के लिए लगभग 20 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा।

उन्होंने कहा, हमें बताया गया था कि पोलैंड हमें प्रवेश करने देगा, इसलिए हम दौड़े। हमने किराए का भुगतान किया जो सात से आठ गुना अधिक था। कुछ ने सीमा तक पहुंचने के लिए 20 गुना अधिक किराए का भुगतान किया। चूंकि एक लंबा ट्रैफिक जाम था तो हमें लगभग 20 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। किसी तरह हम शनिवार को (स्थानीय समयानुसार) सुबह ती बजे सीमा के पास एक जगह पहुंचे। तब से, हम कतार में खड़े हैं। हमें सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उसने बताया कि वे लोग सीमा से करीब तीन किलोमीटर की दूरी पर फंसे हुए हैं। इस बीच राजस्थान में सैकड़ों छात्रों के परिजन केंद्र के साथ-साथ राज्य सरकार से भी संपर्क कर अपने बच्चों की घर वापसी की व्यवस्था करने का अनुरोध कर रहे हैं। वे टेलीविजन और इंटरनेट पर लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अधिकारियों को छात्रों और उनके परिवारों की सुविधा के लिए हर संभव प्रयास करने का निर्देश दिया है। उन्होंने शनिवार को घोषणा की कि यूक्रेन से वापस आने वाले राजस्थानी छात्रों के हवाई किराए की प्रतिपूर्ति की जाएगी।

गहलोत ने ट्वीट किया, यूक्रेन और रूस के बीच बने युद्ध के हालात के दौरान विदेश मंत्रालय के परामर्श के बाद निजी खर्च से वतन वापस आने वाले राजस्थानियों को भाड़े का भुगतान किया जाएगा। उन्होंने लिखा, दिल्ली, मुंबई तथा अन्य हवाई अड्डों पर आने वाले राजस्थानियों को घर तक पहुंचाने की सुविधा राजस्थान सरकार द्वारा करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए राजस्थान फाउंडेशन समन्वय करेगा। राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि राज्य के 600 से 800 छात्र-छात्राएं यूक्रेन में फंसे हुए हैं और फाउंडेशन ने विदेश मंत्रालय के साथ उनकी जानकारी साझा की है। श्रीवास्तव ने कहा, राजस्थान के अलावा, हमें कई अन्य राज्यों के कई लोगों से कॉल और अनुरोध मिल रहे हैं, जो यूक्रेन में फंसे अपने रिश्तेदारों या छात्रों के लिए मदद मांग रहे हैं। अपने लोगों की सुरक्षित निकासी के लिए केंद्र सरकार के अधिकारियों के अलावा हम पोलैंड, हंगरी, रोमानिया में प्रवासी राजस्थानियों के संपर्क में हैं।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Kanti Devi and Kanti Singh, w/o Sh. Krishna Kumar Singh, r/o 195, Sector-3A, Rachna, Vaishali, Ghaziabad, are one and the same person. Henceforth, I shall be known as Kanti Devi only.

PD(9151)C

फोन टैपिंग मामले मे आईपीएस के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

पुणे। पुणे पुलिस ने कथित अवैध फोन टैपिंग मामले में आईपीएस अधिकारी और शहर की पूर्व पुलिस प्रमुख रश्मि शुक्ला के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। शुक्ला पर वर्ष 2015 से 2019 के बीच नेताओं की गैर-कानूनी तरीके से कथित फोन टैपिंग का आरोप है। अधिकारी ने बताया कि शुक्ला के खिलाफ यह प्राथमिकी तीन-सदस्ईय समिति की रिपोर्ट के आधार पर दर्ज की गई है। शुक्ला मार्च 2016 से वर्ष जुलाई 2018 तक पुणे की पुलिस आयुक्त थीं और इस समय प्रतिनियुक्ति पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पद पर हैदराबाद में तैनात हैं। अधिकारी ने बताया, रश्मि शुक्ला के खिलाफ यहां के बूंद गार्डन थाने में कथित रूप से फोन टैपिंग के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

बेंगुसराय में समाज सुधार यात्रा के दोरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

भारत से भेजी गई 2500 मीट्रिक टन गेहूं की पहली खेप जलालाबाद पहुंची

भाषा। नई दिल्ली

भारत से अफगानिस्तान के लोगों के लिए मानवीय सहायता के रूप में भेजी गई 2500 मीट्रिक टन गेहूं की पहली खेप शनिवार को जलालाबाद पहुंच गई। इसे पाकिस्तान से होते हुए सड़क मार्ग से 50 ट्रकों में भेजा गया था। भारत में अफगानिस्तान के राजदूत फरीद मंमूदजई ने कहा कि 50 ट्रकों में भेजी गई गेहूं की यह पहली खेप अफगानिस्तान के शहर जलालाबाद पहुंच गई और अब इसे लोगों के बीच विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के माध्यम से वितरित किया जाएगा। अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के लिए संयुक्त राष्ट्र की अपील के मद्देनजर भारत सरकार ने अफगानिस्तान के लोगों को 50 हजार मीट्रिक टन गेहूं तोहफे के रूप में देने का निर्णय किया था। मंगलवार को विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला के साथ अफगानिस्तान के राजदूत फरीद मंमूदजई और विश्व खाद्य कार्यक्रम के स्थानीय निदेशक बी पराजुली की मौजूदगी में अमृतसर के अटारी सीमा चौकी पर आयोजित एक समारोह में इस खेप को रवाना किया गया था। अफगानिस्तान के राजदूत ने ट्वीट किया, सहायता के रूप में 2500 मीट्रिक टन गेहूं की पहली खेप आज सुबह जलालाबाद पहुंची। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में डब्ल्यूएफपी अब इस सहायता को पूरे अफगानिस्तान में जरूरतमंद लोगों में वितरित करेगी।भारत से मंगलवार को भेजी गई इस खेप में गेहूं के प्रत्एक बैग पर अंग्रेजी, पश्तो और दरी भाषा में लिखा था, भारत के लोगों की ओर से अफगानिस्तान के लोगों के लिए तोहफा। समझा जाता है कि इस खेप में खाद्यान्न की आपूर्ति 50-50 किलोग्राम के जूट के बैग में गेहूं की पैकिंग करके की गई है और इसे भेजे जाने की तिथि से गेहूं की मियाद (शेल्फ लाइफ) एक वर्ष है। गौरतलब है कि भारत ने सड़क मार्ग से पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान को 50,000 टन गेंहू भेजने के लिए ट्रांजिट सुविधा का अनुरोध करते हुए सात अक्टूबर, 2021 को इस्लामाबाद को प्रस्ताव भेजा था।

आयुर्वेदिक दवा बीजीआर-34 मधुमेह में कारगर

नई दिल्ली। अनुसंधानकर्ताओं की टीम ने अपने अध्ययन में पाया है कि आयुर्वेदिक दवा बीजीआर-34 तीन महीनों के भीतर शरीर में शर्करा की मात्रा को कम करने में मददगार साबित हो सकती है और शक्तिशाली एंटी ऑक्सीडेंट का स्राव शरीर में करती है जिससे मधुमेह संबंधी जटिलताएं नियंत्रित होती है। पंजाब स्थित चितकारा विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए इस अध्ययन को सर्बियाई जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल ऐंड क्लीनिकल रिसर्च ऑन साइडो सैंटिफिक प्लेटफार्म के नवीनतम संस्करण में प्रकाशित किया गया है। अध्ययन के मुताबिक आयुर्वेदिक दवा बीजीआर-34 मधुमेह के इलाज में प्रभावी है और इसका बहुत कम या बिल्कुल नहीं दुष्प्रभाव है। रवीन्द्र सिंह के नेतृत्व में एक टीम ने मधुमेह से ग्रस्त सौ रोगियों को दो समूहों में बांट कर करीब 12 हफ्ते तक चौथे चरण के चिकित्सकीय परीक्षण किए। उन्होंने बताया कि अध्ययन के दौरान बिना बताए एक समूह को सीटाग्लिप्टिन तथा दूसरे समूह को बीजीआर-34 दी गई। इसके बाद कुछ दिन तक निगरानी के बाद जब परिणाम सामने आया तो पता चला कि मधुमेह उपचार में बीजीआर-34 दवा काफी असरदार है। अध्ययन के मुताबिक पहले नतीजे में ग्लाइकेटेड हेमोग्लोबिन (एचबीए।सी) के आधार स्तर में गिरावट आने की जानकारी मिली जोकि चिकित्सीय तौर पर सकारात्मक है।

Public-Notice

आम जनता को सूचित किया जाता है कि बी.एम.गुप्ता हास्पिटल प्रा. लि. H-9 से H-15, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 द्वारा 01-01-2018 से 31-12-2018 की अवधी के लिए स्वीकार्य नियमों के अनुसार रोगियो के रिकार्ड को नष्ट कर दिया जाएगा ! यदि किसी को उपरोक्त उल्लिखित अवधि का रोगी रिकार्ड चाहिए तो 05-03-2022 से पहले फोन 011-47157777 पर या बी.एम.गुप्ता हास्पिटल प्रा. लि. मे चिकित्सा निदेशक से सम्पर्क करें !

Public-Notice

Mata Roop Rani Maggo Hospital C8/C9, Om Vihar, Phase-1, Uttam Nagar, New Delhi-110059

We are hereby to inform all concerned that we are going to destroy all medical records from Jan 2014 to December 2016 as Government's Documents Retention Policy. In Case Any Person thereof wants to see the Treatment records or to have a copy of the same, may please contact Medical Record Department of the Hospital by 15th March 2022.

Dr. Aman Maggo (Medical Director)

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल **मीरा** पत्नी स्वर्गीय **धर्मपाल बोकालिया** निवासी **डी -387, मादीपुर कॉलोनी, पश्चिम पुरी, दिल्ली-63** ने उनके 3 बेटों **नरेश बोकालिया, धर्मेंद्र बोकालिया और भगत राम बोकालिया** और उनकी पत्नी **तारा, सोनू और रीना** व **पोते/ पोती जसिका, दिव्यांश, तुषार, भूमि, विवान** को उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल संपति से बेदखल कर दिया है। मेरे मुवक्किल ने भी उनके साथ अपने सभी संबंध तोड़ लिए हैं। अगर कोई उनके साथ किसी भी तरह का व्यवहार करता है तो वे अपने जोखिम पर ऐसा करते हैं।

Ramesh Chander Anand (Adv),Ch-68, Western Wing,Tis Hazari

RELIGARE
Values that bind

सार्वजनिक सूचना

यह नोटिस दिनांक 1-फरवरी-2022 के स्थानांतरित करने के संदर्भ में, सर्वसाधारण को सूचित और जानकारी में लाया जाता है कि कंपनी रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड 15-मार्च-2022 के आस-पास कॉर्पोरेट कार्यालय का पता-यूनिट संख्या 501, 5वीं मंजिल साल्कोन रासविलास, साकेत जिला केंद्र, नई दिल्ली -110017 से 7 वीं मंजिल, मैक्स हाउस ओखला-III, 1516/338, 339, 440, ओखला रेलवे स्टेशन से सटा हुआ, नई दिल्ली-110020 में स्थानांतरित हो जाएगी।

किसी भी ग्राहक सेवा सहायता के लिए कृपया हमारे उपरोक्त पते और ग्राहक सेवा नंबर 18602664111 पर संपर्क करें।

पायनियर
उत्तर प्रदेश चुनाव

कई अंगूठा टेक भी चुनावी पिच पर ठोक रहे ताल

सतीश सिंह। लखनऊ

खबर के शीर्षक से आप चौंक जरूर सकते हैं क्योंकि लोकतंत्र में सभी को समानता का अधिकार हासिल है। खासकर बात जब अँगूठे पर आ जाय तो 21वीं सदी में इसका खास महत्व बन गया है। आधार कार्ड से लेकर बैंक तक हर जरूरी चीजों में अंगूठे का रोल महत्वपूर्ण हो गया है। ऐसे में इसका मजाक बनाना भी ठीक नही है। कुछ इसी तरह लोकतंत्र के पर्व में सभी को भाग लेने का अधिकार हमारा संविधान देता है। चाहे वह साक्षर हो या असाक्षर। सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार हैए इनके भाग्य का निर्धारण जनता करती है। पर इक्कीसवीं सदी में जब भारत मंगल ग्रह पर पहुंच गया हो तब यह सोचना लाजिमी हो जाता है कि लोकतंत्र में अँगूठा टेक जनप्रतिनिधि बनकर क्षेत्र का कौन सा काया पलट करेंगे।

बात 27 फरवरी यानी रविवार को होने वाले मतदान से सम्बंधित है जिसमें 6 ऐसे उम्मीदवार भी हैं। जो अँगूठा टेक होने के साथ ही विधानसभा में जाने के लिए ताल ठोंक रहे हैं। हालांकि ऐसे लोगों का चुनावी रेलमपेल में कोई वजूद नही है। सिर्फ वोट कटवा के तौर पर जरूर देखा जा सकता है जो बड़ी पार्टियों का वोट जरूर काटते हैं। लोकतंत्र में एक एक वोट का महत्व होता है। ऐसे में 50-100 या फ्रि हजार के अंदर वोट हासिल कर सियासी पार्टियों का जरूर नुकसान करते हैं। इनमे कुछ निर्दलीय हैं तो कुछ स्थानीय पार्टियों के बैनर से चुनाव लड़ रहे हैं। यहां एक बात और कि यदि आजादी के सात दशक बाद भी अगर ऐसे लोग समाज मे सामने आ रहे हैं तो लगता है कि सरकार की उन तमाम सारी योजनाओं को मुंह चिढ़ा रहे हैं जिनके जरिये सरकारें साक्षरता की दर को बढ़ाने में जुटी हुई हैं। चाहे वह प्रौढ़ शिक्षा हो या प्राथमिक शिक्षा।

धर्मेंद्र कुमार-प्रतापपुर सीट

प्रयागराज जिले की प्रतापपुर सीट से बतौर निर्दलीय धर्मेंद्र कुमार मैदान में हैं। धर्मेंद्र कुमार निरक्षर होने के साथ ही हरिहर पट्टी प्रतापपुर के रहने वाले हैं। 10000 रुपये नगद के मालिक हैं। पत्नी के पास 1500 रुपये नगद है। कुल 72668 रुपये की संपत्ति इनके पास है। फ्रि भी चुनावी पिच पर सियासत से दो-दो हाथ करने को तैयार हैं।

हरिश्चंद्र-जगदीशपुर सीट

हरिश्चंद्र अमेठी जिले के हसनगंज मजरे कठौरा के रहने वाले हैं। जगदीशपुर से निर्दलीय के तौर पर मैदान में हैं। असाक्षर होने के साथ ही 25000 नगद रुपये हैं। पत्नी के पास 15000 है। कुल 2.55 लाख रुपये के स्वयं और पत्नी 1.35 लाख रुपये हैं। मैदान में बड़ों बड़ों को टक्कर देने का हौसला पाले हुए हैं।

मोती -भनगा सीट

मोती श्रावस्ती जिले के सिसवा के रहने वाले हैं। भिनगा सीट से मैदान में हैं। असाक्षर होने के साथ ही खुद के पास 20 हजार और पत्नी के पास 10 हजार रुपये नगद हैं या बैंक में जमा हैं। इरादे सियासी पार्टियों से आगे निकलने का पाले हुए हैं।

शिवचरण-बलहा सीट

शिवचरण बहराइच के खडेचा के रहने वाले हैं। बलहा सीट से मैदान में हैं। असाक्षर होने के साथ ही निर्दलीय के तौर पर मैदान में हैं। खुद के पास 1.78 लाख और पत्नी के पास 1.02लाख रुपये नगद हैं या बैंक में है। जनप्रतिनिधि बनने के लिए सबसे भीड़ रहे हैं।

प्रमोद पासवान - बांसडीह

प्रमोद पासवान बलिया जिले नैना के रहने वाले हैं। असाक्षर प्रमोद निर्दलीय मैदान में है। इनके नाम से बैंक में 1000 रुपये हैं मगर चुनावी पिच पर विरोधियों को जवाब दे रहे हैं।

ज्ञान सिंह -सिराथू सीट

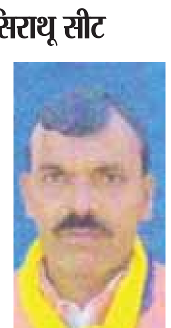

ज्ञान सिंह कौशाम्बी जिले के टेवन मंझनपुर के रहने वाले हैं। चुनावी पिच पर सबका दल यूनाइटेड से सिराथू सीट से मैदान में हैं। असाक्षर होने के साथ ही खुद के पास 102268 रुपये और पत्नी के पास 114306 रुपये नगद या बैंक में जमा है। मंसूबा विधानसभा जाने के लिए हर एक को पीछे छोड़ने का माद्दा रखते हैं।

लेखराज -महसी सीट

लेखराज बहराइच जिले के सोहरवा के रहने वाले हैं। असाक्षर होने के बावजूद चुनावी पिच पर महसी सीट से सबका दल यूनाइटेड से उम्मीदवार हैं। कुल 70 हजार रुपये व 5 ग्राम सोना रखते हैं। मंसूबा ऐसा पाले हैं कि सभी पार्टियों को पीछे छोड़ दें।

छठवें चरण में भी अँगूठा छाप

ऐसा नही है कि सिर्फ पांचवें चरण में ही अँगूठा छाप हैं बल्कि 3 मार्च को होने वाले छठवें चरण में भी 3 असाक्षर उम्मीदवार दम भर रहे हैं। अब इनकी चुनाव लड़ने की मंशा क्या हैए यह तो सिर्फ यही बता सकते हैं पर चुनावी होड़ में लगे जरूर हैं।

उमा देवी- बलरामपुर

हृदयपुर बलरामपुर की रहने वाली उमा देवी बलरामपुर सुरक्षित से बहुजन मुक्ति पार्टी की उम्मीदवार हैं। असाक्षर उमा देवी के पास 5000 रुपये और इनके पति के पास 15000 रुपये नगद या बैंक में हैं। मैदान में विरोधियों को टक्कर देने का दम भर रही हैं।

खेलाड़ी - आलापुर सीट

टंडवा अम्बेडकर नगर के रहने वाले खिलाड़ी मौलिक अधिकार पार्टी से हैं। असाक्षर खेलाड़ी के पास 30 हजार और उनकी पत्नी के पास 20 हजार रुपये नगद या बैंक में जमा है। चुनावी मैदान में सबको टक्कर देने का हौसला रखते हैं।

पूर्वांचल में मजबूत सिपहसालारों के बगैर ही रण में कांग्रेस

● बीते विधानसभा चुनाव में नसीब हुई थीं मात्र दो सीटें

विवेक श्रीवास्तव। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव अब पूर्वांचल के मुहाने तक पहुंच चुका है। पांचवे, छठे और सातवें चरण में पूर्वांचल के 28 जिलों में मतदान होना है। सत्तारूढ़ बीजेपी और प्रमुख विपक्षी सपा व उनकी सहयोगी पार्टियों के साथ ही बसपा और कांग्रेस सभी का फोकस अब पूर्वांचल पर ही है। हर कोई सत्ता पाने के लिए चुनावी समर में अपने तरकश के तीर चलाने में जुट चुका है। सभी दलों को अहसास है कि अगर पूर्वांचल का रण फतह कर लिया तो फिर यूपी की सत्ता पाना बेहद आसान हो जाएगा। यही वजह है कि राजनैतिक दलों के नेता इस समय पूर्वांचल को ही अपना सियासी अखाड़ा बनाए हुए हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी पूर्वांचल के जिलों में ताबड़तोड़ जनसभाएं व प्रचार कर पार्टी प्रत्याशियों के लिए वोट की अपील कर रही हैं। पूर्वांचल में अगर देखा जाए तो कांग्रेस के पास इस वक्त कोई बड़ा चेहरा पार्टी में नहीं बचा है। इस इलाके के सभी दिग्गज नेता धीरे-धीरे कांग्रेस का साथ छोड़कर दूसरे दलों का दामन थाम चुके हैं। कांग्रेस इस बार प्रियंका गांधी के नारों और वायदों के सहारे अकेले दम पर ही पूर्वांचल की सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

पूर्वांचल न सिर्फ कांग्रेस का पुराना गढ़ रहा है बल्कि अब भाजपा की राजनीति के दो मजबूत चेहरे पीएम नरेन्द्र मोदी और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का कर्मक्षेत्र भी है। योगी इस बार खुद गोरखपुर की सदर सीट से चुनाव मैदान में हैं। राम मंदिर आंदोलन से पहले कांग्रेस को यहां शिकस्त देना किसी भी राजनीतिक दल के लिए आसान नहीं रहा लेकिन राम मंदिर आंदोलन के बाद धीरे-धीरे कांग्रेस नेपथ्य में चली गई। कांग्रेस के वोटबैंक माने जाने वाले पिछड़े और दलित वोटों पर सपा-बसपा का कब्जा हो गया तो अगड़ों का वोट भाजपा के पक्ष में खिसक गया।

पूर्वांचल में गोरखपुर, वाराणसी, इलाहाबाद, भदोही, प्रतापगढ़, अमेठी, मिर्जापुर, जौनपुर, चंदौली, गाजीपुर, कुशीनगर, देवरिया, आजमगढ़, मऊ, महराजगंज, बस्ती, संत कबीरनगर, सिद्धार्थनगर, बलिया और सोनभद्र आदि जिले आते हैं। जिनमें 164 विधानसभा सीटें हैं। 2017 के चुनाव में पूर्वांचल की 115 सीटों पर भाजपा ने कब्जा जमाया था जबकि सपा ने 17, बसपा ने 14, कांग्रेस को दो और अन्य को 16 सीटें मिली थीं। कांग्रेस को जो दो सीटें नसीब हुईं थीं उनमें कुशीनगर की तमकुहीराज सीट पर जहां अजय कुमार लल्लू दूसरी बार जीत हासिल की थी वहीं प्रतापगढ़ की रामपुर खास सीट पर आराधना मिश्रा मोनाने पार्टी का झंडा बुलंद किया था।

2014 की मोदी लहर में आजमगढ़ में मुलायम सिंह यादव की सीट को छोड यहां की सभी 33 सीटें भाजपा के खाते में चली गईं। पूरे यूपी में 66 सीटों पर लडने् वाली कांग्रेस सिर्फ रायबरेली और अमेठी तक सिमट गई थी। 2009 के लोकसभा चुनाव में कर्ज माफी की बैसाखी पर चुनाव में उतर कर कांग्रेस ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया था। उसे पूर्वांचल की 13 सीटों पर जीत मिली थी। योगी के गढ़ माने जाने वाले गोरखपुर-बस्ती मंडल की 9 में से 3 सीटों पर कांग्रेस जीतने में सफ ल हुई थी। डुमरियागंज से जगदम्बिका पाल, महराजगंज से हर्षवर्धन और कुशीनगर से कुंवर आरपीएन सिंह जीते थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में कुंवर आरपीएन सिंह को छोड़ कोई कांग्रेसी प्रत्याशी जमानत तक नहीं बचा सका था।

कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे आरपीएन सिंह के पार्टी छोड़ने के बाद पूर्वांचल में कांग्रेस के पास कोई बड़ा चेहरा नहीं बचा है। आरपीएन सिंह के पहले पूर्वांचल में कांग्रेस के सबसे बड़े नाम जगदंबिका पाल हुआ करते थे। जगदंबिका पाल ने 2014 के पहले पार्टी छोड़ दी। गोरखपुर के लिए बड़े नाम डॉ. संजयन त्रिपाठी व काजल नषिाद पहले ही पार्टी छोड़ चुके हैं। अब आरपीएन सिंह के कांग्रेस छोड़ने के बाद पूर्वांचल में कांग्रेस नेतृत्व विहीन जैसी स्थिति में आ गई है। कांग्रेस उत्तर प्रदेश की सत्ता से बाहर होने के बाद भी पूर्वांचल की कई सीटों पर जीत का परचम फहराती रही है। कुशीनगर के आरपीएन सिंह कांग्रेस के कद्दावर और राहुल गांधी की टीम के अहम सदस्य थे। पूर्वांचल के प्रमुख नेताओं में उन्हें गिना जाता रहा है या यूं कहें कि कुशीनगर, देवरिया, गोरखपुर सहित आसपास के तमाम जिलों में वह कांग्रेस का चेहरा थे। हालांकि आरपीएन सिंह के गृह जनपद कुशीनगर से ही कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू भी आते हैं। दो बार के विधायक लल्लू पार्टी में सांगठनिक रूप से मजबूत जरूर हैं लेकिन जगदंबिका पाल और आरपीएन सिंह की तुलना में उनका कद कहीं छोटा है। वहीं लल्लू इस बार फिर तमकुहीराज विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे है और अपने प्रचार में ही व्यस्त हैं।

पूर्वांचल में ही कांग्रेस के बड़ा ब्राह्मण चेहरा रहे और गांधी परिवार के करीबी व पूर्व मुख्यमंत्री कमलापति त्रिपाठी के पौत्र ललितेशपति त्रिपाठी भी कांग्रेस का दामन छोड़कर ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी में जा चुके हैं। बड़े चेहरों के नाम पर अब कांग्रेस के पास सिर्फ वाराणसी से सांसद रहे राजेश मिश्रा, फैजाबाद से सांसद रहे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल खत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और वाराणसी से आने वाले पूर्व विधायक अजय राय ही बचे हैं।

बीकापुर के धन्नीपुर में विकास चाहते हैं लोग

भाषा। अयोध्या

राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के अदालती निपटारे के बाद अयोध्या के धन्नीपुर में बनने वाली मस्जिद लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर सकती है, लेकिन यह बीकापुर विधानसभा क्षेत्र में कोई चुनावी मुद्दा नहीं है। बीकापुर (अयोध्या) के लोग विकास के बारे में बात करते हैं। राम जन्मभूमि विवाद में उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार अयोध्या जिले में भगवान श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण स्थली से करीब 20 किलोमीटर दूर धन्नीपुर में मस्जिद के लिए पांच एकड़ जमीन आवंटित की गई है और यह जिले की बीकापुर विधानसभा क्षेत्र में स्थित है। बीकापुर में पांचवें चरण में रविवार को मतदान होगा। बीकापुर से कांग्रेस प्रत्याशी अखिलेश यादव ने कहा, मैंने चुनाव प्रचार के दौरान धन्नीपुर गांव का दौरा किया और गांव के लोग विकास चाहते हैं। वे चाहते हैं कि उनकी दिन-प्रतिदिन की समस्याओं का समाधान हो, और वे लोग बदलाव के लिए मतदान करेंगे।

उन्होंने कहा, धन्नीपुर गांव में मैं जितने भी लोगों से मिला हूं, वे हमारे प्रति सकारात्मक हैं और उन्होंने हमें अपना समर्थन दिया है। पीटीआई-भाषा से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि गांव के लोगों के बीच मस्जिद कोई मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि इस (मस्जिद स्थल) का चुनाव में शायद ही कोई असर होगा। उनके प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार अमित सिंह चौहान ने कहा, मैंने अपने प्रचार के दौरान गांव का दौरा किया है और जिन लोगों के साथ मैंने बातचीत की है, वे केवल विकास चाहते हैं। लोग गांव के विकास की मांग करते हैं और मस्जिद इस चुनाव में कोई मुद्दा नहीं है। हम विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहे हैं। मस्जिद की जमीन से बमुश्किल एक किमी दूर रहने वाले समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार फिरोज खान ने कहा, प्रस्तावित मस्जिद चुनाव का विषय नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव में विकास मुख्य मुद्दा है। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने पिछले साल सितंबर में उत्तर प्रदेश के चुनाव के लिए अपनी पार्टी के प्रचार अभियान की शुरूआत धन्नीपुर से करीब रसूलाबाद गांव से की थी लेकिन उन्होंने बीकापुर में कोई उम्मीदवार नहीं उतारा है।

क्षेत्र के रहने वाले एजाज ने बताया कि धन्नीपुर और उसके पड़ोसी गांव रौनाही में अलग-अलग धर्म के लोग एक-दूसरे के साथ शांति से रहते हैं और उन्होंने दावा किया कि लोग केवल विकास चाहते हैं और कुछ नहीं। उच्चतम न्यायालय ने 9 नवंबर 2019 को अयोध्या में विवादित स्थल पर ट्रस्ट द्वारा राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया था और केंद्र को निर्देश दिया था कि वह सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद के निर्माण के लिए पांच एकड़ का भूखंड आवंटित करे। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने पांच एकड़ के भूखंड पर मस्जिद के निर्माण के लिए एक ट्रस्ट का गठन किया है। इससे पहले मस्जिद के मुख्य वास्तुकार एसएम अख्तर ने कहा था कि मस्जिद परिसर के ब्लूप्रिंट में एक मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल, एक सामुदायिक रसोई और एक पुस्तकालय शामिल होगा।

अख्तर ने कहा कि मस्जिद में एक बार में 2,000 नमाजियों को नमाज पढ़ने की क्षमता होगी और संरचना गोल आकार की होगी। पड़ोसी मुस्लिम बहुल गांव रौनाही (जिसे पहले रत्नापुरी के नाम से जाना जाता था) में दो जैन मंदिर हैं, जहां साल भर भक्तों का आना-जाना लगा रहता है। वहां के स्थानीय निवासी अफरोज आलम ने कहा, मंदिर-मस्जिद यहां के लोगों के बीच चर्चा का विषय नहीं है। हम नागरिक सुविधाओं की बेहतरी के बारे में अधिक चिंतित हैं।

फाजिलनगर में फंस गए स्वामी प्रसाद मौर्य

● भाजपा से मिल रही कड़ी चुनौती

भाषा। कुशीनगर

लोकदल, बहुजन समाज पार्टी और फिर भारतीय जनता पार्टी से होकर समाजवादी पार्टी में आए उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य छठी बार विधानसभा में पहुंचने की जद्दोजहद कर रहे हैं लेकिन कुशीनगर जिले के फाजिलनगर क्षेत्र में उन्हें कड़ी चुनौती मिल रही है। जनवरी माह में उत्तर प्रदेश सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर पिछड़ों और दलितों की उपेक्षा का आरोप लगाकर श्रम एवं सेवायोजन मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य फाजिलनगर में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार हैं। भारतीय जनता पार्टी ने स्वामी प्रसाद मौर्य को घेरने के लिए कांग्रेस सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री और कुशीनगर के कद्दावर नेता आरपीएन सिंह को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई, और उसके एक हफ्ते के भीतर ही सपा ने मौर्य को उनकी परंपरागत पडरौना विधानसभा सीट से हटाते हुए फाजिलनगर विधानसभा सीट से उम्मीदवार घोषित कर दिया। जानकारों के अनुसार फाजिलनगर विधानसभा क्षेत्र में करीब 90 हजार मुस्लिम मतदाता, 55 हजार मौर्य-कुशवाहा, 50 हजार यादव, 30 हजार ब्राह्मण, 40 हजार कुर्मी-सैंथवार, 30 हजार वैश्य और लगभग 80 हजार दलित मतदाता हैं। भारतीय जनता पार्टी ने अपने कब्जे वाली फाजिलनगर सीट को बचाने और मौर्य की राह रोकने के लिए अब पूरी ताकत झोंक दी है। इलाके के जानकार दावा करते हैं कि स्वामी प्रसाद की राह रोकना आरपीएन की प्रतिष्ठा से जुड़ गया है, हालांकि वह जिले की सभी सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी पंचायत प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय प्रमुख (दस जिलों के प्रभारी) अजय तिवारी ने पीटीआई-भाषा से कहा स्वामी प्रसाद मौर्य अगर पिछली बार भाजपा से चुनाव नहीं लड़ते तो पडरौना में हार जाते, इस बार उनकी गलतफहमी मतदाता दूर कर देंगे और उन्हें पता चल जाएगा कि विश्वासघात का नतीजा क्या होता है। फाजिलनगर में मौर्य के खिलाफ भाजपा ने इस बार अपने मौजूदा विधायक गंगा सिंह कुशवाहा के शिक्षक पुत्र सुरेंद्र कुशवाहा को मौका दिया है। कांग्रेस से मनोज कुमार सिंह और बहुजन समाज पार्टी ने हाल ही में समाजवादी पार्टी छोड़कर आए इलियास अंसारी को उम्मीदवार बनाया है। विधानसभा क्षेत्र के नकटहां गांव निवासी बसपा नेता तूफानी प्रसाद ने पीटीआई-भाषा से कहा दलित मतदाताओं की बड़ी तादाद है और अगर मुसलमानों ने सहयोग कर दिया तो इलियास की जीत सुनिश्चित है। फाजिलनगर विधानसभा क्षेत्र के एसवीएम पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर प्रभाकर मिश्र ने कहा कि फाजिलनगर विधानसभा क्षेत्र में कुशवाहा-मौर्य (कोइरी) बिरादरी की अच्छी संख्या होने की वजह से स्वामी प्रसाद मौर्य यहां चुनाव लड़ने आए हैं लेकिन मुस्लिम मतदाताओं ने पूरा सहयोग किया तभी चुनाव जीत पाएंगे। इस क्षेत्र में आम मुस्लिम मतदाता मुखर नहीं है। किसे वोट देंगे यह पूछने पर युवा कारोबारी निज़ामुद्दीन ने कहा कि जो भेदभाव और नफ़रत की राजनीति नहीं करेगा वही मुसलमानों का वोट पाएगा। कुरेदने पर भी उन्होंने किसी उम्मीदवार का नाम नहीं लिया। फाजिलनगर में 2017 के चुनाव में भाजपा के गंगा सिंह कुशवाहा ने कांग्रेस गठबंधन से सपा के विश्वनाथ सिंह को क़रीब 41 हजार मतों के भारी अंतर से हराया था। गंगा सिंह को 1,02778 मत मिले जबकि विश्वनाथ को 60856, बसपा के जगदीश सिंह को 34250 और नोटा में 2811 मत मिले थे। बाक़ी क़रीब एक दर्जन उम्मीदवारों को नोटा से भी कम वोट मिले। दलितों और मुस्लिम मतदाताओं के साथ ही हालाँकि भाजपा समर्थक सुरेंद्र कुशवाहा की जीत का दावा करते हैं, लेकिन कोइरी समाज से दो उम्मीदवार होने से टसल भी तेज हुई है। फाजिलनगर के युवा साकेत कुशवाहा ने कहा कि भाजपा उम्मीदवार साफ सुथरी छवि के हैं और उन्हें पहली बार मौका मिला, स्वामी प्रसाद अगर बिरादरी के हितैषी होते तो इस क्षेत्र में आकर सुरेंद्र कुशवाहा की राह में रोड़ा नहीं बनते।

डॉक्टर प्रभाकर मिश्र कुशवाहा के तर्क को नकारते हैं। मतदाताओं की रुझान का हवाला देकर डॉक्टर मिश्र ने कहा कि भाजपा कहती है कि वंशवाद को बढ़ावा नहीं देंगे लेकिन यहां तो विधायक गंगा सिंह कुशवाहा के बेटे को ही टिकट दे दिया, इससे लोगों में ख़ासकर कुशवाहा समाज में खुन्नस है। वह यह भी दावा करते हैं कि मौर्य-कुशवाहा बिरादरी में बड़ा चेहरा होने का लाभ स्वामी प्रसाद को मिल सकता है, लेकिन एक पेट्रोल पंप का प्रबंधन संभाल रहे बीकॉम शिक्षित युवा राजकुमार चौधरी दावा करते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभाव में जातियों की गोलबंदी टूट गई है और इसका लाभ भाजपा को मिलेगा। फाजिलनगर में अपनी भारी बहुमत से जीत का दावा करते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी 300 से ज़ूयादा सीटें जीतेगी और भाजपा का सूपड़ा साफ हो जाएगा। प्रतापगढ़ जिले के मूल निवासी करीब 68 वर्षीय स्वामी प्रसाद मौर्य बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और मायावती के नेतृत्व की सरकारों में मंत्री रह चुके हैं। वह दो बार रायबरेली जिले और तीन बार पडरौना से विधानसभा का चुनाव जीते।

भाजपा की रगों में दौड़ता है राष्ट्रवाद

लखनऊ। बीते पांच साल में भाजपा की सरकार ने वह सब कुछ करके दिखाया है जिसकी अपेक्षा वोटर अपनी सरकार से करता है। यह पहली बार हो रहा है कि यूपी में विकास और राष्ट्रवाद के नाम पर चुनाव हो रहा है। ये बातें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने शनिवार को संतकबीर नगर, कुशीनगर, महाराजगंज और फ्रेंदा विधानसभाओं में जनसभा मे कही।

सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार से पैसे लेने के बावजूद अखिलेश यादव ने गरीबों के लिए मकान नहीं बनाए। यह डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में ही संभव हुआ। उन्होंने कहा कि क्या होती है डबल इंजन की सरकार की पावर मैं आपको ये समझाता हूं। 2017 से पहले प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत केंद्र सरकार ने तब की समाजवादी सरकार को हजारों करोड़ रुपए का अनुदान दिया था। उन मकानों में से 18 मकान भी समाजवादियों ने नहीं बनाए। जब योगी जी यूपी की सत्ता में आए तो प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना का डबल इंजन बना और 45 लाख लोगों को अपना आवास मिला। करीब ढाई करोड़ लोगों को 2022 के बाद मिलेगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 27 फरवरी को जब आप कमल के निशान पर बटन दबाएंगे तो भाजपा की सरकार आते ही प्रदेश भर के किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली दी जाएगी। टांडा में जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अब गन्ना किसानों को 14 दिन के अंदर भुगतान किया जाएगा और भुगतान में देरी होने पर ब्याज सहित भुगतान देना होगा। पूर्व मुख्यमंत्री पर हमला बोलते हुए श्री सिंह ने कहा कि जिन्नावादी चश्मा जिनकी आंखों पर चढ़ा होए उन्हें उत्तर प्रदेश का विकास दिखायी नहीं पड़ेगा। जो सरदार पटेल की मूर्तियों की जगह जिन्ना की मूर्ति लगवाना चाहते हैं उनको प्रदेश का विकास दिखायी नहीं पड़ेगा।दरअसल 2017 तक राज्य में समाजवादी अंधेरा कायम था। 2017 से सोए हुए बबुआ ने अभी अभी चुनाव से पहले आंखें खोली हैं और आंखें खोलते ही चौतरफा विकास की रोशनी देखकर समाजवादियों की आंखें चौंधिया गयी हैं। उनके पास न तो बोलने का कोई मुद्दा है और न सरकार पर लगाने के लिए कोई भ्रष्टाचार का कोई आरोप। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के इतिहास में पहली बार वो सरकार आपने देखी है जिसने पांच साल तक दिन रात मेहनत की है। हम लोग सिर्फ विकास के नाम पर ही वोट मांग रहे हैं। आपको अच्छी तरह याद होगा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में ना बिजली आती थीए ना घरों में फ्री गैस कनेक्शन था, ना लोगों का मुफ्त इलाज था और ना ही कानून का मजबूत शिकंजा था। इतना अंधेरा था कि हमारी बहन बेटियों को घर से बाहर निकलने पर डर लगता था। उन्हें भय और आतंक के माहौल से योग ने आजादी दिलायी है।

रिलायंस ने 200 फ्यूचर रिटेल स्टोर का नियंत्रण हासिल किया

● कर्मचारियों को नौकरी की पेशकश की

भाषा। नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने कम से कम 200 फ्यूचर रिटेल स्टोरों का संचालन प्रभावी रूप से अपने हाथों में ले लिया है और उनके कर्मचारियों को नौकरी की पेशकश की है। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।आरआईएल को खुदरा कारोबार बेचने के संबंध में किशोर बियानी के नेतृत्व वाले समूह के ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के साथ मुकदमों में उलझे होने के बावजूद ऐसा किया गया है। पूरे घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने कहा कि रिलायंस रिटेल ने उन परिसरों का कब्जा लेना शुरू कर दिया है, जिसमें फ्यूचर रिटेल बिग बाजार जैसे

अपने स्टोरों का संचालन कर रहा है और उन्हें अपने ब्रांड स्टोर से बदल रहा है।

उन्होंने कहा कि आरआईएल ने फ्यूचर रिटेल स्टोर्स के कर्मचारियों को नौकरी देना और उन्हें रिलायंस रिटेल के पेरोल पर लाना भी शुरू कर दिया है। इस बारे में टिप्पणी के लिए अमेजन से संपर्क करने पर कंपनी ने कुछ कहने से इनकार कर दिया। रिलायंस-फ्यूचर सौदे की अगस्त 2020 में घोषणा के बाद कई मकान मालिकों ने रिलायंस से संपर्क किया, क्योंकि फ्यूचर रिटेल किराया नहीं चुका पा रही थी। सूत्रों ने कहा कि इसके बाद रिलायंस ने इन मकान मालिकों के साथ लीज समझौतों पर हस्ताक्षर किए और जहां भी संभव हुआ, इन परिसरों को फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) को सब-लीज पर दे दिया गया, ताकि कारोबार जारी रह सके। उन्होंने कहा कि जिन स्टोरों को रिलायंस अपने कब्जे में ले रही है, वे घाटे में चल रहे हैं और बाकी स्टोर एफआरएल द्वारा संचालित होते रहेंगे। इस तरह एफआरएल का परिचालन घाटा कम हो जाएगा। हालांकि, अब तक रिलायंस रिटेल के पास आ चुके स्टोरों की सही संख्या का पता नहीं चल सका है। एक उद्योग सूत्र के अनुसार रिलायंस ऐसे परिसरों का मूल्यांकन करेगा, और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य पाए जाने पर उनका उपयोग करेगा। इस तरह रिलायंस करीब 30,000 कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करेगा। ऐसा नहीं करने पर वे अपनी नौकरी खो देते। सूत्र ने कहा कि यह कदम बैंकों, लेनदारों और कर्मचारियों सहित एफआरएल के सभी हितधारकों के हित में है, क्योंकि कंपनी का कारोबार जारी है और उसकी कीमत बनी हुई है। फ्यूचर रिटेल के 1,700 से अधिक खुदरा स्टोर हैं, जिनमें बिग बाजार शामिल हैं। कंपनी ने कुछ स्टोर के लिए किराया नहीं चुकाया है। सूत्रों ने बताया कि ज्यादातर स्टोरों में सामान की आपूर्ति रिलायंस जियोमार्ट कर रही है, क्योंकि नकदी की तंगी से एफआरएल मौजूदा आपूर्तिकर्ताओं को बकाया राशि नहीं दे पा रहा है। रिलायंस इन स्टोरों से बिग बाजार के साइन बोर्ड और ब्रांडिंग को अपने ब्रांड से बदल सकती है। अपने स्टोरों के अधिग्रहण की पुष्टि या खंडन किए बिना फ्यूचर रिटेल लिमिटेड ने शेयर बाजार को बताया, शेयरधारकों को पता है कि एफआरएल एक गंभीर वित्तीय संकट से गुजर रही है।

रूस-यूक्रेन संघर्ष से सूरजमुखी तेल का आयात प्रभावित

भाषा। नई दिल्ली

उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष के कारण सूरजमुखी तेल का आयात प्रभावित हो रहा है, और वह घरेलू आपूर्ति बनाए रखने और खुदरा कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए दूसरे देशों से खाद्य तेल आपूर्ति के विकल्प तलाश रहा है। कारोबारियों को उम्मीद है कि खाद्य तेल की कीमतें स्थिर बनी रहेंगी, क्योंकि अगले महीने से घरेलू बाजार में सरसों तेल की आपूर्ति में सुधार होगा। सरसों की फसल की कटाई शुरू हो चुकी है। वैश्विक कीमतों में तेज बढ़ोतरी के कारण भारत के खाद्य तेलों का कुल आयात 2020-21 के विपणन वर्ष (नवंबर से अक्टूबर) में पिछले वर्ष के मुकाबले 72,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 1.17 लाख करोड़ रुपए हो गया। हालांकि, मात्रा के लिहाज से आयात 130 लाख टन पर स्थिर रहा। एसईए के कार्यकारी निदेशक बी वी मेहता ने पीटीआई-भाषा को बताया, रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के कारण सूरजमुखी तेल की आपूर्ति बाधित हो गई है। भारत सालाना 25 लाख टन सूरजमुखी तेल का आयात करता है, जिसमें से 70 फीसदी यूक्रेन से, 20 फीसदी रूस से और 10 फीसदी अर्जेंटीना से आता है। उन्होंने कहा कि मासिक आधार पर लगभग दो लाख टन सूरजमुखी तेल का आयात किया जाता है। मेहता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पाम तेल और सोयाबीन तेल की कीमतों में तेजी का दबाव है। उन्होंने कहा, चूंकि खाद्य तेल आयात पर हमारी निर्भरता 65 प्रतिशत है, इसलिए हम अपनी घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने और स्थानीय खुदरा कीमतों को स्थिर रखने के लिए दूसरे देशों से खाद्य तेल हासिल करने की सभी संभावनाएं तलाश रहे हैं।

फ्लिपकार्ट होलसेल के साथ डिजिटल बी2बी ईकोसिस्टम में क्षेत्रीय ब्रांडों की सफलता का सफर जारी

बैंगलुरु। भारत में विकसित फ्लिपकार्ट ग्रुप के डिजिटल बी2बी मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट होलसेल कई क्षेत्रीय ब्रांडों को उपभोक्ता आधार बढ़ाने में निरंतर सहायता दे रहा है जिससे वे बाजार में ज्यादा से ज्यादा हिस्सेदारी हासिल कर सकें। अब तक यह प्लैटफॉर्म 12 लाख से अधिक किराना एवं एमएसएमई सदस्यों को अपनी मौजूदगी बढ़ाने में मदद दे चुका है।

फ्लिपकार्ट होलसेल डिजिटल कॉमर्स का उपयोग करते हुए टियर-2 और टियर-3 शहरों में 555 क्षेत्रीय ब्रांडों के साथ काम कर रहा हैफ्लिपकार्ट होलसेल के साथ अनेक क्षेत्रीय ब्रांडों जैसे वेर्काए कान्हाए गोल्डी आदि ने बीते 6 महीनों में अपनी बिक्री को 5 से 10 गुना बढ़ाया हैय क्योंकि उन्हें राष्ट्रीय मार्केटप्लेस पर जगह मिली और वे क्षेत्रीय एवं भौतिक सीमाओं से परे अपना विस्तार कर पाए फ्लिपकार्ट होलसेल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हैड आदर्श मेनन ने कहाए ष्फ्लिपकार्ट होलसेल में हमारा ध्यान इस बात पर है कि हम अपने किराना और एमएसएमई सदस्यों को खरीद व बिक्री का निर्बाध अनुभव मुहैया कराएं और इसके लिए हम स्वदेश निर्मित अपनी टेक्नोलॉजी एवं सप्लाई चेन की गहन विशेषज्ञता का उपयोग करते हैं। अब तक हमने विभिन्न श्रेणियों में कई छोटे कारोबारों से हाथ मिलाया है और उन्हें बड़े ब्रांडों जैसी ही अहमियत दी है तथा उन्हें ज्यादा पहुंच उपलब्ध कराने के लिए क्षेत्रीय व्यवधानों को तोड़ने में मदद की है। जैसे.जैसे हम अन्य बाजारों में विस्तार करते चलेंगे हम किराना एवं एमएसएमई को डिजिटल बदलाव में सक्षम बनाते रहेंगे ताकि वे तेज़ी से बढ़ सकेंए अपने ग्राहकों को बनाए रखें और अपना मुनाफा बढ़ाते रहें।

विश्व बैंक ने अपने भारत प्रमुख को एमआईजीए का उपाध्यक्ष नियुक्त किया

भाषा। वाशिंगटन

भारत में विश्व बैंक के प्रमुख जुनैद कमाल अहमद को वैश्विक ऋणदाता संस्था की एक प्रमुख एजेंसी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अहमद उपाध्यक्ष (संचालन) के रूप में बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी (एमआईजीए) की कमान संभालेंगे। वह विश्व बैंक के इतिहास में इतना ऊंचा पद हासिल करने वाले दूसरे बांग्लादेशी नागरिक हैं। उनसे पहले, फैज चौधरी विश्व बैंक प्रशासन में उपाध्यक्ष के पद पर काबिज होने वाले पहले बांग्लादेशी नागरिक बने थे। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि 61 वर्षीय अहमद 16 अप्रैल को नया पदभार ग्रहण करेंगे।

बयान के मुताबिक, अहमद अपनी नई भूमिका में पूरे विश्व बैंक समूह में एमआईजीए और वित्तीय संस्थानों, निजी निवेशकों तथा विकास संस्थाओं के बीच साझेदारी को आगे बढ़ाने व उसे विस्तार देने का काम करेंगे। इसमें बताया गया है कि एमआईजीए के उपाध्यक्ष के रूप में अहमद बेहद अर्थपूर्ण एवं प्रभावी परियोजनाओं की शुरुआत और संचालन करेंगे तथा वह एमआईजीए की विकास परियोजनाओं के लिए निजी क्षेत्र से वित्त जुटाने की संस्था की प्रतिबद्धता को पूरा करने में संचालन टीम का मार्गदर्शन भी करेंगे। अहमद ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा, भारत के साथ हमारी (विश्व बैंक की) साझेदारी हमें सीखने और इस सीख को दुनियाभर में साझा करने का मौका दे रही है। सबसे अहम बात यह है कि जब भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ती है तो वैश्विक विकास और गरीबी दर पर बहुत उल्लेखनीय प्रभाव पड़ता है। अहमद सितंबर 2016 से भारत में विश्व बैंक के निदेशक हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, इस तरह के कार्यक्रम के संचालक के रूप में भारत का कंट्री हेड एक ऐसा शख्स है, जो विश्व बैंक के भीतर नेतृत्व वाली अन्य भूमिकाओं के बारे में सोचना शुरू कर सकता है। भारत में काम करने का मेरा अनुभव मुझे यह दृष्टिकोण और आत्मविश्वास प्रदान करने में बेहद अहम रहा है। अहमद के मुताबिक, लंबी अवधि के पूंजी बाजार तैयार करना विकास के वित्तपोषण की दिशा में एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा, अगर आप विकास के सामने मौजूद चुनौतियों पर नजर दौड़ाएं, फिर चाहे वो महामारी से निपटना हो, जलवायु परिवर्तन से निपटना हो या बुनियादी ढांचे का मामला हो तो आप पाएंगे इन सबके लिए दीर्घकालिक पूंजी की जरूरत है। अहमद ने कहा, जरूरी पूंजी उससे कहीं ज्यादा है, जितना सार्वजनिक वित्त दे सकता है। ऐसे में सारा ध्यान अब इस बात केंद्रित हो गया है कि आप विकास के मामले में दीर्घकालिक पूंजी लाने के लिए सार्वजनिक वित्त का लाभ कैसे उठाते हैं।

श्रीलंका में आईओसी ने पेट्रोल, डीजल के दाम बढ़ाए

भाषा। कोलंबो

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की श्रीलंका स्थित अनुषंगी ने विश्व स्तर पर ईंधन की कीमतों में इजाफे का हवाला देते हुए शनिवार को यहां पेट्रोल की कीमत 20 रुपए और डीजल की 15 रुपए तक बढ़ा दी। लंका इंडियन ऑयल कंपनी (एलआईओसी) ने इस महीने ईंधन के दाम दूसरी बार बढ़ाए हैं। अब यहां पेट्रोल के दाम 204 रुपए प्रति लीटर और डीजल के 139 रुपए प्रति लीटर है। श्रीलंका के वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे नई दिल्ली के साथ और आर्थिक राहत बंदोबस्त पर बात करने भारत के दौरे पर आने वाले थे लेकिन यह दौरा अभी और टल गया है और इस बीच एलआईओसी ने दामों में बढ़ोतरी कर दी। बासिल राजपक्षे और प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे इस सप्ताह के अंत में दिल्ली के लिए रवाना होने वाले थे।

भारत की नजर वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर

नई दिल्ली। ऊर्जा का आयात और खपत करने वाले विश्व के तीसरे सबसे बड़े देश भारत ने शनिवार को कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के कारण किसी तरह के आपूर्ति व्यवधान की आशंका के मद्देनजर वह वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर करीब से नजर रख रहा है। भारत ने यह भी कहा कि कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए वह रणनीतिक भंडारों से तेल जारी करने को समर्थन देगा। रूस के यूक्रेन पर हमला करने के परिणामस्वरूप 24 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतें सात वर्ष के सर्वकालिक उच्च स्तर 105.58 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई थी। बाद में पश्चिम देशों द्वारा रूस पर प्रतिबंध लगाने के बाद इन दरों में कमी आई और ए 100 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं। तेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत सरकार वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर करीब से नजर रख रही है जिससे बदलती भूराजनीतिक परिस्थिति के परिणाम स्वरूप ऊर्जा की आपूर्ति संबंधी व्यवधानों के बारे में पता चल सके।

वृद्धि को मजबूत करने में बौद्धिक संपदा अधिकार की भूमिका महत्वपूर्ण: सीतारमण

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि भारत ऐसे पड़ाव पर है जहां वृद्धि और विकास को हर ओर से मजबूत करने की जरूरत है और बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) की इसमें अहम भूमिका है। वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष 28,000 पेटेंट मिले हैं, 2013-14 में इनकी संख्या 4,000 थी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 2.5 लाख ट्रेडमार्क का पंजीयन हुआ और 16,000 से अधिक कॉपीराइट हुए जिनका अर्थव्यवस्था पर बहुत मजबूत प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, ए मामूली संख्या नहीं है। यह अर्थव्यवस्था की मजबूती है, ऐसे नवोन्मेष और कॉपीराइट का समर्थन करना जिनके बढ़ने का अर्थव्यवस्था पर खासा मजबूत प्रभाव पड़ेगा और इससे इसका अपना परिवेश और राजस्व पैदा होने लगेगा। सीतारमण यहां भारत में आईपीआर विवादों के निर्णय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोल रही थीं, जिसका आयोजन दिल्ली उच्च न्यायालय ने किया था। इसमें भारत के प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण और अन्य न्यायाधीश भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने स्टार्ट अप के बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करते हुए उन्हें बढ़ावा दिया है। उन्होंने अर्थव्यवस्था में नवोन्मेष के महत्व को भी रेखांकित किया। वित्त मंत्री ने कहा, भारत ऐसे पड़ाव पर है जहां वृद्धि और विकास पर जोर को हर ओर से मजबूती मिलनी चाहिए। आईपीआर की इसमें अहम भूमिका है। न्यायपालिका के समर्थन से नवोन्मेष की प्रेरणा मिली तथा और कॉपीराइट मिले हैं और अब आईपीआर मुद्दों से निपटने के लिए एक व्यवस्थित तरीका है। वित्त मंत्री ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय में बौद्धिक संपदा के मामलों से निपटने के लिए एक पीठ का गठन किया गया है।

किसानों तक पहुंचेगा फसल बीमा योजना का दस्तोवज, कृषि मंत्री ने शुरू किया अभियान

भाषा। इंदौर

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शनिवार को किसानों को फसलों का बीमा कराने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि अलग-अलग मदों में किसानों को सरकार की ओर से होने वाले भुगतान की व्यवस्था को दलालों और बिचौलियों के चंगुल से मुक्त कर दिया गया है। तोमर ने इंदौर से करीब 35 किलोमीटर दूर बूढ़ी बरलाई गांव में बड़ी संख्या में किसानों की मौजूदगी में मेरी पॉलिसी, मेरे हाथै अभियान की शुरुआत की। उन्होंने इसके बाद संवाददाताओं से कहा, हम इस अभियान के जरिए देश भर में उन किसानों तक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का दस्तावेज (पॉलिसी डाक्युमेंट) पहुंचाएंगे, जिन्होंने यह बीमा करा रखा है। हम चाहते हैं कि जो किसान फसल बीमा नहीं करा रहे हैं, वे भी बीमा कराने के लिए जागरूक और

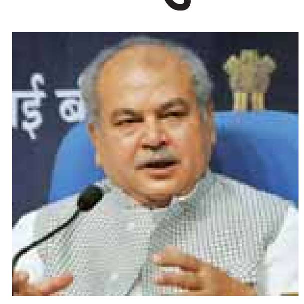

प्रेरित हों। कृषि मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार की पारदर्शिता के कारण प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का भुगतान सीधे किसानों के खातों में पहुंच रहा है और इस व्यवस्था में दलालों तथा बिचौलियों की कोई जगह नहीं है। तोमर ने बताया कि पिछले छह सालों में कुल 36 करोड़ किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़े हैं और प्राकृतिक आपदाओं से फसलों को नुकसान के एवज में संबंधित किसानों को एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का मुआवजा प्रदान किया गया है। कृषि कानूनों के मुद्दे का पंजाब विधानसभा चुनावों के आगामी परिणाम पर संभावित असर के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने संक्षिप्त प्रतिक्रिया में कहा, (चुनाव परिणामों पर) कृषि कानूनों का कोई नकारात्मक या सकारात्मक प्रभाव नहीं होगा। गौरतलब है कि दिल्ली की सरहदों पर साल भर चले किसान आंदोलन के बाद केंद्र सरकार को तीनों कृषि कानूनों को वापस लेना पड़ा था। तोमर ने मध्यप्रदेश में कांग्रेस की पिछली सरकारों पर किसानों के हितों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि इन सरकारों के राज में सिंचाई के साधनों और बिजली की भारी किल्लत थी। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार डिजिटल कृषि मिशन के तहत राज्य सरकारों के साथ मिलकर एक तंत्र बना रही है और इसके जरिए किसानों, उनके खेतों और सरकारी योजनाओं से उनके जुड़ाव आदि का ब्योरा एक ही मंच पर जुटाया जाएगा।

क्विक न्यूज

एनएचआईडीसीएल ने जम्मू-कश्मीर में चल रही परियोजनाओं का जायजा लिया

जम्मू। राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के नवनियुक्त प्रबंध निदेशक चंचल कुमार ने जम्मू-कश्मीर में जारी परियोजनाओं की समीक्षा की और ठेकेदारों से परियोजनाओं को समयसीमा के भीतर पूरा करने को कहा। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि तीन दिवसीय दौरे पर आए कुमार ने परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने उप राज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की और उन्हें विभिन्न परियोजनाओं की स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सिन्हा को एनएचआईडीसीएल की आगामी परियोजनाओं के बारे में भी बताया।जम्मू क्षेत्र में 12 परियोजनाएं चल रही हैं, जिनकी लागत करीब 5,200 करोड़ रुपए है। कश्मीर क्षेत्र में पांच परियोजनाएं चल रही हैं, जिनकी लागत 10,300 करोड़ रुपए है।

ब्रिटेन ने स्विफ्ट बैंकिंग नेटवर्क से रूस को बाहर करने को चलाया अभियान

लंदन। रूस को दुनिया भर में स्विफ्ट बैंकिंग नेटवर्क से बाहर करने के लिए ब्रिटेन सरकार ने यूरोप में अभियान चलाया है। ब्रिटेन का कहना है कि यूक्रेन पर आक्रमण करने के लिए रूस के खिलाफ कड़े वित्तीय प्रतिबंधों के तहत ऐसा किया जाना चाहिए। सोसाइटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन (स्विफ्ट) दुनिया की प्रमुख बैंकिंग संदेश सेवा है, जो भारत सहित 200 से अधिक देशों में लगभग 11,000 बैंकों और वित्तीय संस्थानों को जोड़ती है। बेल्जियम स्थित इस प्रणाली को वैश्विक वित्त व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है और अगर रूस इससे बाहर होता है, तो यह उसके लिए एक बड़ा झटका साबित होगा। ब्रिटेन के इस प्रस्ताव पर कनाडा और कुछ अमेरिकी सांसद उसके साथ हैं, लेकिन यूरोपीय संघ (ईयू) के भीतर इस पर असहमति है, क्योंकि इससे तेल और गैस के लिए भुगतान प्रभावित होगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को नाटो नेताओं के साथ प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की बैठक का हवाला देते हुए कहा, प्रधानमंत्री ने नेताओं से राष्ट्रपति पुतिन और उनके शासन को सबक सिखाने के लिए स्विफ्ट के खिलाफ तत्काल कार्वाई करने का आग्रह किया। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस ने बीबीसी को बताया, ब्रिटेन चाहता है कि रूस के लिए स्विफ्ट सिस्टम को बंद कर दिया जाए, लेकिन दुर्भाग्य से स्विफ्ट प्रणाली हमारे नियंत्रण में नही है। इस पर एकतरफा फैसला नही किया जा सकता।

नया मोटोरोला एज 30 प्रो लॉन्च

नई दिल्ली। मोटोरोला ने आज अपने फ्लैगशिप डिवाइसए मोटोरोला एज 30 प्रो को लॉन्च करने की घोषणा की जो कि अब तक का सबसे अविश्वसनीय मोटोरोला एज है, इसमें मौजूद है सबसे तेजए सबसे शक्तिशाली मोबाइल प्लेटफॉर्म क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8 जेन 1। फोन में एक एडवांस्ड कैमरा सिस्टम भी है जिसमें अब तक का सबसे उच्चतम.रिज़ॉल्यूशन सेल्फी कैमरा . 60 एमपीए 50एमपीएओआईएस ऑल.पिक्सेल इंस्टेंट फ़ोकस तकनीक और 50एमपी का अल्ट्रा.वाइड एवं मैक्रो कैमरा मौजूद है। मोटोरोला एज 30 प्रो की बिक्री 4 मार्च से रु 49,999 की कीमत पर शुरु होगी, लेकिन एसबीआई क्रडिट कार्ड का उपयोग करने वाले ग्राहक इसे केवल 44ए999 रुपये की प्रभावी कीमत पर खरीद सकते हैं, जिसमें फ्लैट 5000 रुपये का इंस्टेंट डिस्काउंट जयो से 10ए000 रुपये तक का लाभ भी उठा सकते हैं। अपनी पिछली पीढ़ी की तुलना मेंए यह नया प्लेटफॉर्म क्वालकॉम एड्रेनो जीपीयू के साथ 30 प्रतिशत अधिक शक्ति और 25 प्रतिशत अधिक एफिशिएंसी प्रदान करता है। जिसे कि गेमप्ले की नई पीढ़ी को लेकर फिर से तैयार किया गया था। इसके साथ ही फोटोग्राफी से लेकर गेमिंग और कनेक्टिविटी तक हर चीज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब उपभोक्ता अपने पसंदीदा ऐप में 4 गुना तेज परफॉर्मेंस के साथ पावर का अनुभव कर सकते हैं।

मंत्रिमंडल ने साझा ई-नीलामी खिड़की के जरिए कोयले की पेशकश को मंजूरी दी

नई दिल्ली। सरकार ने शनिवार को सार्वजनिक क्षेत्र की सीआईएल सहित कोयला कंपनियों द्वारा क्षेत्र विशेष के लिए नीलामी की जगह एक साझा ई-नीलामी खिड़की के जरिए शुष्क ईंधन की पेशकश को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक के दौरान यह मंजूरी दी गई। कोयला मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि सीसीईए ने कोयला कंपनियों द्वारा सीआईएला सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) की एकल ई-नीलामी खिड़की के जरिए सभी गैर-लिंकेज कोयले की पेशकश को मंजूरी दे दी है। इस कदम से बाजार की विकृतियां दूर होंगी और सभी उपभोक्ताओं के लिए एक दर वाला ई-नीलामी बाजार तैयार होगा। इससे परिचालन क्षमता बढ़ेगी और घरेलू कोयले की मांग में वृद्धि होगी। बयान में कहा गया कि इसके अलावा विभिन्न अंतिम उपयोग क्षेत्रों को कोयला आवंटित करने के लिए कोयला कंपनियों के अपने विवेक से निर्णय लेने की व्यवस्था को खत्म कर दिया जाएगा। इसके अलावा कोयला कंपनियां अपनी खदानों से निकलने वाले कोयले का लाभ उठाकर कोयला गैसीकरण संयंत्र स्थापित कर सकती है।

20 करोड़ रुपए से अधिक के कारोबार पर एक अप्रैल से ई-चालान अनिवार्य

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने कहा कि 20 करोड़ रुपए से अधिक टर्नओवर वाले व्यवसायों को एक अप्रैल से बी2बी (व्यवसाय से व्यवसाय) लेनदेन के लिए इलेक्ट्रॉनिक चालान काटना होगा। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) कानून के तहत बी2बी लेनदेन पर 500 करोड़ रुपए से अधिक टर्नओवर वाली कंपनियों के लिए एक अक्टूबर 2020 से ई-चालान अनिवार्य कर दिया गया था। बाद में इसे एक जनवरी 2021 से 100 करोड़ रुपए से अधिक टर्नओवर वाली कंपनियों के लिए अनिवार्य बना दिया गया। पिछले साल एक अप्रैल से 50 करोड़ रुपए से अधिक टर्नओवर वाली कंपनियां बी2बी लेनदेन के लिए ई-चालान काट रही थी। अब इसके दायरे में 20 करोड़ रुपए से अधिक टर्नओवर वाली कंपनियों को लाया जा रहा है। ईवाई इंडिया के टैक्स पार्टनर बिपिन सपरा ने कहा कि इस कदम से कर अनुपालन सरल होगा और इनपुट टैक्स क्रेडिट संबंधी धोखाधड़ी में भी कमी होगी।

देश के पुनर्निमाण में करदाताओं का योगदान ऐतिहासिक: गडकरी

नई दिल्ली। देश के पुनर्निर्माण में करदाताओं के योगदान को उल्लेखनीय और ऐतिहासिक बताते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि ईमानदार करदाताओं की रक्षा करना सरकार का कर्तव्य है। गडकरी ने दूसरे टीआईओएल राष्ट्रीय कराधान पुरस्कार 2021 समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार कर क्षेत्र में निरंतर सुधार कर रही है। उन्होंने कहा, आज देश के राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में करदाताओं का योगदान बहुत ही उल्लेखनीय और ऐतिहासिक है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि करदाता दरअसल सबसे महत्वपूर्ण हितधारक होते हैं जो राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं।

पेज एक का शेष

भारत ने...

मेज पर लौटने का आग्रह करता है। सूत्रों ने कहा कि देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने और हिंसा को समाप्त करने के लिए भारत का आह्वान रूसी कार्रवाई की आलोचना और इसके समग्र दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म परिवर्तन को दर्शाता है। तिरुमूर्ति ने यह भी कहा कि मतभेदों और विवादों को सुलझाने के लिए बातचीत ही एकमात्र रास्ता है और मानव जीवन की कीमत पर कोई समाधान कभी नहीं आ सकता है। भारत ने यह भी बताया कि भारतीय समुदाय का कल्याण और सुरक्षा, विशेष रूप से यूक्रेन में फंसे हुए छात्रों और उन्हें वहां से निकालने की तत्काल प्राथमिकता रही है। सूत्रों ने कहा कि भारत ने सभी सदस्य देशों से अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का सम्मान करने का आह्वान किया, क्योंकि ये आगे एक रचनात्मक रास्ता प्रदान करते हैं। यूक्रेन संकट पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के पिछले तीन वक्तव्यों में सभी संबंधित देशों के सुरक्षा हितों को ध्यान में रखने की आवश्यकता पर एक संदर्भ था। हालांकि, पता चला है कि शुक्रवार के सत्र के दौरान ऐसा कोई संदर्भ नहीं था।

राजधानी कीव...

व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन की सरकार को उखाड़ फेंकने और इसे अपने शासन के अधीन करने को दृढ़ हैं। रूस का दावा है कि यूक्रेन पर उसके हमले का उद्देश्य केवल सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना है, लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप के सबसे बड़े जमीनी युद्ध के दौरान नागरिक मारे गए और घायल हुए हैं। कीव के मेयर विटाली क्लिचस्को ने कहा कि कीव के दो असैनिक हवाई अड्डों में से एक के पास एक ऊंची इमारत पर मिसाइल से हमला किया गया जिससे इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। एक बचाव कार्यकर्ता ने कहा कि इसमें छह नागरिक घायल हो गए। मेयर क्लिचस्को ने शहर में रूसी सैनिकों के हमले के चलते कर्फ्यू की अवधि को बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि शाम पांच बजे से सुबह आठ बजे तक कीव में सख्त कर्फ्यू लागू रहेगा। उन्होंने कहा, कर्फ्यू के दौरान सड़क पर मौजूद सभी नागरिकों को दुश्मन के तोड़फोड़ और टोही समूहों का सदस्य माना जाएगा। संघर्ष के कारण यूक्रेन के हजारों लोग अपने घरों को छोड़कर चले गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन के 1,20,000 से अधिक लोग पोलैंड, मोल्दोवा और अन्य पड़ोसी देश चले गए हैं। यूक्रेन के बुनियादी ढांचा मंत्रालय ने कहा कि एक रूसी मिसाइल को शनिवार तड़के उस समय नष्ट कर दिया गया जब वह कीव को पानी उपलब्ध कराने वाले विशाल जलाशय के बांध की ओर बढ़ रही थी।

यूक्रेन के...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को हमले से रोकने किसी और सैन्य साहसिक कार्य को रोकने के लिए कहने का आग्रह किया था।

भारत ने...

छात्रों को, जो इन सीमा चौकियों के करीब रहते हैं, को सलाह दी जाती है कि वे विदेश मंत्रालय की टीमों के समन्वय से संगठित तरीके से प्रस्थान करें। दूतावास ने कहा था कि एक बार जब उपरोक्त मार्ग चालू हो जाते हैं तो खुद यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों को सीमा चौकियों पर आगे बढ़ने की सलाह दी जाएगी। दूतावास ने भारतीय यात्रियों को अपने पासपोर्ट, नकद (अमेरिकी डॉलर हों तो बेहतर), अन्य जरूरी वस्तुएं और कोविड-19 टीकाकरण प्रमाणपत्र सीमा चौकियों पर साथ ले जाने की सलाह दी है। उसने कहा, भारतीय ध्वज का प्रिंटआउट लें और यात्रा के दौरान वाहनों और बसों पर प्रमुखता से चिपकाएं। कीव और रोमानियाई सीमा चौकी के बीच की दूरी लगभग 600 किलोमीटर है और इसे सड़क मार्ग से तय करने में साढ़े आठ घंटे से लेकर 11 घंटे तक का समय लग जाता है। वहीं, बुखारेस्ट रोमानियाई सीमा चौकी से लगभग 500 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और सड़क मार्ग से यह फासला तय करने में सात से नौ घंटे तक का समय लग जाता है। इसी तरह, कीव और हंगरी की सीमा चौकी के बीच की दूरी लगभग 820 किलोमीटर है और यह सड़क मार्ग से 12 से 13 घंटे में तय होती है।

उप्र में...

मजिस्ट्रेट, 250 जोनल मजिस्ट्रेट, 207 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 2627 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा राज्य स्तर पर एक वरिष्ठ सामान्य प्रेक्षक, एक वरिष्ठ पुलिस प्रेक्षक तथा दो वरिष्ठ व्यय प्रेक्षक भी तैनात किए गए हैं, जो कि क्षेत्र में रहकर सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया का पर्यवेक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न कराने के लिए 6348 भारी वाहन, 6630 हल्के वाहन तथा 114089 मतदान कार्मिक लगाए गए हैं। पांचवें चरण में कुल 560 आदर्श मतदान केन्द्र तथा 171 समस्त महिला कर्मी मतदेय स्थल बनाए गए हैं। पांचवें चरण में अयोध्या से लेकर प्रयागराज और चित्रकूट जैसे धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मतदान होना है। अमेठी की पूर्व रियासत के मुखिया संजय सिंह अमेठी में इस बार भाजपा से उम्मीदवार हैं जबकि राज्य के मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह प्रतापगढ़ जिले की पट्टी, खादी ग्रामोद्योग मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह प्रयागराज जिले की पश्चिम विधानसभा सीट, नागरिक उड्डयन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी इसी जिले की दक्षिण सीट, समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री गोंडा जिले की मनकापुर (सुरक्षित) और राज्यमंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय चित्रकूट विधानसभा सीट से किस्मत आजमा रहे हैं। वर्ष 1993 से ही प्रतापगढ़ जिले के कुंडा से चुनाव जीत रहे रघुराज प्रताप सिंह इस बार अपनी जनसत्ता पार्टी के टिकट पर अपनी परंपरागत सीट से चुनाव मैदान में हैं। प्रतापगढ़ जिले में ही अपना दल (कमेरावादी) की अध्यक्ष कृष्णा पटेल समाजवादी गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में भाजपा को टक्कर दे रही हैं। कृष्णा पटेल नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री अनुप्रिया पटेल की मां हैं। विधानसभा में कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा मोना भी प्रतापगढ़ जिले की अपनी परंपरागत रामपुर खास सीट से किस्मत आजमा रही हैं।

ब्रिटेन में...

बढ़ने के साथ यूक्रेन में गहराते संकट के बीच यह फैसला लिया गया है। वायुसेना के इस फैसले से कुछ घंटों पहले भारत ने यूक्रेन के खिलाफ रूसी सेना के आक्रमण पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव पर मतदान में भी हिस्सा नहीं लिया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यूक्रेन संकट पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस की निंदा वाले प्रस्ताव पर भारत ने मतदान नहीं करके बीच का कोई रास्ता निकालने तथा बातचीत और कूटनीति को बढ़ावा देने के लिए सभी संबंधित पक्षों तक पहुंचने का विकल्प खुला रखा है। वायुसेना ने बुधवार को घोषणा की थी कि वह पांच तेजस हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) के बेड़े के साथ कोबरा वॉरियर में भाग लेगी। वायुसेना ने कहा था कि कोबरा वारियर 22 अभ्यास का लक्ष्य अभियानगत अवसर मुहैया करना और भाग ले रही वायुसेनाओं के बीच सर्वश्रेष्ठ गतिविधियां साझा करना है। उसने कहा कि यह अभ्यास स्वदेश निर्मित तेजस विमान के लिए अपनी परिचालन क्षमता के प्रदर्शन का मंच होगा।

कांग्रेस के...

बेहतर मौका है, लेकिन पार्टी लोगों को स्पष्ट दृष्टिकोण देने में विफल है कि सत्ता में आने के बाद आखिर वह क्या-क्या करेगी। उन्होंने कहा कि इस साल दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति तैयार करें। कार्यक्रम स्थल पर आने से पहले उन्होंने भगवान कृष्ण को समर्पित द्वारकाधीश मंदिर में पूजा-अर्चना की। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को समझना चाहिए कि वे पहले ही गुजरात विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं। आप इसे स्वीकार नहीं कर रहे हैं। गुजरात के लोग आपको बड़ी उम्मीदों से देख रहे हैं। कांग्रेस के पुनरुद्धार और यहां आगामी चुनाव जीतने के लिए एक साहसिक दृष्टिकोण साझा करते हुए राहुल गांधी ने उन नेताओं से छुटकारा पाने का सुझाव दिया जो वातानुकूलित कमरों में बैठे रहते हैं और दूसरों को परेशान करते हैं।

अरोमा मिशन...

का अनुमान है। आवश्यक तेलों की गुणवत्ता और मात्रा के आधार पर, पहाड़ियों के किसान कमा सकते हैं। डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि सालाना शुद्ध लाभ 0.8 से 1.5 लाख प्रति हेक्टेयर है। इस तरह की खेती से किसानों की आय में प्रति वर्ष 30,000 से 60,000 रुपये प्रति हेक्टेयर होने की उम्मीद है। प्रति वर्ष लगभग 45,000 कुशल मानव संसाधन विकसित किए जाएंगे। सीएसआईआर के एक अधिकारी ने कहा कि इससे 25,000 से अधिक किसान परिवार सीधे लाभान्वित होंगे और ग्रामीण क्षेत्रों में 10-15 लाख से अधिक श्रम दिवसों का रोजगार सृजित होगा।

रोमानियाई-यूक्रेनी सीमा पर यूक्रेन से सीमा पार करने के बाद एक महिलाए 4 वर्षीय सोफिया को अपनी बाहों में ढकते हुए, यूक्रेन के साथ सीमा पर, देश से शरणार्थियों की आमद देखी जा रही है , संयुक्त राष्ट्र के राजदूत रूस वसीली नेबेंज्या ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एकमात्र असंतुष्ट वोट डाला

यूक्रेन के 1.2 लाख लोगों ने मांगी शरण

भाषा। वारसा

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यूरोप की सबसे बड़ी जमीनी जंग में शनिवार को रूस की हमलावर सेना के राजधानी कीव की तरफ आगे बढ़ने से हजारों की संख्या में यूक्रेन के लोग भागकर सीमा पर पहुंचे थे। रात के अंधेरे में कुछ लोग पैदल चलकर कई मील की दूरी तय की, तो कुछ लोग ट्रेन, कार या बस से पहुंचकर सीमा पर लगी मीलों लंबी कतार का हिस्सा बने। इस दौरान सीमा पर सरकार द्वारा संचालित स्वागत केंद्रों पर प्रतीक्षारत रिश्तेदार और दोस्त किसी अपने के आने पर उनका स्वागत करते दिखे। यूक्रेन पर बिना उकसावे के किए गए रूसी हमले के खिलाफ दुनियाभर में आक्रोश है। फिलहाल यूक्रेन से

● रूसी आक्रमण तेज होने की आशंका से सहमे लोग

पलायन करने वाले लोगों को भरपूर समर्थन मिल रहा है। पोलैंड जैसे कई देश यूक्रेन के शरणार्थियों का बिना शर्त स्वागत कर रहे हैं, लेकिन पिछले कई सालों से ए देश संघर्ष और गरीबी के कारण मध्य पूर्व और अफ्रीका से आए शरणार्थियों को स्वीकार करने से मना करते आए हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने शनिवार को कहा कि करीब 1.2 लाख यूक्रेन के नागरिक अब तक पोलैंड और अन्य पड़ोसी देशों में पलायन कर चुके हैं। पश्चिमी यूक्रेन के चेर्निंत्सि के एक परिवार ने सीमा पार करके उत्तरी रोमानिया के साइरेट में पहुंचने से पहले 20 घंटों तक इंतजार किया। 14 साल की नतालिया मुरिनिक ने रोते हुए दादा-दादी को अलविदा कहने का वर्णन किया, क्योंकि वे देश नहीं छोड़ सकते थे। उसने कहा, मैं वाकई आहत हूं, मैं घर जाना चाहती हूं। सबसे अधिक संख्या में यूक्रेन के लोग पोलैंड पहुंच रहे थे। पोलोंड में बीते कुछ सालों के दौरान काम करने के लिए आए 20 लाख यूक्रेन निवासी पहले ही वहां बस चुके हैं, जो वर्ष 2014 में यूक्रेन के क्रीमिया पर कब्जा करने के लिए रूस के पहले प्रयास के दौरान देश से बाहर चले गए थे। पोलैंड की सरकार ने शनिवार को कहा कि पिछले 48 घंटों में 1,00,000 से अधिक यूक्रेन के निवासी पोलिश-यूक्रेन सीमा पार कर चुके हैं। मेड्यका सीमा पार पर पोलैंड में प्रवेश करने के लिए प्रतीक्षा कर रहे वाहनों की लाइन यूक्रेन में 15 किलोमीटर तक लंबी थी। पोलैंड ने अपनी सीमा को यूक्रेन से पलायन करने वालों के लिए खुला घोषित कर दिया है। पोलैंड बिना आधिकारिक दस्तावेज और कोविड-19 की निगेटिव जांच रिपोर्ट देखे बिना यूक्रेन के लोगों को अपने देश में आने दे रहा है। पोलिश बॉर्डर एजेंसी ने कहा, हम सभी की मदद करेंगे, हम किसी को भी बिना मदद के नहीं छोड़ेंगे। पोलैंड ने पश्चिमी यूक्रेन के मोस्तिस्का में युद्ध में घायल हुए लोगों को लेने और उन्हें इलाज के लिए पोलिश राजधानी वारसा लाने के लिए एक अस्पताल ट्रेन भेजी थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने गुरुवार को 18 से 60 साल के पुरुषों के देश छोड़ने पर प्रतिबंध लगाने के बाद पोलैंड पहुंचने वालों में ज्यादातर महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग थे।

हंगरी यूक्रेन से आए सभी लोगों को शरण देगा

बेरेगसुरनी (हंगरी)। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने कहा है कि हंगरी यूक्रेन से आने वाले सभी नागरिकों और अन्य लोगों का स्वागत कर रहा है। सीमावर्ती शहर बेरेगसुरनी में संवाददाता सम्मेलन में ओरबान ने कहा, मैंने ऐसे लोगों को भी देखा है जिनके पास कोई यात्रा दस्तावेज नहीं है, लेकिन हम उन्हें यात्रा दस्तावेज भी उपलब्ध करा रहे हैं। हम उन लोगों को भी अनुमति दे रहे हैं जो उचित जांच प्रक्रिया के बाद अन्य देशों से आए हैं। युद्ध के कारण यूक्रेन से भागकर कई हजार शरणार्थी हाल के दिनों में हंगरी में प्रवेश कर चुके हैं। ए लाग यूक्रेन के साथ हंगरी की 137 किलोमीटर की सीमा के साथ पांच सीमा पार चौकी के जरिए प्रवेश कर रहे हैं। हंगरी में ओरबान के नेतृत्व वाली सरकार ने हाल के वर्षों में प्रवासियों को लेकर अपना रुख कड़ा किया है। यूरोपीय संघ में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सबसे करीबी सहयोगी के रूप में ओरबान ने क्रेमलिन के साथ घनिष्ठ आर्थिक और राजनयिक संबंध बनाए हैं। हालांकि, ओरबान ने कहा है कि हंगरी के पड़ोसी पर रूस के आक्रमण से पुतिन के साथ संबंधों में बदलाव की संभावना है और हंगरी यूरोपीय स्तर पर मास्को के खिलाफ सभी प्रस्तावित प्रतिबंधों का समर्थन कर रहा है।

रूस टिकटॉक का इस्तेमाल अपने प्रोपगेंडा के लिए कर रहा

भाषा। मॉस्को

रूस ने यूक्रेन पर जमीनी और हवाई सैन्य कार्वाई करने के साथ-साथ प्रोपगेंडा के स्तर पर भी मोर्चा खोल दिया है और इसमें टिकटॉक उसका हथियार बनता नजर आ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि वर्ष 2014 में क्रीमिया प्रायद्वीप पर कब्जे के करीब आठ साल बाद यूक्रेन के खिलाफ की जा रही कार्वाई कहीं जटिल है और ट्रोलर की फौज लगातार यूक्रेन विरोधी भावना को हवा दे रही है। सरकार नियंत्रित मीडिया पश्चिमी दर्शकों को इस मुद्दे पर विभाजित करने की कोशिश कर रही है। इसी प्रकार चतुराई से टिकटॉक वीडियो के जरिए हस्यपुट के साथ रूसी राष्ट्रवाद को उभारा जा रहा है। रूस की युद्ध नीति के तहत भ्रामक सूचना से राय बनाने की कोशिश की जा रही है। इसी तरह का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें डिजिटल तरीके से संपादित किया गया एक कुत्ता अमेरिकी ध्वज के साथ नजर आता है और रूसी झंडे के रंग में दिखने वाली बिल्ली की पूंछ पर हमला करता है, लेकिन जब बिल्ली प्रतिक्रिया करती है तो कुत्ता कर्कश आवाज निकालता है। इस वीडियो को दो सप्ताह में 7,75,000 बार देखा जा चुका है। इस वीडियो को फनरशियनप्रेजीडेंट नामक उपयोगकर्ता ने साझा किया है जिसके कुल 3,10,000 अनुसरणकर्ता हैं। वाशिंगटन विल्सन सेंट स्थित पूर्वी ्रोप में भ्रामक सूचना अनुसंधानकर्ता एवं विशेषज्ञा नीना जैंकोविज ने कहा, यह संभवत: अच्छा रूसी देशभक्त हो सकता है या कुछ सीधे तौर पर सरकार से जुड़ा व्यक्ति हो सकता है। उन्होंने कहा, रूस इन हथकंडों में पारंगत है। और अब वह इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। एसोसिएटेड प्रेस ने कई विश्लेषकों से संपर्क किया और उन्होंने बताया कि रूसी सरकार से जुड़े समूहों की ऑनलाइन गतिविधियों में तेजी से वृद्धि हुई है। उनका कहना है कि सोशल मीडिया और सरकारी मीडिया का इस्तेमाल कर घरेलू स्तर पर समर्थन जुटाने और पश्चिमी गठबंधन को अस्थिर करने की यह रूस की रणनीति है। भ्रामक सूचना की सच्चाई का पता लगाने में सलंग्न इजराइली प्रौद्योगिकी कंपनी साइब्रा के मुताबिक पूरे इंटरनेट मंच पर संदिग्ध अकाउंट से यूक्रेन विरोधी सामग्री में वृद्धि हुई है। साइब्रा के विश्लेषकों ने हाल में फेसबुक और ट्विटर पर हजारों आकउंट का पता लगाया जिनके जरिए हाल में यूक्रेन के बारे में सामग्री साझा की गई। साइब्रा के मुताबिक वैलंटाइन के दिन यूक्रेनवासियों के खिलाफ ट्विटर पर सामग्री गत कुछ दिनों के मुकाबले 11 हजार प्रतिशत तक बढ़ गई। विश्लेषकों का मानना है कि इस सामग्री में से बड़ा हिस्सा रूसी सरकार से संबद्ध समूहों द्वारा नियंत्रित प्रमाणित और नियंत्रित अकाउंट से साझा की गई।

रूस के हमले के बाद कुछ ऐसे हैं यूक्रेन में जमीनी हालात

रूस की चेतावनी को फिनलैंड और स्वीडन ने दरकिनार किया

हेलसिंकी। फिनलैंड और स्वीडन ने पड़ोसी रूस की उस चेतावनी को दरकिनार कर दिया है जिसमें नाटो में उनके संभावित तौर पर शामिल होने की स्थिति में दोनों देशों को गंभीर सैन्य और राजनीतिक नतीजों भुगतने की बात कही गई थी। उल्लेखनीय है कि रूस के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को अमेरिका और उसके कुछ साझेदार फिनलैंड और स्वीडन को नाटो में कथित तौर पर खींचने की कोशिश को लेकर चिंता जताई थी और चेतावनी दी थी कि अगर दोनों देश गठबंधन में शामिल होंगे तो मॉस्को जवाबी कदम उठाने को मजबूर होगा। फिनलैंड के विदेश मंत्री पेक्का हाविस्टो ने शनिवार को फिनिश सरकारी प्रसारक वाईएलई को दिए साक्षात्कार में कहा, हम पहले ही भी यह सुन चुके हैं। हम नहीं मानते हैं कि यह सैन्य कार्वाई की चेतावनी है। उल्लेखनीय है कि फिनलैंड की करीब 1,340 किलोमीटर सीमा रूस से लगती है और यूरोपीय संघ की किसी भी देश की रूस से लगती सबसे लंबी सीमा है। स्वीडन के प्रधानमंत्री मैग्डेलेना एंडरसन ने देश के सैन्य कमांडर माइकल बाइडन के साथ शुक्रवार को संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, मैं यह बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि स्वीडन स्वयं और आजाद तरीके से अपनी सुरक्षा नीति पर फैसला करेगा।

यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की कर रहे हैं निगरानी: आईसीसी अभियोजक

द हेग। अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत (आईसीसी) के अभियोजक ने लड़ाकों और उनके कमांडर को आगाह किया है कि वह यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निगरानी कर रहे हैं और उसे युद्ध अपराधों तथा मानवता के खिलाफ अपराधों को लेकर मुकदमा चलाने का अधिकारक्षेत्र है। हालांकि अभियोजक करीम खान ने स्वीकार किया कि वह उस मुद्दे की जांच नहीं कर सकते जो आक्रमण के इस चरण में सबसे अधिक चर्चा में है और वह है- अतिक्रमण का अपराध। पश्चिमी देशों के नेताओं ने यूक्रेन पर आक्रमण करने के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश की व्यापक रूप से निंदा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बृहस्पतिवार को कहा कि आक्रमण साम्राज्य बढ़ाने की पुतिन की महत्वाकांक्षा के तहत खुला अतिक्रमण था। वहीं ब्रिटेन के पीएम बोरिस जॉनसन ने इसे व्लादिमीर पुतिन का अतिक्रमण के लिए युद्ध कहा था। यद्यपि 2002 में हेग स्थित अदालत की स्थापना करने वाली वैश्विक संधि को 2018 के बाद से अतिक्रमण के अपराध को शामिल करने के लिए अद्यतन किया गया है, लेकिन खान ने कहा कि उनके पास उस पर अधिकार क्षेत्र नहीं है, क्योंकि न तो यूक्रेन और न ही रूस अदालत के 123 सदस्य देशों में से एक है। यूक्रेन में संघर्ष में अतिक्रमण के अपराध पर अदालत को अधिकार क्षेत्र प्राप्त करने का एकमात्र तरीका यह है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यदि आईसीसी को जांच के लिए बुलाए। फेलो ब्रेंडन प्लांट ने कहा, ऐसा नहीं होने जा रहा है, क्योंकि रूस परिषद के वीटो अधिकार वाले स्थाई सदस्यों में से एक है।

क्विक न्यूज

जर्मनी में पर्यटकों से भरी बस दुर्घटनाग्रस्त, 43 घायल

बवेरिया। पर्यटकों को ऑस्ट्रियाई आल्प्स की सैर कराने ले जा रही एक बस शनिवार को ऊपरी बवेरिया में एक स्थानीय राजमार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हादसे में बस में सवार 61 पर्यटकों में से 43 घायल हो गए। बवेरियाई पुलिस के मुताबिक, बवेरिया के ट्रॉनस्टीन जिले के इंजेल शहर के पास एक डबल-डेकर पर्यटक बस शनिवार सुबह लगभग 7.30 बजे सड़क पर पलट गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में बस में सवार 43 पर्यटक घायल हो गए, लेकिन इसकी चपेट में कोई और वाहन नहीं आया। पुलिस के अनुसार, सात पर्यटक गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि चालक सहित 36 लोगों को मामूली चोटें आई हैं। अधिकारियों ने बताया कि बस जर्मन प्रांत उत्तर राइन-वेस्टफेलिया से ऑस्ट्रिया के कपरून स्की रिसॉर्ट की तरफ जा रही थी। उन्होंने बताया कि हादसे के चलते राजमार्ग पर शनिवार दोपहर तक यातायात बाधित रहा।

भारत-रूस संबंध अमेरिका और रूस के संबंधों से अलग हैं, और इसमें कोई परेशानी की बात नहीं: अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने कहा कि भारत के रूस के साथ संबंध, अमेरिका और रूस के बीच संबंधों से अलग है और इसमें परेशानी की कोई बात नहीं है। अमेरिका ने साथ ही कहा कि उसने रूस के साथ संबंध रखने वाले हर देश से नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को सुरक्षित रखने में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने को कहा है। रूस-यूक्रेन के संदर्भ में अमेरिका-भारत संबंध और क्या यूक्रेन संकट से द्विपक्षीय संबंध पर असर पड़ेगा, यह सवाल पूछे जाने पर अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि भारत के साथ अमेरिका के अहम हित और मूल्य जुड़े हुए हैं। प्राइस ने शुक्रवार को दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, भारत के साथ हमारे अहम हित जुड़े हुए हैं। हम भारत के साथ अहम मूल्य साझा करते हैं, और हम जानते हैं कि भारत के रूस के साथ संबंध उन संबंधों से अलग हैं जो हमारे और रूस के बीच हैं, और सही में इसमें कोई परेशानी की बात नहीं है। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, भारत के रूस के साथ मजबूत रिश्ते हैं,जो हमारे यकीनन नहीं हैं।

प्रतिबंधों के कारण अमेरिका को संयुक्त अंतरिक्ष परियोजना से बाहर रख सकता है रूस: रोगोजिन

मास्को। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख दिमित्री रोगोजिन ने शनिवार को कहा कि रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद हो सकता है कि अमेरिका शुक्र ग्रह का पता लगाने के लिए रूस के साथ संयुक्त अंतरिक्ष परियोजना वेनेरा-डी का हिस्सा नहीं हो और फिर मॉस्को इस अभियान को अकेले या चीन की भागीदारी के साथ अंजाम देगा। वेनेरा-डी शुक्र के बारे में पता लगाने के लिए रूस के रोस्कोस्मोस और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के बीच एक नियोजित संयुक्त अंतरिक्ष अन्वेषण परियोजना है।रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा बृहस्पतिवार को यूक्रेन के खिलाफ विशेष सैन्य अभियान का आदेश देने के बाद, अमेरिका एवं उसके सहयोगियों ने चार बड़े रूसी बैंकों की संपत्ति पर रोक लगाने, निर्यात नियंत्रण लागू करने सहित अन्य पाबंदियां लगाने को मंजूरी देने का फैसला किया। ए प्रतिबंध रूस के एयरोस्पेस उद्योग, उसके अंतरिक्ष कार्यक्रम को प्रभावित करेंगे। सरकारी समाचार एजेंसी तास ने रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के महानिदेशक दिमित्री रोगोजिन के हवाले से कहा, प्रतिबंधों के कारण परियोजना में अमेरिका की भागीदारी असंभव है। रोगोजिन ने कहा कि रूस अकेले या चीन की भागीदारी से इस मिशन को अंजाम देगा।रूसी अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख ने कहा कि उन्होंने सभी अंतरिक्ष अनुसंधान मिशनों के लिए आपसी तकनीकी सहायता पर बीजिंग के साथ बातचीत शुरू करने के निर्देश शुक्रवार को दिए थे।

अफगानिस्तान के छात्र कुछ पाबंदियों के साथ काबुल लौटे

काबुल। अफगानिस्तान के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित उच्च शैक्षणिक संस्थानों में से एक काबुल विश्वविद्यालय तालिबान के देश पर कब्जा करने के छह महीने बाद शनिवार को फिर से खुल गया। छात्र-छात्राओं को कक्षाओं में अलग-अलग बैठने को कहा गया। साथ ही, छात्राओं के लिए इस्लामी पोशाक अनिवार्य की गई है। हिजाब पहनकर आईं कई छात्राएं विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार के बाहर कतार में खड़ी थीं। छात्र अगस्त में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अचानक बंद की गई कक्षाओं को बहाल करने को लेकर उत्सुक दिखे। तालिबान के सिपाही विश्वविद्यालय परिसर के तीन प्रवेश द्वारों पर पहरा दे रहे थे। पहले विश्वविद्यालय में सह-शिक्षा की व्यवस्था थी जिसमें छात्र और छात्राएं को एक साथ बैठने की अनुमति थी। अधिकतर छात्रों ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि क्या उम्मीद करें लेकिन यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वे नियमित पाठ्यक्रम को फिर से शुरू कर सकते हैं और अध्ययन के अपने चुने हुए क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं। विश्वविद्यालय काफी हद तक अमेरिकी उदार कला मॉडल का अनुसरण करता है। संगीत विभाग को अब बंद कर दिया गया है।

हम यूक्रेन के साथ खड़े हैं : ब्रिटिश राजकुमार विलियम और केट मिडलटन

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के राजकुमार विलियम और उनकी पत्नी केट मिडलटन ने शनिवार को कहा कि वे रूसी आक्रमण का सामना कर रहे यूक्रेन के लोगों के साथ खड़े हैं। विलियम और मिडलटन हालांकि राजनीतिक मुद्दे पर टिप्पणी करते नजर नहीं आते है लेकिन यूक्रेन संकट पर उन्होंने वहां के लोगों के प्रति अपना समर्थन जताया। दंपति ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और देश के लोगों के लिए अपना समर्थन व्यक्त करने के लिए अक्टूबर 2020 में यूक्रेन की शाही यात्रा का संदर्भ दिया। उन्होंने ट्विटर पर एक बयान में कहा, अक्टूबर 2020 में, हमें यूक्रेन के भविष्य के लिए उनकी उम्मीदों के बारे में जानने के वास्ते राष्ट्रपति जेलेंस्की और प्रथम महिला से मिलने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा, आज हम राष्ट्रपति और यूक्रेन के सभी लोगों के साथ खड़े हैं क्योंकि वे उस भविष्य के लिए बहादुरी से लड़ रहे हैं। यूक्रेन के समर्थन में लंदन और मैनचेस्टर सहित पूरे ब्रिटेन में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बीच, शुक्रवार को ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस द्वारा बुलाई गई बैठक में यूक्रेन को गोला-बारूद, टैंक रोधी हथियार और मानवीय सहायता प्रदान करने संबंधी समझौता किया गया। इसे अमेरिका और कनाडा सहित लगभग 25 देशों का समर्थन प्राप्त है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन के लिए अतिरिक्त सैन्य समर्थन के संदर्भ में कहा, हमें यूक्रेन के लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए क्योंकि वे हर जगह अपने देश और लोकतंत्र की रक्षा करते हैं।

प्रतिबंधों को कुंद करने के लिए रूस की एकमात्र उम्मीद चीन से, फिर भी रूस सावधान

भाषा। बीजिंग

यूक्रेन पर आक्रमण को लेकर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के असर को कुंद करने के लिए रूस की उम्मीद अब चीन पर टिकी है, लेकिन चीन इस बात के संकेत नहीं दे रहा है कि वह बहुत ज्यादा मदद करके अमेरिका और यूरोपीय बाजारों तक अपनी पहुंच को जोखिम में डालने को तैयार है। चीन अगर चाहता भी है तो भी गैस और अन्य सामानों को अधिक से अधिक आयात करके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समर्थन की उसकी सीमा सीमित है। वाशिंगटन की साझी नाराजगी के कारण रूस के साथ चीन के संबंध शी चिनफिंग के 2012 में सत्ता में आने के बाद से बहुत अच्छे हैं, लेकिन दोनों के हित टकरा सकते हैं।

रूस पर अद्भुत प्रतिबंधों से कुछ नहीं बदलेगा

भाषा। मास्को

रूसी सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख दिमित्री मेदवेदेव ने शनिवार को कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए अद्भुत प्रतिबंधों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र की रक्षा के लिए सैन्य अभियान तब तक चलाया जाएगा जब तक कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लक्ष्य हासिल नहीं हो जाते। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने बृहस्पतिवार को यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस के खिलाफ कई प्रतिबंधों की घोषणा की। पश्चिमी देशों ने चार बड़े रूसी

● यूक्रेन में सैन्य अभियान जारी रहेगा: मेदवेदेव

बैंकों की संपत्ति पर रोक लगाने, निर्यात नियंत्रण लागू करने और पुतिन के करीबी अधिकारियों, कारोबारियों पर पाबंदी लगाने का फैसला किया। समाचार एजेंसी तास के मुताबिक रूस के पूर्व प्रधानमंत्री मेदवेदेव ने कहा, ए अद्भुत प्रतिबंध निश्चित रूप से एक भी चीज नहीं बदलेंगे। यह अमेरिकी विदेश विभाग के अज्ञानी लोग भी जानते हैं। यह डोनबास की रक्षा के लिए सैन्य अभियान चलाने के निर्णय को दिखाता है। मेदवेदेव ने कहा, अभियान तब तक चलता रहेगा जब तक कि रूसी राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाते। उन्होंने उम्मीद जताई कि 2008 की तरह ही स्थिति बनेगी। रूस ने 2008 में जॉर्जिया पर आक्रमण किया और युद्ध पांच दिनों तक चला। संक्षिप्त युद्ध के बाद रूस ने जॉर्जिया के अबकाजिया और दक्षिण ओसेशिया को अलग क्षेत्र के तौर पर मान्यता दी। मेदवेदेव 2012 से 2020 तक रूस के प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने प्रतिबंधों को मिथक करार दिया। तास के मुताबिक मेदवेदेव ने कहा, सभी जिम्मेदार लोगों को पता है कि प्रतिबंध केवल एक मिथक, एक दिखावा और भाषणबाजी है।

पश्चिमी देशों के लगाए गए प्रतिबंधों पर जवाबी कदम उठाने की धमकी

भाषा। मास्को

रूस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन पर हमले के कारण पश्चिमी देशों के लगाए गए प्रतिबंधों पर रूस जवाबी कदम उठा सकता है। उन्होंने कहा कि रूस बाकी परमाणु हथियार समझौते से भी बाहर निकल जाएगा और पश्चिमी देशों की संपत्तियों पर रोक लगा देगा। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अध्यक्षता वाली सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख दिमित्री मेदवेदेव ने पश्चिमी देशों की राजनीतिक अक्षमता के प्रतिबिंब के रूप में रूस पर अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य देशों द्वारा लगाए गए गंभीर प्रतिबंधों को खारिज कर दिया। रूसी सोशल मीडिया वीकोनटाके पर

● रूस बाकी परमाणु हथियार समझौते से भी बाहर निकल जाएगा

अपने पेज पर पोस्ट टिप्पणियों में मेदवेदेव ने कहा कि प्रतिबंध मास्को को पश्चिमी देशों के साथ अपने संबंधों की पूरी समीक्षा का मौका दे सकता है। उन्होंने कहा कि रूस न्यू स्टार्ट परमाणु हथियार नियंत्रण संधि से भी बाहर निकल सकता है जिसका उद्देश्य अमेरिका और रूसी परमाणु शस्त्रागार को सीमित करना है। मेदवेदेव ने पश्चिमी देशों के साथ राजनयिक संबंध तोड़ने की संभावना भी जताते हुए कहा, राजनयिक संबंध बनाए रखने की कोई विशेष

आवश्यकता नहीं है। उन्होंने जवाबी कदम के तहत रूस में पश्चिमी देशों की संपत्तियों पर रोक लगाने का भी संकेत दिया। प्राग : चेक गणराज्य की सरकार ने यूक्रेन को और हथियार भेजने की योजना को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वह तुरंत मशीन गन, सबमशीन गन, असॉल्ट राइफल और पिस्तौल के साथ 18.8 करोड़ चेक क्राउन (86 लाख डॉलर) के गोला-बारूद भेज रहा है। मंत्रालय ने कहा कि चेक गणराज्य की सरकार हथियारों को भेजेगी और फिर यूक्रेन के अधिकारी निर्धारित स्थान तक उसे ले जाएंगे। वर्साय, पोलैंड : पोलैंड फुटबॉल संघ ने कहा है कि रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के कारण वह रूस के खिलाफ अपना विश्व कप क्वालीफाइंग मैच नहीं खेलेगा। फुटबॉल संघ के अध्यक्ष सेजरी कुलेजा ने ट्वीट किया, कोई और शब्द नहीं, यह कार्य करने का समय है। उन्होंने कहा कि यह कदम आक्रामकता बढ़ने के कारण उठाया गया है। यह मैच 24 मार्च को होना था। कीव : यूक्रेन की राजधानी के बाहरी इलाके में शनिवार को एक बहुमंजिला इमारत पर रॉकेट हमले में कम से कम छह लोग घायल हो गए।

भारत में रहने वाले यूक्रेनी नागरिकए युद्ध प्रभावित देश में शांति के लिए यूक्रेन के दूतावास के प्रवेश द्वार के पास फूल लगाते हुए

आयुर्वेदिक दवा बीजीआर-34 मधुमेह नियंत्रण में उपयोगी

अनुसंधानकर्ताओंने अपने अध्ययन में पाया है किआयुर्वेदिकदवा बीजीआर-34 तीन माह में शरीर में शर्करा की मात्रा को कम करने में सहायक हो सकती है और शक्तिशाली एंटी ऑक्सीडेंट का स्राव शरीर में करती है जिससे मधुमेह संबंधी जटिलताएं नियंत्रित होती है। पंजाब स्थित चितकारा विवि के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए इस अध्ययन को सर्बियाई जर्नल ऑफएक्सपेरिमेंटल ऐंड क्लीनिकल रिसर्च ऑन साइडो सैंटिफिकप्लेटफार्म के नवीनतम संस्करण में प्रकाशित किया गया है। अध्ययन केमुताबिकबीजीआर-34 का बहुत कम या बिल्कुल नहीं दुष्प्रभाव है। रवीन्द्र सिंह केनेतृत्व में एकटीम ने मधुमेह से ग्रस्त सौ रोगियों को दो समूहों में बांट कर करीब 12 हफ्ते तकचौथे चरण केचिकित्सकीय परीक्षण किए।

DOC टॉक

डॉ. तुषार ग्रोवर
चिकित्सा निदेशक
विजन आई सेंटर,
नई दिल्ली

कितना स्क्रीन टाइम बहुत ज्यादा है?

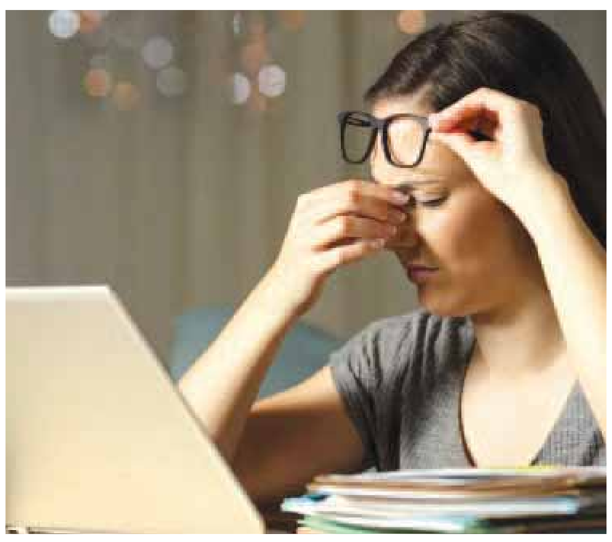

निस्संदेह, स्क्रीन टाइम में एक अभूतपूर्व उछाल आया है जिसमें हम सभी तब से लगे हुए हैं जब से महामारी फैली है। तालाबंदी और घर पर रहने वाले युग में, हालांकि रुक-रुक कर और क्रमिक स्तर पर , हम न केवल लंबे समय तक घर के अंदर ही सीमित रहे हैं, बल्कि जिस तरह से हम एक समाज के रूप में कार्य करते हैं, उसमें भी एक बड़ा बदलाव आया है। चाहे वह शैक्षिक उद्देश्यों के लिए हो, या मनोरंजन और अवकाश के लिए या काम के लिए, एक पूर्ण डिजिटल जीवन शैली तेजी से हमें परिभाषित करने के लिए आ गई है। दरअसल, इस जीवनशैली में बदलाव के हिस्से के रूप में, घर से काम करना हमारी दिनचर्या की एक स्थायी विशेषता बन गई है।

घर से काम करने का आंखों की सेहत पर असर होता है

लेकिन क्या हमें इस बात का एहसास है कि वर्क फ्राम होम रूटीन को अपनाने में हमारी आंखों के स्वास्थ्य के मामले में एक लागत तत्व शामिल है। क्योंकि हम लैपटॉप, मोबाइल फोन, टैबलेट, ई-रीडर और यहां तक कि टेलीविजन सहित डिजिटल स्क्रीन पर अधिक से अधिक समय बिताते हैं, हमारी आंखों में इन स्क्रीनों के लिए बेइंतहा ढंग से बढ़ा हुआ जोखिम समय काफी प्रतिकूल परिणामों से भरा होता है।

खास तरह के लक्षणों की विशेषता

बढ़े हुए स्क्रीन टाइम और परिणामस्वरूप आंखों की समस्याओं को कई लक्षणों के माध्यम से देखा जा सकता है। ये आंखों में खिंचाव, या सिरदर्द, या धुंधली दृष्टि या दोहरी दृष्टि, या सूखी आंखें या यहां तक कि गर्दन और कंधे के दर्द के रूप में हो सकते हैं। कभी-कभी, यह मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के अलावा नींद के पैटर्न में गड़बड़ी और एकाग्रता में कठिनाई का कारण भी बन सकता है।

कंप्यूटर विजन सिंड्रोम, आंखों की बड़ी समस्या

अत्यधिक स्क्रीन टाइम के कारण, हम कंप्यूटर विजन सिंड्रोम या एक प्रमुख उदाहरण के रूप में डिजिटल आई स्ट्रेन से अपनी आंखों में कई समस्याओं का सामना कर सकते है। हमें यह महसूस करने की आवश्यकता है कि जब हम नियमित रूप से एक मुद्रित पेज पढ़ते हैं या भौतिक अवस्था में लिखते हैं तो हमारी आंखों पर मांग की प्रकृति बदल जाती है। हमारी आंखों की हरकत के अलावा, कंप्यूटर या अन्य डिजिटल स्क्रीन पर ध्यान केंद्रित करने और पुन: ध्यान केंद्रित करने के लिए आंख की मांसपेशियों और दृष्टि प्रणाली की ओर से अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता होती है। अगर हम स्क्रीन की चकाचौंध, कंट्रास्ट और झिलमिलाहट पर विचार करें, तो इससे हमारी आंखों के लिए स्क्रीन पर काम करने का प्रयास करना और भी अधिक कठिन और असुविधाजनक हो जाता है। इसके अलावा, जब हम अपनी स्क्रीन में डूबे होते हैं, तो हम आंखें कम झपकाते हैं जिससे संबंधित परिणामों के रूप में आंखें शुष्क हो जाती हैं। चालीस या उसके आसपास की उम्र वाले लोगों को विशेष रूप से अधिक परिश्रम करना पड़ता है क्योंकि उनके प्राकृतिक लेंस कम लचीले हो जाते हैं।

> अगर हम स्क्रीन की चकाचौंध, कंट्रास्ट और झिलमिलाहट पर विचार करें, तो इससे हमारी आंखों के लिए स्क्रीन पर काम करने का प्रयास करना और भी अधिक कठिन और असुविधाजनक हो जाता है। इसके अलावा, जब हम अपनी स्क्रीन में डूबे होते हैं, तो हम आंखें कम झपकाते हैं जिससे संबंधित परिणामों के रूप में आंखें शुष्क हो जाती हैं।

आईवियर या चश्मा पहनने वालों को भी होती है परेशानी

हालांकि जिन लोगों को पता नहीं चल पाया है या उन्हें कम दृष्टि की समस्या है, उन्हें स्पष्ट कारणों से अधिक समस्याएं होंगी, चश्मा और लेंस जैसे कुछ आईवियर पहनने वालों को भी समान रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है। स्क्रीन का उपयोग, विशेष रूप से घर पर, अक्सर अनुचित मुद्रा व अनुचित घरेलू प्रकाश व्यवस्था से जुड़ा होता है। दर्शकों को अक्सर अपना सिर झुकाने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे न केवल आंखों में परेशानी होती है, बल्कि पीठ और गर्दन में दर्द भी होता है।

निवारण

बेशक, स्क्रीन टाइम को कम करना या उसे सुव्यवस्थित करना पहला कदम है जिस पर व्यक्ति को विचार करना होगा। दूसरा, कंप्यूटर या अन्य स्क्रीन को पर्याप्त रोशनी वाली जगह पर रखना प्राथमिकता होनी चाहिए। तीसरा, पर्याप्त दूरी अधिमानत: एक हाथ की लंबाई पर और व्यक्ति व स्क्रीन के बीच देखने को उचित कोण पर बनाए रखा जाना चाहिए। चौथा, नीली किरणों को छानने वाले और यूवी संरक्षण वाले चश्मे और लेंस का सहारा लेना चाहिए। और पांचवां और सबसे महत्वपूर्ण बात, 20-20-20 नियम का पालन करना चाहिए, जिसका अर्थ है कि हर 20 मिनट में, स्क्रीन का उपयोग करने वाले व्यक्ति को कम से कम बीस सेकंड के लिए लगभग 20 फीट दूर देखना चाहिए। इससे आंखों को नियमित रूप से आवश्यक आराम मिलेगा।

इसलिए, जहां वर्क फ्रॉम होम और उसके परिणामस्वरूप बढ़े हुए स्क्रीन टाइम के कई फायदे हैं, वहीं हमारे आंखों के स्वास्थ्य के संबंध में कमियां भी हैं। एक अध्ययन की रिपोर्ट है कि लगभग 23 प्रतिशत भारतीय आबादी को महामारी के कारण घरों में रहने के दौरान कुछ हद तक कमजोर दृष्टि का सामना करना पड़ा था। इस प्रकार, हालांकि हम अपने स्क्रीन टाइम को पूरी तरह से समाप्त नहीं कर सकते हैं, मगर हमें सावधानी बरतनी चाहिए। संतुलन ही एक उचित मंत्र है।

क्या आप खूब खा रहे हैं?

डॉ. एच पी भारती का कहना है कि प्राकृतिक चिकित्सा उपचार और मनोरोग चिकित्सा के साथ योग अभ्यास फायदेमंद हो सकता है

क्या आपको या आपके किसी प्रिय व्यक्ति को खाने से संबंधित समस्याएं हैं? इन समस्याओं में केवल भोजन तथा वजन के अलावा और भी बहुत कुछ है। स्कूल या नौकरी के प्रदर्शन से लेकर शारीरिक स्वास्थ्य के मसलो तक, खाने का विकार किसी भी व्यक्ति के जीवन में गंभीर व्यवधान पैदा कर सकता है। योग एक तन-मन गतिविधि है जिसे इसके अंतर्निहित उपचार प्रभावों व जागरूकता के लिए मान्यता प्राप्त है। योग व प्राकृतिक चिकित्सा पुनर्वास प्रक्रिया में एक मूल्यवान सहायता हो सकती है, और प्राकृतिक चिकित्सा उपचार व मनोचिकित्सीय चिकित्सा के संयोजन के साथ लगातार योग अभ्यास करना फायदेमंद हो सकता है।

जाहिर है, स्मार्ट भोजन के विकल्प शरीर को अलग-अलग तरीकों से लाभ पहुंचा सकते हैं, लेकिन जब कोई व्यक्ति प्रतिबंधों से बहुत अधिक प्रभावित होता है, तो समस्याएं उत्पन्न होती हैं। जब किसी व्यक्ति का व्यवहार इस तरह के प्रतिबंधों के कारण बहुत अधिक विघटनकारी हो जाता है, तो यह व्यक्तिगत और कार्य संबंधों में हस्तक्षेप कर सकता है जो अंतत: मनोवैज्ञानिक विकारों की ओर ले जाता है।

इसके अलावा, यह भी देखा गया है कि ऑर्थोरेक्सिया वाले लोग अक्सर सामाजिक निमंत्रण व बातचीत से बचते हैं, इस डर से कि उन्हें अपने स्वस्थ खाने की आदतों से समझौता करना पड़ेगा। यहां तक कि अगर वे सामाजिक बातचीत में शामिल होते हैं, तो भी वे भूख के दर्द के बावजूद भोजन को छूने से मना कर देते हैं।

कुछ लोग विशिष्ट किराना वस्तुओं की खरीदारी पर घंटों खर्च कर सकते हैं या अपनी आदतों को अपने दोस्तों और परिवार से छिपाए रख सकते हैं।

खाने की समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए कौन सी चीज योग व प्राकृतिक चिकित्सा को एक उपयुक्त समाधान बनाती है?

लाखों लोग विभिन्न प्रकार के खाने की बिमारियों से पीड़ित हैं, जो परेशान और अस्वास्थ्यकर खाने की आदतें होती हैं जिनमें प्रतिबंधित आहार, अत्यधिक भोजन या भोजन नहीं करना शामिल हो सकता है। नेशनल ईटिंग डिसऑर्डर एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, 10 में से चार वयस्कों ने या तो सीधे तौर पर खाने के विकार का अनुभव किया है या किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं, जिसने अनिर्णय, आत्मविश्वास और आत्म-स्वीकृति को बढ़ावा देने के लिए योग का प्रदर्शन किया है ताकि चिंता, क्रोध और अवसाद को कम करने के साथ-साथ आत्म-सम्मान और स्वस्थ शरीर की छवि में सुधार कर सकें। नियमित योग अभ्यास मानसिक, भावनात्मक व शारीरिक क्षमता की बहाली में सहायता कर सकता है जो खूब खाने के बिमारियों के कारण क्षतिग्रस्त हो गयी है।

> शारीरिक स्तर पर, योग को पाचन में सहायता, कब्ज को कम करने और खूब खाने की अप्रिय प्रक्रिया के प्रति प्रतिक्रिया को घटाने के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। भावनात्मक स्तर पर, योग व्यक्ति की आंतरिक दुनिया से भावनात्मक जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है, भावनाओं, चाहतों व लालसाओं को व्यवहारिक बनाने की अनुमति देता है।

शारीरिक स्तर पर, योग को पाचन में सहायता, कब्ज को कम करने और खूब खाने की अप्रिय प्रक्रिया के प्रति प्रतिक्रिया को घटाने के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। भावनात्मक स्तर पर, योग व्यक्ति की आंतरिक दुनिया से भावनात्मक जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है, भावनाओं, चाहतों व लालसाओं को व्यवहारिक बनाने की अनुमति देता है।

तनावपूर्ण मानसिक पैटर्न, जो खाने की बिमारियों को बनाए रखते हैं, अक्सर एक ऐसे डिजाइन के साथ धीरे-धीरे समाप्त हो सकते हैं जो पहले शरीर को खिंचाव के जरिए खोलता है और फिर विश्राम के साथ पूरा होता है। योगाभ्यास के दौरान या उसके बाद में, हम उन भावनाओं को त्यागने में सक्षम हो सकते हैं जो वर्षों से हम पर बोझ बनती आई हैं।

डॉ. एच पी भारती
उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी
जिंदल नेचरक्योर इंस्टीट्यूट

सचेतनता पर किए गए अध्ययनों के अनुसार, योग, ध्यान और श्वांस-क्रिया दोनों संवेदनशील नर्वस सिस्टम की सक्रियता को कम करके और आत्मविश्वास, भावना प्रबंधन और मानसिक लचीलेपन के लिए जिम्मेदार मस्तिष्क के हिस्से में गतिविधि को बढ़ाकर शरीर की शारीरिक तनाव प्रतिक्रिया को कम करते हैं। हैरानी की बात है कि योग के चिकित्सीय लाभों पर शोध से पता चला है कि मामूली मात्रा में तनाव को सहन करने की क्षमता - जैसे कि एक अप्रिय मुद्रा में रहना सीखना - समग्र खुशी और जीवन की गुणवत्ता से जुड़ी हुई है। जैसे ही कोई व्यक्ति एक अप्रिय मुद्रा में रहना सीख जाता है, तो वह खूब ज्यादा खाने के बजाय उठने वाली असहज भावनाओं के साथ चलने में अधिक सक्षम होता है।

प्राकृतिक चिकित्सा खाने की बिमारियों को ठीक करने में मदद करती है

नेचुरोपैथिक चिकित्सक रोगियों का इलाज उनकी शारीरिक, जीवन शैली, पर्यावरण, मानसिक व भावनात्मक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए करते हैं। इन अवधारणाओं का पालन करने वाले प्राकृतिक चिकित्सक हमेशा रोगी की बीमारी के मूल कारण का समाधान करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। अवसाद, चिंता, आघात या अन्य कारक खाने के विकारों में भूमिका निभा सकते हैं।

खूब ज्यादा खाने के विकार की गंभीर प्रकृति के कारण इसे मनोवैज्ञानिक के सहयोग की भी आवश्यकता हो सकती है। प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति में शरीर के दीर्घकालिक परिवर्तनों की जांच करना शामिल है : लंबे समय से कौन से पोषक तत्वों की कमी है? खाने के विकार का मानसिक प्रदर्शन पर क्या प्रभाव पड़ता है? रोगी के व्यवहार पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है? खूब खाने के विकार के परिणामस्वरूप कौन से अंग या रक्त घटक, जैसे पेट, हृदय, गुर्दे, आदि ख़राब हो गए हैं? इसमें यह आकलन करना भी शामिल है कि खाने के विकार पर काबू पाने के लिए रोगी को किन गहरे मसलों और बाधाओं को दूर करने में सहायता की आवश्यकता हो सकती है।

स्वस्थ भोजन की आदतों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ प्राकृतिक चिकित्सा में वैकल्पिक उपचारक विधियां जैसे एक्यूपंक्चर, विश्राम चिकित्सा, वनस्पति चिकित्सा और अन्य शामिल हैं। एक्यूपंक्चर संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं, तनाव को कम करने और पीड़ित शारीरिक प्रणालियों के उपचार में तेजी लाकर खाने के विकारों के उपचार में सहायता कर सकता है। वनस्पति चिकित्सा दृष्टिकोण रोगी के अंग प्रणालियों को फिर से भरने की कोशिश करता है, जो अक्सर खूब ज्यादा खाने की समस्या के परिणामस्वरूप क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। और विश्राम चिकित्सा में मालिश चिकित्सा शामिल है, जो तनाव हार्मोन को कम करने, सकारात्मक रासायनिक स्तर (नॉरपेनेफ्रिन और डोपामाइन) को बढ़ाने व शरीर के असंतोष को कम करने का प्रयास करती है।

लेखिका जिंदल नेचरक्योर इंस्टीट्यूट में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी हैं।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा की कमी

गौरव दुबे कहते हैं कि तकनीक संचालित हेल्थकेयर समाधान कम लागत वाले प्रसार, दूरस्थ वितरण व बाधाओं को दूर करके स्वास्थ्य में असमानताओं की संभावना घटाते हैं

✳ देश में वर्तमान स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य

भारत का स्वास्थ्य सेवा ढांचा गतिशील विकास अनुभव कर रहा है। हालांकि स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ हासिल किया जाना बाकी है। समाज का एक बड़ा हिस्सा, विशेष रूप से आम लोग, अभी भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। भारत में वर्तमान में रोगी से चिकित्सक का अनुपात 1: 2148 है। स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में शिक्षा पर कम जोर और आबादी में स्वास्थ्य को कम प्राथमिकता देना ऐसे प्रमुख कारक हैं जिसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य खर्चों को कवर करने के बारे में सीमित जागरूकता है। हालांकि, प्रौद्योगिकी-संचालित स्वास्थ्य देखभाल समाधान कम लागत के प्रसार, दूरस्थ वितरण और बाधाओं को दूर करके स्वास्थ्य में असमानताओं की संभावना घटाते हैं।

✳ 2022 में स्वास्थ्य सेवा उद्योग में क्रांति लाने वाले रुझान

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करने की दृष्टि से भारत स्वास्थ्य सेवा उद्योग में निजी क्षेत्र को अपना रहा है। आवश्यकता के अनुसार ऑनलाइन डॉक्टर परामर्श व फार्मेसी को सुलभ बनाने में निजी क्षेत्र के हस्तक्षेप से नए अवसर खुल सकते हैं।

यहां तक कि बीमा भी एक आवश्यक कदम के रूप में आकर्षण प्राप्त कर रहा है और निस्संदेह विभिन्न वर्गों में स्थानांतरित करने हेतु समान स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा में मदद करने के लिए बीमा को विस्तार करना चाहिए। महामारी ने अप्रत्याशित रूप से उपभोक्ता व्यवहार को खरीदारी व मनोरंजन से लेकर स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतों तक में बदल दिया है। उपभोक्ताओं में अपनी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को, दूर से या अपने घरों के आराम से सुरक्षा से, पूरा करने की चाह में रिकॉर्ड स्तर पर वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य सेवा और बीमा उद्योग में निजी क्षेत्र की मध्यस्थता का उद्देश्य उपभोक्ताओं के खर्च का बोझ कम करना है।

✳ स्वास्थ्य देखभाल / बीमा प्रदाताओं और रोगियों के बीच असम्मित जानकारी

विशेषज्ञ ऐसी उभरती हुई सूचना समानता की कल्पना करते हैं जहां स्वास्थ्य देखभाल / बीमा प्रदाता व रोगी उपभोक्ता समस्याओं का समाधान करते हैं। मूल्य निर्धारण पारदर्शिता तथा स्वास्थ्य सेवाओं की एक सुधारित संरचना बेहतर चिकित्सा निर्णय लेने की ओर ले जाती है। सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्वास्थ्य सेवा की खराब डिजाइन वाली नियामक प्रणाली को सुधारने के लिए, जो विषम जानकारी की ओर ले जाती है, एक समझदार और प्रभावी विनियमन समय की आवश्यकता है। हमारा मानना है कि एनडीएचएम ढांचे के प्रभावी क्रियान्वयन से आगे चलकर इस अंतर को पाटने में काफी मदद मिलेगी।

✳ रोग बीमा के साथ निवारक स्वास्थ्य देखभाल को एकीकृत करना

बीमा उद्योग पारंपरिक रूप से रोग बीमा प्रदान करने के सिद्धांत पर आधारित है। वर्तमान में निवारक स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों व मूल्य निर्धारण के मानकीकरण तक सीमित होने के साथ काफी खंडित है। बीमा उत्पाद डिजाइनिंग और बीमा मूल्य निर्धारण के प्रति पारंपरिक दृष्टिकोण को वर्तमान नियामक ढांचे में लागू करना हमेशा मुश्किल होगा। हमारा मानना है कि सरकार, आईआरडीए, बीमा कंपनियों व हेल्थकेयर कंपनियों जैसे उद्योग भागीदारों को ऐसे उत्पादों की डिजाइनिंग को सक्षम बनाने के लिए एक साथ आने की जरूरत है।

-लेखक लिवलॉन्ग के सीईओ हैं

पीने की आदतों पर कोविड-19 का प्रभाव

अमर सिन्हा कहते हैं कि जागरूकता अभियानों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। हमने लोगों को शिक्षित करने के लिए कई शिविर आयोजित किए

भारत दुनिया के सर्वाधिक तेजी से बढ़ते एल्कोबेव और स्पिरिट बाजारों में से एक है। विभिन्न कारकों ने इस वृद्धि में योगदान दिया है, जिसमें बढ़ी खर्च- शक्ति वाली एक बड़ी मध्यम वर्गीय आबादी, बढ़ते शहरीकरण, गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के प्रति बदलती प्राथमिकताएं तथा घटती सांस्कृतिक वर्जनाएं शामिल हैं।

हालांकि, कोविड-19 तालाबंदी, जो मार्च 2020 के अंत में शुरू हुई थी, का सभी क्षेत्रों पर महत्वपूर्ण असर रहा था, और उनमें एल्कोबेव और स्पिरिट उद्योग कोई अपवाद नहीं था। कुछ राज्यों ने वितरण प्रणाली की बदलती गतिशीलता के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश की, और यह दृष्टिकोण अपेक्षाकृत फलदायी निकला। कुछ राज्यों ने तालाबंदी के दौरान भीड़ को कम करने और सामाजिक दूरी को सुविधाजनक बनाने के लिए होम डिलीवरी शुरू की। हालांकि, लॉकडाउन में ढील दिए जाने के बाद खपत ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी थी और दुकानों पर आनंदकारी इस खुराक को अपनाने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

बंदी के कारण, बार और भोजनालयों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा, जिससे सबसे महत्वपूर्ण और दृश्यमान व्यवहार में यह परिवर्तन हुआ, कि लोगों ने अपने घरों के भीतर करीबी समूहों में शराब पीने का सहारा लिया। बार-रेस्तरां खोलने और खोलने के बाद बिक्री में तेजी आने लगी हालांकि, शराब पीने वालों के व्यवहार में बदलाव जारी रहा। वास्तव में, कुछ अध्ययनों ने सेवन में वृद्धि का संकेत दिया है।

कई लोगों के सामाजिक जीवन का एक तत्व, उद्योग ने उपभोक्ता व्यवहार में एक दिलचस्प बदलाव देखा, क्योंकि वे घर पर रहते हुए अपने पेय के साथ प्रयोग करने के लिए उत्सुक थे। यह देखना आकर्षक है कि वे उन पेय पदार्थों के साथ कैसा प्रयोग करते हैं जो उनके पास पहले नहीं थे, जैसे कि आर्टिजन व्हिस्की, क्राफ्ट रम और क्राफ्ट जिन। प्रीमियम के प्रति वरीयता में बदलाव भी स्वास्थ्य पहलू से एक बदलाव है, क्योंकि उपभोक्ता गुणवत्ता के संबंध में जागरूक हो गए थे और प्रीमियम स्वाद का स्वाद लेने के लिए अतिरिक्त खर्च करने से पहले पलक नहीं झपकाते थे।

अमर सिन्हा
मुख्य परिचालन अधिकारी
रेडिको खेतान लिमिटेड

सोशल मीडिया और ओटीटी के प्रभाव को भी नकारा नहीं जा सकता क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय रुझानों के संपर्क में आ रहा है, जो परिपक्व बाजारों के व्यवहार की मानसिकता को प्रभावित करता है। हाल की शोध रिपोर्टें इंटरनेट पीढ़ी के मनोवैज्ञानिक व्यवहार की ओर इशारा करती हैं क्योंकि वे खुद को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रयोगात्मक उपभोग के स्वीकार्य के रूप में चित्रित करना चाहते हैं।

एक और पैटर्न जो महामारी के बाद उभरा वह प्रीमियम अपनाने की ओर बढ़ा हुआ झुकाव है। यह बदलाव इसलिए हुआ क्योंकि लोगों ने बार- रेस्तरां में न जाकर पैसे की बचत की, कि लोग इतनी ही राशि से शराब के चयन में एक पायदान ऊपर जाने का जोखिम उठा सकते थे। उपभोक्ता अपने पीने के समय से एक तजुर्बा गढ़ना चाहते हैं और गुणवत्ता की तलाश कर रहे हैं। भविष्य में, डीआईवाई के साथ प्रयोग करने के लिए और अधिक निजी सभाएं व अधिक अवसर होंगे, जो आम तौर पर आकर्षक उपभोक्ता व्यवहार समायोजनों की ओर ले जाता है।

बढ़ी हुई खपत को देखते हुए, हमने एक विवेकपूर्ण शराब पीने की आदत को बढ़ावा देने हेतु एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट निकाय के रूप में कदम रखने का अवसर लिया, जो व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित नहीं करना चाहिए। जागरूकता अभियानों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है, और हमने लोगों को शिक्षित करने के लिए कई शिविर आयोजित किए।

महामारी ने स्वास्थ्य पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक बना दिया है, और यही वो जगह है जहां गुणवत्ता के प्रति लोगों के बढ़ते झुकाव को तौला जाना है। एल्कोबेव उद्योग पूर्व-कोविड बिक्री तक पहुंचने के लिए तेजी पकड़

रहा है और साथ ही साथ जिम्मेदारियों से भी अवगत है। हमें एक ऐसे समाज का निर्माण करने के लिए इन्हें आगे ले जाने की जरूरत है जो हमेशा खुशियों का जरिया बना सके।

-लेखक रेडिको खेतान लिमिटेड में चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर हैं

बूगी प्रभाव

समीर बावा बता रहे हैं कि अंबावट्टा में नया रेस्तरां कुछ समकालीन प्रदान करता है। साथ ही उन तत्वों से भी भरा हुआ है जो पुरानी यादों को जगाते हैं

यह सिर्फ भोजन, परिवेश नहीं था और मैं शेफ प्रियम चटर्जी को कुछ वर्षों से जानता हूं और मैं उनके साथ कुछ यादगार भोजन अनुभवों में शामिल हुआ हूं जहां मैं लगातार उनके संक्रामक जुनून और पाक कला की उस्तादी से प्रभावित था। बीते वर्षों में अनेक चर्चाएं एक ऐसे स्तर पर विकसित हुई, जहां वह चाहते थे कि मैं उनके विशेष दिन का हिस्सा बनूं, जब वह 2019 में फ्रांसीसी दूतावास में एक विशेष समारोह में फ्रांस के प्रतिष्ठित ऑर्ड्रे डू मेरिट एग्रीकोल से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय बने। उस समारोह को देखने से लेकर यूरोप में उनके हाल के पाक कारनामों तक, मैंने हमेशा उनके रोमांचक पाक प्रयासों पर कड़ी नजर रखी है और जब मैंने सुना कि वह अम्बावता वन, महरौली में बूगी की रसोई को संभालने के लिए भारत वापस जा रहे हैं, तो मैं बहुत खुश था।

मैं कुछ दिन पहले लंच करने गया था। कुतुब को निहारने वाले 5,000 वर्ग फुट के प्रीमियम रियल एस्टेट को कवर करना, इसमें एक बोहेमियन भाव है जिसे आग, पानी, पृथ्वी और हवा के विभिन्न तत्वों के बीच सामंजस्य बनाने के लिए डिजाइन किया गया है क्योंकि वे विभिन्न देशों की विरासत के साथ बातचीत करते हैं। विशाल छत में कुतुब मीनार की आभा से सुशोभित एक भव्य मगर खूबसूरती से डिजाइन किया गया केंद्रीय बार है। प्रियांक सुखिजा द्वारा परिकल्पित और प्रसिद्ध सजावट व फर्नीचर ब्रांड बेंट चेयर के संस्थापक नताशा और नीरज जैन द्वारा सुसज्जित रेस्तरां में आप कुछ भी कम होने की उम्मीद नहीं करेंगे।

खाने की बात करें तो शेफप्रियम ने एक विशेष मेडिटेरेनियन यूरोपियन मेन्यू तैयार किया है जो आपके स्वाद और बनावट की एक स्वादिष्ट विविधता प्रदान करता है। भोजन जो आरामदायक होने के साथ–साथ ठाठ वाला भी है। प्रियम जैविक उत्पादों का उपयोग करते हैं और खाना पकाने की तकनीक में उनकी महारत –जो फ्रांसीसी रसोई में काम करने के वर्षों में हासिल की गई – कुछ समकालीन मगर फिर भी ऐसे तत्वों से भरपूर है जो पुरानी यादों की याद को तरोताजा करते हैं।

हमने तापस चयन से कुछ हैम क्रोक्वेट्स, चिकन टेंडर्स, कैलामारी, जलापीनो एओली और स्वीटकॉर्न मूस

डोनट्स के साथ कूर्गेट फ्रिटास के साथ शुरुआत की। प्रत्येक दूसरे से बेहतर है! आप मदद नहीं कर सकते लेकिन ध्यान दें, कि भले ही कुछ डीप फ्राई किया गया हो या फ्लैश फ्राई किया गया हो, मगर यह पूरी तरह से किया गया था। ऐपेटाइजर के लिए, हमने एवोकैडो टार्टरि, पर्मा विद लव और द बेस्ट–फ्राइड चिकन ऑफ योर लाइफको चुना। बेबी स्पिनाच, एवोकैडो मूस और टोबिको रो के साथ टार्टरि प्लेट पर एक पूर्णतया कला है। पकवान की प्रस्तुति का स्वाद के साथ जबरदस्त मुकाबला होता है। बहुत खूब। परमा की तैयारी भी शानदार थी। पाइन नट के तेल से सजे मीठे खरबूजे के ऊपर ऐजेड पर्मा हैम और टोस्टेड पाइन नट्स से सजाए गए टार सिरप। गलत नहीं हो सकता, है ना? इसे एक फुल–बॉडी रेड वाइन के साथ पेयर करें और मैं वादा करता हूं कि इसके विपरीत आपके स्वाद की कलियां समलैंगिक परित्याग में नृत्य करेंगी। फ्रायड चिकन उच्चतम गुणवत्ता का था। अपने आप में एक भोजन, 'शेफ स्पेशल' की तैयारी ने मुझे क्रंच और संतुलन से भर दिया। कटे हुए ब्रेड और किनारे पर कुछ गर्म सॉस के साथ परोसा जाता है, यह उन व्यंजनों में से एक है जो भोजन शुरू करने या खत्म करने के लिए एकदम सही होगा।

मेन्स के लिए, हमने चिकन स्ट्रैगनॉफऔर पोटेटो–ई–

ट्रफल्स पिज्जा और चार्ड के एक हिस्से का अनुरोध किया जो बूगी में सिग्नेचर टार्टिन में से एक है। स्ट्रैगनॉफ को रूसी पिलाफऔर कुछ खट्टा क्रीम जूस के आधार पर चिकन युक्त सॉस के साथ विशेषज्ञ रूप से बनाया गया था। पुनः शानदार संतुलन। यह पहली बार था जब मैंने पिज्जा पर आलू और ट्रफल्स के संयोजन का स्वाद चखा। आलू, स्मोक्ड क्रीम और ट्रफल्ड अरुगुला का समामेलन दिव्य था और हर टुकड़ा अपने आप में एक दिव्य अनुभव था और कोई भी तत्व दूसरे पर हावी या अभिभूत नहीं था। अगर आपको ट्रफल्स पसंद हैं, तो आपको यह पिज्जा जरूर पसंद आएगा। टार्टाइन एकमात्र तैयारी थी जिसने मेरी कल्पना को सबसे ज्यादा गुदगुदाया। ट्रफल बरेटा टार्टाइन, मसालेदार प्याज के सटीक मैच के साथ चार्ड एवोकैडो गुआकामोल, बारबेक्यूड एवोकैडो के साथ सबसे ऊपर है। यह एक ऐसा व्यंजन था जो समूचे मूल स्वाद प्रोफाइल के साथ फ्लर्ट करता था – मीठा, खट्टा, नमकीन, थोड़ा कड़वा और उमामी। मुझे बहुत पसंद आया।

अभी भी बहुत सारे व्यंजन थे जिन्हें मैं आजमाना चाहता था, लेकिन मैं पहले से ही पूर्णतया तृप्त था और यह भोजन समाप्त करने का समय था। डेजर्ट मेन्यू पेरिस माई लव द्वारा तैयार किया गया है और बूगी को अलविदा कहने से पहले मैंने बाबा औ रम का स्वाद चखा। यह पहले नहीं था जब मैंने चुपचाप खुद से एक और यात्रा की योजना बनाने और मेनू पर कुछ अन्य रत्नों को आजमाने का वादा किया था। मैं विशेष रूप से जल्द ही लॉन्च होने वाले ब्रेकफास्ट मेनू पर भी नजर गड़ाए हुए हूं और सैंडविच, क्रेप्स और अंडे की तैयारियों को आजमाने का इंतजार नहीं कर सकता।

कुल मिलाकर, यह एक अद्भुत खानपान अनुभव था। बूगी में एक अच्छी किस्म की शराबों का बार और एक अच्छा कॉकटेल मेनू है। सेवा त्वरित थी और टीम ने सुनिश्चित किया कि हमारा समय अच्छा हो। दिल्ली की भीड़ में पहले से ही बहुत लोकप्रिय, बूगी सभी के लिए कुछ न कुछ प्रदान करता है। चाहे आप एक सनडाउनर, कार्य–उपरांत पेय, एक उचित भोजन या छत पर एक पार्टी के लिए जाना चाहते हैं, यह आपको और अधिक के लिए वापसी करने की चाहत जगाना चाहता है। और इसी को , देवियों और सज्जनों, मैं 'द बूगी इफेक्ट' कहता हूं।

उसके जैसा कोई नहीं

आलिया अश्विन बता रही हैं कि जब महामारी आकर टिक गयी, तो शेफ अस्मा खान ने अपना रुख बदल लिया, जिससे उन्हें और उनकी समूची महिला टीम को एक नए अवतार में लौटने में मदद मिली

जब 2020 में महामारी ने प्रहार किया, तो लंदन के दार्जिलिंग एक्सप्रेस में शेफ और रेस्टोरेटर अस्मा खान और उनकी समूची महिला टीम के लिए अनिश्चितता और अराजकता बेहद कठिन थी। यूके में लॉकडाउन से एक हफ्ते पहले उन्हें अपना रेस्तरां बंद करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपने कर्मचारियों को भुगतान करना जारी रखा, क्योंकि उन्हें अपने परिवार का भी सहयोग करना पड़ता था।

कोई नहीं जानता था कि यह सिलसिला कब तक चलेगा। लेकिन, उस सारे अंधकार और अनिश्चितता के बावजूद, वह आशान्वित थी। खान याद करते हुए कहती हैं, ''मुझे रेस्टोरेंट बंद करना पड़ा, लेकिन मैंने रसोई घर में एक छोटी सी रोशनी छोड़ दी, ताकि मुझे पता चल सके कि वापस कैसे आना है। यह उम्मीद है (आशा) आप सारी आशाओं को बंद नहीं कर सकते और उन्हें छोड़ सकते हैं।'' वह न केवल पेशेवर तौर पर संकट से बचने में कामयाब रही, बल्कि अपने नए प्रारूपों जैसे थाली लंच और बिरयानी टेकअवे के साथ रेस्तरां के रूप में कामयाब रही, उन्हें लंदन आने वाले कुछ हॉलीवुड सितारों सहित नए ग्राहक मिले।

व्यक्तिगत रूप से, हालांकि, उनके पास महामारी के उस पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करने का समय नहीं था। खान अपने गृहनगर कोलकाता से, जहां वह कुछ आराम का समय बिता रही हैं, एक जूम इंटरव्यू में बताती हैं, ''मैंने हर चीज और हर किसी को बहुत कुछ दिया है, लेकिन मुझे लगता है कि अब समय है कि मैं थोड़ा खुद पर चिंतन करूं और शारीरिक रूप से थोड़ा मजबूत हो जाऊं क्योंकि यह बहुत कठिन रहा है, और मुझे शायद खुद को थोड़ा ठीक करने की जरूरत है।''

बकौल खान, ''मेरे पास अपने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में चिंता करने की विलासिता नहीं थी, जिसका अर्थ यह नहीं है कि मैं प्रभावित नहीं हुई हूं। मुझे लगता है कि शायद इसीलिए मेरे खयाल से अब चीजें

ठीक हैं। मुझे बस अपने लिए थोड़ा समय बिताने की जरूरत है। तो यह वो जगह है जहां मुझे पता है कि मुझ पर प्रभाव पड़ता है। संकट के दौरान कोई प्रभाव नहीं पड़ा क्योंकि मैं लड़ रही थी और नए विचारों – बिरयानी टेकअवे करना और सभी की रक्षा करने की कोशिश– के बारे में सोच रही थी। क्योंकि मैं महामारी के दौरान 35 लोगों की अपनी पूरी टीम का नेतृत्व कर रही थी, मेरे पास समय नहीं था।''

खान महिलाओं के अधिकारों की प्रबल समर्थक रही हैं और उनके रेस्तरां में घरेलू रसोइयों की एक पूरी महिला टीम है। इन महिलाओं का, उनकी तरह, कोई पेशेवर अनुभव नहीं है, उनमें से कोई भी पाक विद्यालय नहीं गया, लेकिन उनके पास रसोई में भारतीय भोजन बनाने में मदद करने की प्रतिभा थी और जीवन का अनुभव है। खान अपने लिए और अपनी पूरी टीम के लिए समान वेतन में विश्वास करते हैं, क्योंकि वे सभी – चाहे वे चाट बनाते हैं या फूली हुई पूरियां– समान हैं।'' यह उन महिलाओं के साथ हुआ है जहां हमारी रोटियां और हमारे चावल को हल्के में लिया जाता था। कई घरों में महिलाएं सबसे आखिर में खाती हैं और लड़कियां सबसे कम। '' इसलिए किसी की भी कीमत दूसरे से कम नहीं है।

खान लोगों से, विशेषकर महिलाओं से, इस दौरान मदद लेने और अकेले न हो जाने का आग्रह करती हैं। वह कहती हैं, ''कृपया यह न सोचें कि आप कमजोर हो रही हैं। जब आप कहती हैं कि आपने संघर्ष किया, तो यह स्वीकार करना बहुत कठिन है कि यह बहुत कठिन रहा है। लेकिन इसे अपने आप से कहें, मदद लें और अन्य महिलाओं के साथ संबंध बनाने और लोगों के साथ संवाद करने का प्रयास करें।''

खान की यात्रा शादी से तीन महीने पहले शुरू हुई और 1991 में वह कैम्ब्रिज चली गई। वह 21 वर्ष की थी और एक विदेशी देश में थी, और जैसे कि वो इतना कठिन नहीं था कि वह खाना बनाना नहीं जानती थी। भारत वापस आने के बाद ही उन्होंने कुछ ही गर्मियों में खाना बनाना सीखा। उन्होंने कभी भी रेस्तरां खोलने की कल्पना नहीं की थी। वह याद करती हैं, ''उस समय, जब आपने चारों ओर देखा, तो मेरे जैसा कोई नहीं था, हर कोई, आप जानते हैं, गोरा या पुरुष था, या एक महिला जिसने किसी पुरुष शेफ के अधीन प्रशिक्षण लिया था जो एक संरक्षक और गॉडफादर था, आप जानते हैं न? तो कोई भी बाहर से , अप्रशिक्षित, अयोग्य या, दूसरे शब्दों में, सिर्फ एक घर का रसोइया था। आपने किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा रेस्टोरेंट खोला जाते नहीं देखा।''

लेकिन, फिर भी, उन्होंने अन्य लोगों को खिलाने के लिए खाना पकाने का आनंद लिया। 2012 में, खान ने अपने घर में एक दर्जन लोगों के लिए 35 पाउंड प्रति व्यक्ति की दर से निजी रात्रिभोज क्लबों की एक श्रृंखला की पेशकश शुरू की। वह विशेष रूप से अपने जैसे कैम्ब्रिज छात्रों का उल्लेख करती हैं, जो भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका आदि से आते हैं जो खुद खाना बनाना नहीं जानते थे। जब वह उनके लिए खाना बना रही थी तब उन्हें एहसास हुआ कि उनका खाना कितना यादगार था। ''मैं उन्हें रोते हुए देख सकती थी, वो भी, बैठे और खाना खाते हुए .... बहुत चुप, यही बात मुझे याद है। मुझे याद है कि जब छात्रों ने खाना खाया तो उनकी चुप्पी बहुत ही भावुक करने वाली बात थी। और तब मुझे एहसास हुआ कि मुझमें किसी को इतनी दूर ले जाने, घर ले जाने का हुनर है।'' इस अहसास के बाद ही, उन्होंने अपने सपने को साकार किया और अपना रेस्तरां खोला, न केवल लोगों को घर का स्वाद चखाने के लिए, बल्कि उस घर की कहानियां सुनाने के लिए भी।

टीम इंडिया ने टी-20 श्रृंखला जीती

● श्रीलंका को दूसरे टी-20 में 7 विकेट से पराजित किया

भाषा। धर्मशाला

भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में शनिवार को यहां श्रीलंका को सात विकेट से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। भारत ने श्रेयस अय्यर की 44 गेंद में नाबाद 74 रन पारी के दम पर जीत के लिए 184 रन के लक्ष्य को 17.1 ओवर में हासिल कर लिया।
इससे पहले सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका की 53 गेंद में 75 रन की शानदार पारी के दम पर श्रीलंका ने भारत के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में शनिवार को यहां पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। निसंका ने अपनी पारी के दौरान 11 चौके लगाने के साथ पहले विकेट के लिए धनुष्का गुणतिलका (38) के साथ 67 और कप्तान दासुन शनाका के साथ पांचवें विकेट के लिए आक्रामक 58 रन की साझेदारी की। शनाका ने आखिरी ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए महज 19 गेंद की पारी में दो चौके और पांच छक्के की मदद से नाबाद 47 रन बनाए। श्रीलंका ने आखिरी पांच ओवरों में 80 रन बटोरे। भारतीय टीम तीन मैचों श्रृंखला का पहला मैच जीतकर।-0 से आगे है।टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद भारत के तेज गेंदबाजों ने शुरुआती चार ओवरों को श्रीलंका के बल्लेबाजों को रन बनाने का ज्यादा मौका नहीं दिया। पांचवें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए हर्षल पटेल (52 रन पर एक विकेट) के खिलाफ सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका और गुणतिलका ने चौका लगाकर रन गति तेज करने की कोशिश की। लेकिन पावर प्ले के छह ओवर के बाद टीम बिना किसी नुकसान के 32 रन ही बना सकी थी। गुणतिलका ने नौवें ओवर में रविन्द्र जडेजा (37 रन पर एक विकेट) की शुरुआती तीन गेंदों में दो छक्के और एक चौका लगाकर अपना आक्रामक रवैया दिखाया लेकिन ओवर की चौथी गेंद पर जडेजा ने उन्हें फंसा लिया और लांग ऑन पर वेंकटेश अय्यर ने डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ा। गुणतिलका ने 29 गेंद में 38 रन बनाए।
इसके बाद अगले दो ओवरों में युजवेन्द्र चहल (27 रन पर एक विकेट) ने चरिथ असलंका (दो) और हर्षल ने कामिल मिशारा (एक) का विकेट चटकाकर 11 ओवर में श्रीलंका का स्कोर तीन विकेट पर 76 रन कर दिया। एक छोर से विकेटो के पतन का निसंका पर कोई असर नहीं हुआ और उन्होंने 13वें ओवर में भुवनेश्वर कुमार के खिलाफ दो चौके जड़े। अनुभवी दिनेश चांदीमल (नौ) ने जसप्रीत बुमराह (24 रन पर एक विकेट) के खिलाफ शानदार स्ट्रेट ड्राइव कर चौका लगाया।

पथुम निसंका बल्लेबाजी करते हुए

स्कोरबोर्ड

श्रीलंका पारी : निसांका पगबाधा भुवनेश्वर 75,गुणतिलका का वेंकटेश बो जडेजा 38,असलंका पगबाधा चहल 02,मिशारा का श्रेयस बो हर्षल 01,चांदीमल का रोहित बो बुमराह 19, शनाका नाबाद 47,करुणारत्ने नाबाद 00,**अतिरिक्त** (लेगाबाई: 07 , वाइड: 04): 11,कुल: 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन,**विकेट पतन:** l-67, 2-71, 3-76, 4-102, 5-160,**गेंदबाजी:** भुवनेश्वर 4-0-36-,बुमराह4-0-24-1, हर्षल 4-0-52-1,चहल 4-0-27-1,जडेजा,4-0-37-।

भारत पारी: रोहित बो चमीरा 01,किशन का शनाका बो लाहिरू 16, अय्यर नाबाद 74, सैमसन का फर्नांडो बो लाहिरू 39,जडेजा नाबाद 45,**अतिरिक्त :** (लेग बाई: 02, नो बॉल: 01 वाइड :08) 11,**कुल योग:** 17.1 ओवर में तीन विकेट पर 186 रन,विकेट पतन : l-9, 2-44, 3-128,**गेंदबाजी:** चमीरा 3.1-0-39-l, फर्नांडो4-0-47-0,लाहिरु 3-0-31-2, जयविक्रमा 2 - 0 - 1 9 - 0 , करुणारत्ने 3-0-24-0, शनाका 2-0-24-0

रोहित मुझ पर बहुत भरोसा करते हैं, जो करना चाहता हूं मुझे वो करने की आजादी है : बुमराह ने अश्विन से कहा

भाषा। नई दिल्ली

दुनिया के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में शुमार जसप्रीत बुमराह ने कहा कि रोहित शर्मा को उनकी काबिलियत पर हमेशा ही भरोसा था और यहां तक कि जब वह मुंबई इंडियंस में नए थे तो भी भारतीय कप्तान ने उन्हें महत्वपूर्ण ओवर गेंदबाजी करने को दिए और अब वह उनके तरीके से चीजें करने की आजादी देते हैं। बुमराह के अनुसार रोहित ने उनकी गेंदबाजी के विकास में अहम भूमिका अदा की है। भारतीय टीम के साथी रविचंद्रन अश्विन के साथ उनके यूट्यूब चैनल पर डीआरएस विद एश एपिसोड के दौरान बुमराह ने कहा, जब मैं टीम में आया था तो (रिकी) पोंटिंग कप्तान थे और मैं नियमित रूप से नहीं खेल रहा था। मैंने रोहित की कप्तानी में ही ज्यादा खेलना शुरू किया, उन्हें मुझे पर काफी भरोसा था। उन्होंने मेरे अंदर काफी आत्मविश्वास भरा। उन्होंने (रोहित) मुझे नेट्स पर गेंदबाजी करते हुए देखा कि मेरे अंदर किस तरह का कौशल है, इसलिए उन्होंने हमेशा मेरा समर्थन किया और हमेशा मुझे कहा कि खुद पर भरोसा रखूं और यहां तक कि शुरूआती चरण में भी उन्हें मुझ पर काफी भरोसा था इसलिए वह मुझे महत्वपूर्ण ओवर देते थे। इस तेज गेंदबाज ने कहा, इससे मुझे लगता कि मैं यह काम कर सकता हूं, कभी कभार आप फिर भी यह मानने की कोशिश कर रहे होते हो कि शायद यही सही फैसला है कि मैं मुश्किल काम कर रहा हूं, लेकिन उन्होंने आपको ऐसी मुश्किल परिस्थिति में डाल दिया कि आप खुद ही इससे बाहर निकलने का तरीका ढूंढ लोगे। आईपीएल में 2013 में और फिर 2016 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले बुमराह अब बेहतरीन तेज गेंदबाज बन चुके हैं। रोहित और बुमराह दोनों पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस की इंडियन प्रीमियर लीग में सफलता का पर्याय रहे हैं। रोहित पर बुमराह ने कहा, उन्हें अभी तक मुझ पर काफी भरोसा है और अब हम उस जगह पर पहुंच चुके हैं कि वह मुझे बताते ही नहीं कि क्या करना है।

क्विक न्यूज

कौस्तव ने अधिबान को ड्रॉ पर रोका

कानपुर। पश्चिम बंगाल के अंतरराष्ट्रीय मास्टर कौस्तव चटर्जी ने शनिवार को यहां 58वीं सीनियर राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप के तीसरे दौर में पीएसपीबी के शीर्ष वरीय ग्रैंडमास्टर बी अधिबान को ड्रॉ पर रोका। सफेद मोहरों से खेल रहे अधिबान 73 चाल के बाद पश्चिम बंगाल के अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ बाजी ड्रॉ कराने को राजी हो गए।

खेल पत्रकार का निधन

चेन्नई। प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया के लिए 40 से ज्यादा वर्षों तक काम कर चुके अनुभवी खेल पत्रकार वी के चंद्रमौली का यहां कोविड-19 संबंधित जटिलताओं के कारण शनिवार को निधन हो गया। परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 92 वर्ष के थे। उनके परिवार में एक बेटा, दो बेटियां, तीन परपोते और दो परपोती है। एक मार्च 1931 को जन्में चंद्रमौली ने अपने करियर में कई बड़ी प्रतियोगिताएं कवर की जिसमें बैंकाक एशियाई खेल, रणजी ट्रॉफी और शतरंज टूर्नामेंट शामिल है।

लॉरेन डाउन महिला वनडे विश्व कप से बाहर

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड की बल्लेबाज लॉरेन डाउन भारत के खिलाफ पांचवें एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान दाएं हाथ के अंगूठे में फ्रेक्चर के कारण स्वदेश में होने वाले आगामी महिला एकदिवसीय विश्व कप में नही खेल पाएंगी। डाउन की जगह जॉर्जिया प्लिमर लेगी जो घरेलू क्रिकेट में वेलिंगटन ब्लेज की ओर से खेलती है। आक्लैंड की तेज गेंदबाज मोली पेनफोल्ड भी रिजर्व खिलाड़ी के रूप मे टीम के साथ यात्रा करेगी। मुख्य कोच बॉब कार्टर ने शनिवार को कहा, पूरी टीम लॉरेन के लिए निराश है।

सीजेआई ने एससीबीए क्रिकेट का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) एन वी रमण ने शनिवार को यहां के एक मैदान में सर्वोच्च न्यायालय बार संघ (एससीबीए) के एक क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन एससीबीए अध्यक्ष विकास सिंह को गेंदबाजी करके किया। टूर्नामेंट के लिए यहां बाराखंभा रोड स्थित मॉडर्न स्कूल के क्रिकेट मैदान का दौरा करने से पहले मुख्य न्यायाधीश ने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा आयोजित भारत में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) विवादों के अधिनिर्णय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन किया था।

चिक्करंगप्पा रॉयल्स कप में शीर्ष पांच में बरकरार

कंचनाबुरी (थाईलैंड)। भारतीय गोल्फर एस चिक्करंगप्पा शनिवार को यहां एशियाई टूर के रॉयल्स कप गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर के बाद 12 अंडर के स्कोर से संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर चल रहे हैं। चान शिह चांग ने पांच अंडर पार 67 का कार्ड खेला जिससे वह 19 अंडर के कुल स्कोर से बढ़त बनाए है। भारतीयों में राहिल गंगजी ने दो अंडर 70 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 37वें स्थान पर है। अमन राज भी इसी स्थान पर है।

भारतीय निशानेबाजी दल विश्व कप के लिए तैयार

काहिरा। तोक्यो ओलंपिक खेलों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कई नए निशानेबाजों के साथ 34 सदस्ईय भारतीय निशानेबाजी दल सोमवार के यहां शुरू होने वाले साल के पहले आईएसएसएफ (अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ) विश्व कप के लिए तैयार है।

दक्षिण अफ्रीका 364 रन पर सिमटा

● न्यूजीलैंड के पांच विकेट पर 157 रन

भाषा। क्राइस्टचर्च

निचले क्रम की उम्दा बल्लेबाजी के बाद कागिसो रबादा की धारदार गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 157 रन करके अपना पलड़ा भारी रखा।पहले मैच में करारी शिकस्त झेलने वाले दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले केशव महाराज (36) और मार्को जेनसन (37) के बीच नौवें विकेट की 62 रन की साझेदारी की बदौलत पहली पारी में 364 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से कोलिन डि ग्रैंडहोम ने सिर्फ 36 गेंद में अर्धशतक जड़ा और फिर काफी धीमी बल्लेबाजी करते हुए दिन का खेल खत्म होने तक नाबाद 54 रन बनाए। दूसरे छोर पर डेरिल मिशेल 29 रन बनाकर उनका साथ निभा रहे हैं। दोनों छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी कर चुके हैं। न्यूजीलैंड की टीम अब भी दक्षिण अफ्रीका से 207 रन से पीछे है जबकि उसके पांच विकेट शेष हैं। दूसरे दिन पहला और आखिरी घंटा छोड़कर बाकी दिन दक्षिण अफ्रीका का दबदबा रहा। टीम ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 238 रन से की लेकिन न्यूजीलैंड ने लंच से पहले 60 रन पर चार विकेट चटकाकर मेहमान टीम का स्कोर सात विकेट पर 298 रन कर दिया। जेनसन और महाराज ने हालांकि नौवें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। इससे पहले सलामी बल्लेबाज सेरेल इर्वी ने अपना पहला टेस्ट शतक जड़ते हुए 108 रन बनाए। हेगले ओवल के इसी मैदान पर दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले टेस्ट की दो पारियों में 95 और 111 रन ही बना सकी थी। रबादा ने इसके बाद न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को झकझोरा। इस तेज गेंदबाज ने पहले ही ओवर में न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम (00) को विकेटकीपर काइल वेरेने के हाथों कैच कराके के बाद पांचवें ओवर में विल यंग (03) को भी उनके हाथों लपकवाकर मेजबान टीम का स्कोर नौ रन पर दो विकेट किया।

मेदवेदेव को हराकर नडाल फाइनल में

● नोरी से होगी भिड़ंत

भाषा। अकापुल्को (मैक्सिको)

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रफेल नडाल ने डेनिल मेदवेदेव को सीधे सेट में हराकर मैक्सिको ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना बेहतरीन फॉर्म में चल रहे कैमरन नोरी से होगा। आस्ट्रेलिया ओपन फाइनल में मेदवेदेव को पांच सेट में हराने वाले नडाल को शुक्रवार को रूस के इस खिलाड़ी को 6-3, 6-3 से हराने के लिए अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा। पिछले महीने आस्ट्रेलियाई ओपन में 35 साल के नडाल ने पहले दो सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए मेदवेदेव को हराया था जो सोमवार को नई रैंकिंग जारी होने पर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बनेंगे। नडाल ने मौजूदा सत्र में अपने सभी 14 मुकाबले जीते हैं और अब वह अकापुल्को में चौथा खिताब जीतने उतरेंगे। दूसरी तरफ नोरी ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए स्टेफानोस सितसिपास को 6-4, 6-4 से हराकर उलटफेर किया। जनवरी में अपने चारों मुकाबले गंवाने के बाद नोरी फरवरी में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। वह इस महीने 10 मैच जीते चुके हैं जबकि एक मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने पिछले हफ्ते डेलरे बीच में अपने करियर का तीसरा एटीपी खिताब भी जीता। छठे वरीय नोरी ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी सितसिपास को हराया।

स्पेन के रामोस चिली ओपन के सेमीफाइनल में

सेंटियागो (चिली)। स्पेन के दूसरे वरीय अल्बर्ट रामोस विनोलास ने शुक्रवार को यहां अर्जेन्टीना के फाकुंडो बेगनिस को सीधे सेट मे हराकर चिली ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। रामोस विनोलास ने इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में बेगनिस को 7-5, 6-2 से हराया। दुनिया के 31 वें नंबर के खिलाड़ी रामोस विनोलास का सामना अगले दौर में अर्जेन्टीना के ही सबेस्टियन बेज से होगा जिन्होंने ब्राजील के थियागो मोंटेरियो को 7-5, 3-6, 6-4 से हराया। एक अन्य सेमीफाइनल में चिली के एलेजांद्रो ताबिलो और स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज आमने सामने होंगे। गुरुवार को चिली के ही शीर्ष वरीय क्रिस्टियन गेरिन को हराने वाले ताबिलो ने क्वार्टर फाइनल में सर्बिया के छठे वरीय मियोमिर केक्मानोविच को 6-l, 6-4 से हराया। स्पेन के मार्टिनेज ने जर्मनी के यानिस हैफ्मैन को 6-2, 6-2 से शिकस्त दी।

यूपी के लड़कों ने दिखाया दम, असम बेदम

यश दयाल (37 रन पर चार विकेट)

● उत्तर प्रदेश ने असम को छह विकेट से हराया

भाषा। रोहतक

यश दयाल (37 रन पर चार विकेट) और अंकित राजपूत (56 रन पर चार विकेट) की दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी के बाद मैन ऑफ द मैच सामर्थ्य सिंह की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर उत्तर प्रदेश ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप जी क मैच में तीसरी दिन शनिवार को असम को छह विकेट से हराकर छह अंक हासिल किए। पहली पारी में नौ रन की बढ़त हासिल करने वाली उत्तर प्रदेश की टीम ने असम की दूसरी पारी को महज 120 रन पर समेट कर जीत के लिए मिले 112 रन के लक्ष्य को 38.1 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। पहली पारी में 265 रन बनाने वाले असम ने तीसरे दिन के खेल में दूसरी पारी की शुरुआत एक विकेट पर पांच रन से आगे से खेलना शुरू किया लेकिन सलामी बल्लेबाज ऋषभ दास (73) के अलावा कोई भी बल्लेबाज उत्तर प्रदेश के गेंदबाजों का डटकर सामना नहीं कर सका। असम के सिर्फ तीन बल्लेबाज दहाई के आंकड़े में पहुंच सके और पूरी टीम 44.3 ओवर में 120 रन पर आउट हो गई। जीत के लिए 112 रन के लक्ष्य का पीछा करते समय उत्तर प्रदेश की शुरुआत भी खराब रही और सलामी बल्लेबाज माधव कौशिक चार रन बनाकर पवेलियन लौट गए। लेकिन पहली पारी में 70 रन बनाने वाले सामर्थ ने एक छोर संभाले रखा और नाबाद अर्धशतकीय पारी खेलते हुए टीम को जीत दिला दी। उप्र के लिए प्रियम गर्ग ने 20 और रिंकू सिंह ने नाबाद 22 रन बनाए। ग्रुप के एक अन्य मैच में सुलतानपुर में महाराष्ट्र की टीम विदर्भ के पांच विकेट पर 569 रन पर पारी घोषित के जवाब में तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक छह विकेट पर 276 रन बनाकर संघर्ष कर रही है।

बंगाल ने हैदराबाद को दिया 239 रन का लक्ष्य

कटक। बंगाल ने शाहबाज अहमद (51) के अर्धशतक से रणजी ट्राफी ग्रुप बी मैच के तीसरे दिन दूसरी पारी में 201 रन बनाकर हैदराबाद को जीत के लिए 239 रन का लक्ष्य दिया और स्टंप तक उसके दो विकेट भी झटक लिए। बंगाल ने सुबह एक विकेट पर 16 रन से खेलते हुए शाहबाज की अर्धशतकीय पारी के अलावा रित्विक रॉय चौधरी के 41 रन और अनुष्टुप मजूमदार के 42 रन की मदद से दूसरी पारी 201 रन बनाए। हैदराबाद के टी त्यागराजन और तिलक वर्मा ने तीन तीन विकट झटके।

रहाणे और कोटियान के अर्धशतक, मुंबई के स्टंप तक सात विकेट पर 322 रन

हमदाबाद। भारतीय टेस्ट टीम से बाहर किए गए अजिंक्य रहाणे ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच के तीसरे दिन अर्धशतकीय पारी खेली जिससे मुंबई ने उनके और तनुष कोटियान के नाबाद 57 रन की मदद से गोवा के खिलाफ शनिवार को यहां स्टंप तक सात विकेट पर 322 रन बना लिए। पहली पारी में 163 रन पर सिमट कर गोवा से पहली पारी की बढ़त गंवाने वाली मुंबई ने सुबह एक विकेट पर 57 रन से खेलना शुरू किया। हालांकि उसके तीन बल्लेबाज जल्दी जल्दी आउट हो गए लेकिन रहाणे और सरफराज खान ने अच्छी बल्लेबाजी की। रहाणे ने 148 गेंद में 56 रन बनाए जिसमें तीन चौके शामिल थे। वहीं सरफराज अपने अर्धशतक से दो रन से चूककर 48 रन बनाकर आउट हुए। फिर आठवें नंबर पर उतरे शम्स मुलानी और तनुष कोटियान ने कमाल कर दिया। दोनों ने अच्छी साझेदारी करते हुए आठवें विकेट के लिए नाबाद 114 रन की साझेदारी निभा ली है। इस दौरान तनुष ने अपना अर्धशतक पूरा कर लिया और 57 रन बनाकर खेल रहे है जबकि शम्स मुलानी पचासे से केवल एक रन दूर है। ग्रुप के एक अन्य मैच में सौराष्ट्र ने ओडिशा को फॉलो आन देकर दूसरी पारी में उसके पांच विकेट झटक लिए है।

जम्मू कश्मीर के खिलाफ कर्नाटक जीत के करीब, रेलवे ने पहली पारी में हासिल की बढ़त

चेन्नई। कर्नाटक ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी के मैच में जम्मू कश्मीर को जीत के लिए 508 रन का लक्ष्य देने के बाद शनिवार को तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 190 रन पर चार विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है।

मप्र की मेघालय पर पारी और 301 रन से बड़ी जीत

राजकोट। मध्य प्रदेश ने शनिवार को यहां रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप ए मुकाबले के तीसरे दिन मेघालय को पारी और 301 रन से हराकर बोनस अंक सहित सात अंक अपनी झोली में डाले। इससे मध्य प्रदेश ग्रुप ए तालिका में 13 अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गया है जबकि केरल छह अंक से दूसरे स्थान पर है। मध्य प्रदेश ने पहले मैच में गुजरात को हराया था।

कल्सी और डागर ने हिमाचल को दिलाई जीत

नई दिल्ली। बाएं हाथ के स्पिनर मयंक डागर के नौ विकेट और कप्तान अंकित कल्सी के शानदार शतक से हिमाचल ने यहां रणजी ट्राफी ग्रुप एफ मैच में त्रिपुरा को पारी और 30 रन से पराजित किया। डागर ने 55 रन देकर पांच विकेट झटके और त्रिपुरा को पहली पारी में 202 रन पर समेटने में मदद की।

इशांत ने केवल नौ ओवर डाले, दिल्ली क्वार्टरफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर

नई दिल्ली। इशांत शर्मा ने अपने पहले स्पैल में एक विकेट झटका लेकिन नौ ओवर में कहीं भी दमदार नहीं दिखे जिससे नजीम सिद्दिकी और कुमार सूरज के शतकों से झारखंड ने दिल्ली को ग्रुप एच रणजी ट्राफी मैच से बाहर करने की कगार पर पहुंचा दिया। झारखंड ने तीसरे दिन स्टंप तक दूसरी पारी में पांच विकेट पर 288 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 315 रन की कर ली और उसने तीन अंक लगभग निश्चित कर लिए हैं। टीम शायद अंतिम दिन एक घंटे और बल्लेबाजी करेगी ताकि दिल्ली का महज पांच घंटे में लक्ष्य का पीछा करने का कोई भी मौका खत्म हो जाए। अगर दिल्ली को एक अंक मिलता है तो वे केवल थ्योरी के हिसाब से ही बने रहेंगे क्योंकि छत्तीसगढ़ के खिलाफ मैच में बोनस अंक सहित सात अंक भी उसे तमिलनाडु को पछाड़ने के लिए काफी नहीं होंगे। सुबह के सत्र में जोंटी (79) बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज नदीम का पांचवां शिकार बने और दिल्ली की टीम 224 रन पर सिमट गई जिससे झारखंड को 27 रन की महत्वपूर्ण बढ़त मिली। दिन के पहले सत्र में दिल्ली ने अच्छी वापसी की और झारखंड के 67 रन पर चार विकेट झटक लिए जिसमें नवदीप सैनी और इशांत ने शुरूआती स्पैल में अच्छी गेंदबाजी की। सिद्धिकी (110 रन, और सूरज (नाबाद 129 रन, ने जब अच्छी साझेदारी बनाना शुरू किया।

युवाओं को पर्याप्त मैच मिले, हमें अब पता है विश्व कप से पहले वे टीम में कहां फिट बैठती हैं : मिताली

क्राइस्टचर्च। भारतीय कप्तान मिताली राज का मानना है कि शेफाली वर्मा और रिचा घोष जैसी युवा खिलाड़ियों ने दिखाया है कि उनमें शीर्ष स्तर पर चुनौती पेश करने की क्षमता है और पिछली कुछ श्रृंखलाओं से अगले महीने होने वाले महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप से पहले टीम को अपना संयोजन तैयार करने में मदद मिली है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखलाओं में कुछ नई प्रतिभाओं को आजमाया। विश्व कप न्यूजीलैंड में चार मार्च से शुरू होगा। कप्तानों की मीडिया कांफ्रेंस के दूसरे दिन मिताली ने कहा, हमने टीम में कुछ युवा प्रतिभाओं को आजमाया और उनमें से अधिकतर ने दिखाया कि उनमें इस स्तर पर खेलने की क्षमता है। इनमें रिचा, शेफाली जैसी खिलाड़ी शमिल हैं, हमारे पास तेज गेंदबाजों में मेघना सिंह, पूजा वस्त्रकार हैं। उन्होंने कहा, इन सभी को काफी मैच खेलने को मिले हैं और इन श्रृंखलाओं से कप्तान के रूप में मुझे काफी मदद मिली कि वे टीम के संयोजन में कहां फिट बैठती हैं। अनुभवी बल्लेबाज मिताली ने कहा कि प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण की जरूरत है।

आखिरी छह होल में पांच बर्डी लगाने के बाद भी लाहिड़ी कट में जगह बनाने से चूके

पाम बीच (अमेरिका)। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी होंडा क्लासिक के दूसरे दौर के अंतिम छह होल में पांच बर्डी के शानदार प्रयास के बाद भी कट में जगह नहीं बना सके। लाहिड़ी ने शुरुआती दौर में 73 का कार्ड खेला था। उन्होंने दूसरे दौर के शुरूआती 12 होल में कई बोगी कर दिए जिससे आखिरी छह होल के शानदार प्रदर्शन के बाद भी कट में जगह बनाने में सफल नहीं रहे। दूसरे दौर में उन्होंने पार 70 का कार्ड खेला और एक शॉट से कट में जगह बनाने से चूक गए। उनका कुल स्कोर तीन ओवर 143 का रहा जबकि कट 142 के स्कार का था।

कलाई में चोट के कारण रुतुराज श्रीलंका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर

धर्मशाला। भारत के सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ कलाई में चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ बाकी बचे दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से शनिवार को बाहर हो गए।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बाकी बचे दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए उनकी जगह मयंक अग्रवाल को टीम में शामिल किया है। भारत तीन मैच की श्रृंखला में।-0 से आगे चल रहा है। दूसरा मैच शनिवार को यहां खेला जाएगा। अभ्यास के दौरान चोट लगने के कारण 25 साल के रुतुराज गुरुवार को पहले टी20 मुकाबले में भी नहीं खेल पाए थे। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।

भारत की योजना मॉस्को से हटाए गए शतरंज ओलंपियाड की मेजबानी के लिए बोली लगाने की

चेन्नई। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने शनिवार को कहा कि वह इस साल के अंत में होने वाले शतरंज ओलंपियाड के 44वें चरण की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा क्योंकि यूक्रेन पर हमले के बाद इसे रूस से हटा दिया गया था। एआईसीएफ सचिव भरत सिंह चौहान ने पीटीआई से कहा, हां, हम इस साल शतरंज ओलंपियाड के लिए बोली लगा रहे हैं। टूर्नामेंट का बजट एक करोड़ डॉलर (करीब 75 करोड़ रूपए) होगा। शतरंज ओलंपियाड द्विवार्षिक टूर्नामेंट है जिसमें करीब 190 देशों की टीमें दो हफ्तों तक एक दूसरे के आमने सामने होती हैं।